हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

दुमका, औरंगाबाद, आरा, एवं पटना से प्रकाशित

Page 11

खेल

कार्लोस अल्काराज ने रचा इतिहास, नोवाक जोकोविच को हराकर जीता ऑस्ट्रेलियन ओपन...

Page 10

देश

रोहित शेट्टी के घर फायरिंग मामले में गिरफ्तार आरोपियों को कोर्ट में किया पेश, चार दिनों की...

रजि नं.-JHAHIN/2022/82776 • दुमका • मंगलवार • 03 फरवरी 2026 • वर्ष 04 • अंक 349 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

सेरेंगसिया के शहीदों को नमन कर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दी विकास की बड़ी सौगात

एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम

398 करोड़ की 197 योजनाओं का शिलान्यास-उद्घाटन, 3.77 लाख लाभार्थियों को 637 करोड़ की परिसंपत्तियां, 1479 युवाओं को नियुक्ति पत्र

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पश्चिमी सिंहभूम जिले के टोटो प्रखंड अंतर्गत सेरेंगसिया में आयोजित शहीदों को नमन सह परियोजनाओं के शिलान्यास–उद्घाटन एवं परिसंपत्ति वितरण समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने सेरेंगसिया शहीद स्मारक पर माल्यार्पण कर अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष करने वाले महानायक पोटो हो सहित तमाम अमर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और नमन किया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि झारखंड हमेशा से शूरवीरों की धरती रही है। यहां के वीरों ने देश की आजादी की लड़ाई शुरू होने से पहले ही अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि अपने अमर शहीदों का सम्मान हमारी परंपरा में शामिल है और सरकार इस परंपरा को और मजबूती से आगे बढ़ा रही है, ताकि आने वाली पीढ़ियां अपने पूर्वजों के बलिदान को जान सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोल विद्रोह समेत कई ऐतिहासिक आंदोलनों के माध्यम से यहां के आदिवासी वीरों ने अपनी पहचान, जल-जंगल-जमीन की रक्षा और अंग्रेजों के अन्याय व शोषण के खिलाफ अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया। भगवान बिरसा मुंडा, सिदो-कान्हु, नीलांबर-पीतांबर और पोटो हो जैसे महानायकों की शहादत की यह धरती साक्षी रही है।

सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक सशक्तिकरण पर जोर : मुख्यमंत्री ने कहा कि जब तक समाज आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक और बौद्धिक रूप से मजबूत नहीं होगा, तब तक समग्र विकास संभव नहीं है। इसी उद्देश्य से सरकार शिक्षा पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे अपने बच्चों, विशेषकर बेटियों को हर हाल में पढ़ाएं। सरकार गरीब और जरूरतमंद बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के लिए कई योजनाएं चला रही है। उन्होंने बताया कि बच्चों को निजी विद्यालयों की तर्ज पर उत्कृष्ट शिक्षा, मेडिकल-इंजीनियरिंग समेत प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क कोचिंग, तथा विदेशों में उच्च शिक्षा के लिए शत-प्रतिशत स्कॉलरशिप दी जा रही है।

आधी आबादी को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प : मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आधी आबादी यानी महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री मइंया सम्मान योजना इसका एक प्रमुख उदाहरण है, जिसके तहत 18 से 50 वर्ष की महिलाओं को हर वर्ष 30 हजार रुपये की सहायता दी जा रही है, ताकि वे अपने पैरों पर खड़ी हो सकें।

197 विकास योजनाओं की सौगात : इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 398 करोड़ 19 लाख 35 हजार 298 रुपये की लागत से 197 विकास योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। इसमें 224 करोड़ 78 लाख 77 हजार 843 रुपये की लागत से 122 योजनाओं का शिलान्यास, 173 करोड़ 40 लाख 57 हजार 405 रुपये की लागत से 75 योजनाओं का उद्घाटन शामिल है। इसके साथ ही विभिन्न विभागों की योजनाओं के तहत 3 लाख 77 हजार 256 लाभार्थियों के बीच 637 करोड़ 43 लाख 13 हजार 500 रुपये की परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। साथ ही 1479 युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान कर रोजगार की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया।

विकास के हर मोर्चे पर आगे बढ़ रहा झारखंड

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि उनकी सरकार हेडक्वार्टर से नहीं, गांवों से चल रही है। आज सरकार की योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं और लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य विकास के हर मोर्चे पर तेज गति से आगे बढ़ रहा है, जो सरकार की नीतियों और योजनाओं का सकारात्मक परिणाम है।

गणमान्य रहे उपस्थित : कार्यक्रम में मंत्री दीपक बिरुवा, सांसद जोबा मांझी, विधायक निरल पूर्ति, दशरथ गागरई, सुखराम उरांव, सोनाराम सिंकू, सविता महतो, समीर मोहंती, संजीव सरदार, जगत मांझी, सोमेश चंद्र सोरेन, जिला परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सुरीन, पुलिस उप महानिरीक्षक अनुरंजन किस्पोट्टा, उपायुक्त चंदन कुमार तथा पुलिस अधीक्षक अमित रेणु सहित कई जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने अंत में कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए ऐतिहासिक है और हम सबको अपने अमर वीर शहीदों के आदर्शों और सपनों को पूरा करने का संकल्प लेना चाहिए।

राज्यपाल गंगवार का राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के प्रतिनिधिमंडल से संवाद

एजेंसी। रांची

पर्यटन, खेल और शिक्षा पर दिया जोर

झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सोमवार को लोक भवन में राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के प्रतिनिधिमंडल से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के साथ राज्य की पर्यटन, खेल और शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों पर विस्तृत चर्चा की। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक अध्ययन का प्रतिष्ठित संस्थान है, जिसका गौरवशाली इतिहास न केवल भारत में, बल्कि वैश्विक स्तर पर इसकी विशिष्ट पहचान स्थापित करता है। उन्होंने झारखंड को वीरों की धरती बताते हुए कहा कि यह राज्य प्राकृतिक संसाधनों, खनिज संपदा, समृद्ध संस्कृति और परंपराओं से सम्पन्न है।झारखंड के जनजातीय समाज की परंपराएं, उनका पर्व-त्योहार और जीवन शैली प्रकृति-प्रेमी होने का परिचायक हैं। राज्य के लोग सरल, परिश्रमी, साहसी और अतिथि-सत्कार के लिए प्रसिद्ध हैं। राज्यपाल ने झारखंड की पर्यटन संभावनाओं की चर्चा करते हुए कहा कि राज्य की झीलें, झरने और विश्वप्रसिद्ध धार्मिक स्थलों का भ्रमण पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल से आग्रह किया कि समय मिलने पर इन स्थलों का भ्रमण अवश्य करें। साथ ही उन्होंने इस बात से भी अवगत कराया कि लोक भवन के उद्यान अब आम नागरिकों के लिए खुले हैं, जहां 100 से अधिक प्रजातियों के गुलाब उपलब्ध हैं। राज्यपाल ने कहा कि वे स्वयं आगंतुकों से संवाद कर उद्यान को और बेहतर बनाने के लिए सुझाव जानने का प्रयास करेंगे। संवाद के दौरान प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख मेजर जनरल हरतेज सिंह बजाज ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल में कुल 17 सदस्य शामिल हैं, जिनमें इथोपिया, बांग्लादेश, फ्रांस, ब्राज़ील और जापान के पांच विदेशी सदस्य भी हैं। प्रतिनिधिमंडल झारखंड के बारे में अधिक से अधिक जानने एवं अध्ययन करने के इच्छुक हैं। प्रतिनिधिमंडल ने राज्य में खेल क्षेत्र की संभावनाओं पर भी चर्चा की, तो राज्यपाल ने कहा कि झारखंड में खेलों के प्रति विशेष अभिरुचि है। हॉकी, तीरंदाजी और फुटबॉल जैसे खेलों में राज्य लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने उल्लेख किया कि पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान महेंद्र सिंह धोनी इसी राज्य से हैं, और राज्य की बेटियां हॉकी में देश का नाम रोशन कर रही हैं। हाल ही में हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) का सफल आयोजन भी हुआ है। राज्यपाल ने उच्च शिक्षा और महिलाओं की भागीदारी पर भी विचार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में राज्य की स्थिति अपेक्षानुरूप नहीं है, किन्तु सुधार के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। महिलाओं की भागीदारी पर उन्होंने कहा कि राज्य की महिलाएं परिश्रमी हैं और 'लखपति दीदी योजना' के माध्यम से सशक्तिकरण की दिशा में बेहतर योगदान कर रही हैं। साथ ही उन्होंने सामाजिक सुरक्षा के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जा रही विभिन्न सुविधाओं पर भी चर्चा की। राज्यपाल ने आशा व्यक्त की कि प्रतिनिधिमंडल झारखंड में अपने प्रवास के दौरान सुखद और स्मरणीय अनुभव प्राप्त करेगा। संवाद के बाद प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने लोक भवन स्थित उद्यान का भ्रमण भी किया।

संक्षिप्त समाचार

पहले पिनाका रॉकेट, अब सीडीएस चौहान पहुंच गए आर्मेनिया, भारत से पाकिस्तान को झटके पर झटका

नई दिल्ली। भारत और आर्मेनिया के बीच रक्षा सहयोग लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। स्वदेशी गाइडेड पिनाका रॉकेट की पहली खेप आर्मेनिया को भेजे जाने के तुरंत बाद भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान चार दिवसीय दौरे पर रविवार को आर्मेनिया पहुंच गए। इस यात्रा को दोनों देशों के बीच रक्षा, सुरक्षा और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में बेहद अहम कदम माना जा रहा है। क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर इसके संकेत पाकिस्तान और उसके सहयोगी देशों के लिए चिंता बढ़ाने वाले हैं। सीडीएस जनरल अनिल चौहान एक उच्चस्तरीय सैन्य प्रतिनिधिमंडल के साथ आर्मेनिया की राजधानी येरेवान पहुंचे। उनके स्वागत के लिए आर्मेनिया में भारत की राजदूत निलाक्षी साहा सिन्हा और आर्मेनियाई सशस्त्र बलों के डिप्टी चीफ मेजर जनरल तैमूर शाहनजार्यन मौजूद रहे। इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ मुख्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि यह दौरा साझा रणनीतिक हितों को आगे बढ़ाने और दीर्घकालिक रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण अवसर है। इस दौरे की टाइमिंग खास मानी जा रही है, क्योंकि कुछ ही सप्ताह पहले भारत ने आर्मेनिया को स्वदेशी रूप से विकसित गाइडेड पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर सिस्टम की पहली खेप सौंपी है।

बलूचिस्तानः भीषण संघर्ष में 145 विद्रोही ढेर, सुरक्षाबलों और नागरिकों सहित 50 से अधिक मौतें

इस्लामाबाद। पाकिस्तान का बलूचिस्तान प्रांत इस समय भीषण हिंसा और सैन्य संघर्ष की आग में झुलस रहा है। पिछले कई दशकों में इस क्षेत्र ने ऐसा खूनी मंजर नहीं देखा, जैसा बीते कुछ घंटों में देखने को मिला है। विद्रोही संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) द्वारा किए गए श्रृंखलाबद्ध हमलों के जवाब में सुरक्षाबलों ने एक व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया है, जिसमें अब तक 145 विद्रोहियों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। इस हिंसक टकराव में पाकिस्तान के 17 सुरक्षाकर्मी भी अपनी जान गंवा चुके हैं, जबकि विद्रोहियों के हमलों में महिलाओं और बच्चों समेत 18 आम नागरिकों की भी मौत हुई है। प्रांत के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने क्वेटा में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पिछले 40 घंटों से जारी आतंकवाद विरोधी अभियानों में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। उन्होंने पुष्टि की कि मारे गए सभी 145 विद्रोहियों के शव प्रशासन के कब्जे में हैं और उनकी शिनाख्त की प्रक्रिया चल रही है। मुख्यमंत्री के अनुसार, यह प्रांत के इतिहास में किसी एक अभियान में मारे गए विद्रोहियों की अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। विद्रोहियों ने क्वेटा, मस्तुंग, नुश्की, ग्वादर और पसनी जैसे एक दर्जन से अधिक स्थानों पर सुरक्षा ठिकानों, सरकारी कार्यालयों और जेलों को निशाना बनाया था। रिपोर्टों के अनुसार, हमलों के दौरान एक डिप्टी डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर का अपहरण भी कर लिया गया है। अभियान के दौरान सेना ने बताया कि विद्रोहियों ने दो महिला आत्मघाती हमलावरों का भी इस्तेमाल किया, जिन्होंने पसनी और क्वेटा में विस्फोट किए।

देश को कमजोर दिखाने की कोशिश कर रहे राहुल गांधीः किरेन रिजिजू

एजेंसी। नई दिल्ली

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने चीन सीमा विवाद को लेकर लोकसभा में दिए गए बयान पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। रिजिजू ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने सदन के नियमों का उल्लंघन किया और देश को कमजोर दिखाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि राहुल को चीन सीमा के मुद्दे पर कांग्रेस की "ऐतिहासिक गलतियों" के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए। रिजिजू का यह बयान सोमवार को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सरकार और विपक्ष के बीच हुए तीखे टकराव के बाद आया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने अपने भाषण की शुरुआत से ही नियमों का पालन नहीं किया और एक ऐसी पुस्तक से उद्धरण देने लगे, जिसका न तो प्रकाशन हुआ है और न ही उसकी प्रामाणिकता स्पष्ट है। उन्होंने बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित सरकार के सदस्यों ने आपत्ति जताई और लोकसभा अध्यक्ष ने नियम 349 के तहत स्पष्ट रूलिंग दी कि बिना सदन की अनुमति किसी अप्रकाशित पुस्तक या प्रकाशन का हवाला नहीं दिया जा सकता। इसके बावजूद राहुल ने अध्यक्ष के फैसले को चुनौती दी और बार-बार वही बात दोहराते रहे। रिजिजू ने कहा, "राहुल गांधी ने लगभग आधे घंटे तक सदन का समय बर्बाद किया, नियमों का उल्लंघन किया और चीन सीमा के मुद्दे को उठाते रहे। क्या कांग्रेस 1959 और 1962 में चीन द्वारा कब्जाई गई जमीन वापस ला सकती है?

जेपीएससी-2 घोटाले में ईडी ने मनी लाउंड्रिंग जांच की तेज, 28 अधिकारियों की संपत्ति का मांगा विवरण

एजेंसी। रांची

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी-2) घोटाले में आईआर दर्ज करने के बाद मनी लाउंड्रिंग के बिंदु पर जांच को तेज कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार, ईडी ने इस मामले में सीबीआई की ओर से आरोपित झारखंड पुलिस और प्रशासन के 28 अधिकारियों से संबंधित विस्तृत जानकारी मांगी है, जिसमें उनकी ओर से घोषित संपत्ति का विवरण भी शामिल है। ईडी ने जिन अधिकारियों की संपत्ति का विवरण मांगा है, उनमें राधा प्रेम किशोर, विनोद राम, हरिशंकर, रवि कुमार कुजूर, मुकेश कुमार महतो, कुंदन कुमार सिंह, मौसमी नागेश, कानू राम नाग, प्रकाश कुमार, संगीता कुमारी, रजनीश कुमार, शिवेंद्र, संतोष कुमार चौधरी, रोहित सिंह, शैलेश कुमार श्रीवास्तव, अमित कुमार, राहुल जी आनंद, इंद्रजीत सिंह, शिशिर कुमार सिंह, राजीव कुमार सिंह, रामकृष्ण कुमार, प्रमोद राम, अरविंद कुमार सिंह, विकास कुमार पांडे, मनोज कुमार, सुदामा कुमार और कुमुद कुमार शामिल हैं। दरअसल, सीबीआई ने जेपीएससी-2 घोटाले की जांच के बाद कुल 60 आरोपितों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। इसमें जेपीएससी के छह अधिकारी, ग्लोबल इंफॉरमेटिक्स के 28 परीक्षार्थी और 25 परीक्षक शामिल थे। आरोपित सभी 28 अधिकारी फिलहाल जमानत पर हैं। इन आरोपितों में से कुछ राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अब एडीएम रैंक में और राज्य पुलिस सेवा के दो अधिकारी आईपीएस रैंक में पदोन्नत हो चुके हैं। ईडी ने राज्य सरकार को पत्र लिखकर इन सभी अधिकारियों की पोस्टिंग और संपत्ति का ब्योरा मांगा है। उल्लेखनीय है कि अधिकारियों को सरकारी नौकरी में योगदान देते समय और हर साल अपनी संपत्ति की घोषणा करने का नियम है। अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों को यह विवरण भारत सरकार को भेजना होता है। अधिकारियों की संपत्ति की स्व घोषणा प्रशासनिक भ्रष्टाचार पर निगरानी के लिए अनिवार्य है। ईडी अब जेपीएससी घोटाले में आरोपित सभी अधिकारियों द्वारा की गई संपत्ति की जानकारी एकत्र कर रही है।

राजनीतिक हिंसा किसी भी रूप में लोकतंत्र के खिलाफः सदानंदन

नई दिल्ली। राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर सोमवार को चर्चा की शुरुआत करते हुए नामित सदस्य सी. सदानंदन मास्टर ने कहा कि जो लोग आज संसद में लोकतंत्र और मानवता की बातें कर रहे हैं, उन्होंने ही 31 साल पहले उन पर जानलेवा हमला किया था। सदन में व्हीलचेयर पर बैठकर इसलिए आए हैं क्योंकि एक संगठित आपराधिक गिरोह ने उन पर हमला कर उनके दोनों पैर काट दिए थे। उन्होंने इस हमले का संबंध अपरोक्ष रूप से मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) से जोड़ते हुए कहा कि हमला करने वाले लोग "इंकलाब ज़िंदाबाद" के नारे लगा रहे थे। सदन में टेबल पर रखे कृत्रिम पैर को दिखाते हुए सदानंदन ने कहा कि वे क्यों खड़े होकर नहीं बोल पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह हमला तब हुआ था, जब वह अपने चाचा के घर से लौट रहे थे। उन्होंने कहा, "आप लोकतंत्र और मानवता की बात करते हैं, लेकिन आपकी राजनीति हिंसा पर आधारित है। राजनीतिक हिंसा लोकतंत्र के लिए घातक है। सदानंदन मास्टर के बयान के बाद विपक्षी सदस्यों ने विरोध शुरू कर दिया। इस दौरान माकपा सदस्य जॉन ब्रिटास ने प्वाइंट ऑफ ऑर्डर उठाते हुए कहा कि राज्यसभा में किसी भी वस्तु को प्रदर्शित करने की अनुमति नहीं है।

रामकथा के दौरान भड़के राजन महाराज बोले- किसने मां का दूध पिया है, गोली मार कर दिखाओ

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर स्थित चंपा देवी पार्क में आयोजित रामकथा उस समय विवादों और हंगामे के केंद्र में आ गई, जब प्रख्यात कथावाचक राजन जी महाराज व्यास पीठ से अचानक आवेश में आ गए। सोमवार को कथा के दौरान मचे हड़कंप के बीच महाराज ने सार्वजनिक मंच से ललकारते हुए कहा, मेरे टीम मेंबर को गोली मारने की धमकी दी गई है। मैं भी कहता हूं, किसने मां का दूध पिया है, गोली मार कर दिखाओ! कथावाचक के इस कड़े तेवर और भावुक संबोधन का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, विवाद की शुरुआत उस समय हुई जब कथा के दौरान कुछ लोग बार-बार मंच पर चढ़ने की कोशिश कर रहे थे। सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से जब आयोजन टीम के सदस्यों ने लोगों को मंच पर आने से रोका, तो बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि विरोध कर रहे कुछ लोगों ने राजन जी महाराज की टीम के एक सदस्य पर अभद्र टिप्पणी की और कथित तौर पर गोली मारने की धमकी दे डाली। 16 वर्षों की अपनी कथा यात्रा में इस तरह के अनुभव से पहली बार गुजर रहे महाराज इस घटना से काफी आहत नजर आए।

दुबई में फंसे झारखंड के 14 प्रवासी श्रमिकों ने लगाई वतन वापसी की गुहार

एजेंसी। गिरिडीह

झारखंड के प्रवासी श्रमिकों को विदेशों में फंसने और फिर वतन वापसी के मामले अक्सर सुर्खियों में रहते है। इसी क्रम में सोमवार को दुबई का एक मामला सामने आया है। इस बार भी गिरिडीह, हजारीबाग और बोकारो के 14 प्रवासी मजदूर फंसे हुए हैं। कंपनी के जरिये मजदूरों के बीच काम के बदले मजदूरी का भुगतान नहीं किया जा रहा है। साथ ही समय से अधिक काम कराया जा रहा है। इससे मजदूरों को वहां रहने और खाने-पीने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।विदेश में फंसे मजदूरों ने एक वीडियो भेजकर अपनी पीड़ा को साझा करते हुए सरकार से मदद की अपील की है। प्रवासी मजदूरों के हित में कार्य करने वाले सिकन्दर अली को मजदूरों ने वीडियो भेजा है। मजदूरों के जरिये भेजे गए वीडियो को उन्होंने मीडिया के साथ साझा किया है। सिकन्दर अली ने केंद्र और राज्य सरकार से मजदूरों के सकुशल वतन वापसी के लिए ठोस पहल करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि विदेशों में फंसने वाले मजदूरों का यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी कई बार प्रवासी मजदूर ज्यादा पैसे कमाने की लालच में विदेश जाकर फंस चुके हैं।काफी मशक्कत के बाद उनकी वतन वापसी होती गई। इसके बावजूद प्रवासी मजदूर पुरानी घटनाओं से सबक नहीं ले रहे हैं। कुछ दिनों पूर्व जिले के डुमरी थाना क्षेत्र के मधगोपाली पंचायत (दूधपनिया गांव) निवासी प्रवासी श्रमिक विजय कुमार महतो की मौत 23 अक्टूबर 2025 को सऊदी अरब में हो गई थी। घटना के तीन माह बाद भी शव अभी तक देश नहीं लाया जा सका है और न ही परिजनों को मुआवजा मिला है। इस बार दुबई में फंसे मजदूरों में गिरिडीह जिले के सरिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत चिचाकी के रोशन कुमार और अजय कुमार,बगोदर थाना क्षेत्र के अंतर्गत के तिरला के राजेश महतो और मंडरो, डुमरडेली के अजय कुमार शामिल है।

पाकिस्तान से आए दलितों के दर्द पर सुप्रीम कोर्ट, सरकार से पूछा... सिर्फ नागरिकता दे देना ही काफी नहीं

एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पाकिस्तान से आए दलितों की हालत पर गहरी चिंता जाहिर की है। सर्वोच्च अदालत ने कहा है कि पाकिस्तान से निर्वासित होकर आए दलितों को सिर्फ भारतीय नागरिकता दे देना ही काफी नहीं है। शीर्ष अदालत ने कहा कि केंद्र सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इसतरह के लोगों को रहने के लिए सम्मानजनक आवास की सुविधा उपलब्ध कराएं। इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने अतिक्रमण हटाओ मुहिम पर रोक लगाकर सरकार से चार हफ्तों में जवाब दाखिल करने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट की ओर से पाकिस्तान से आए हिंदू दलितों को लेकर यह टिप्पणी दिल्ली के सिग्नेचर ब्रिज के पास मजनूं का टिला इलाके में रह रहे लोगों के विस्थापन की आशंकाओं के बीच की है। इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एन कोटेश्वर सिंह कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पाकिस्तान से आए इन निवासियों को लेकर कहा कि नागरिकता मिलने के बाद भी विस्थापन का खतरा इन लोगों पर मंडरा रहा है। शीर्ष अदालत ने जोर दिया कि नागरिकता देने के साथ-साथ पुनर्वास और आवास की सुविधाएं भी उपलब्ध करना चाहिए है, ताकि इसतरह के लोग भी सम्मानजनक जीवन जी सकें। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने सरकार को निर्देश दिया कि वह चार हफ्तों के अंदर अपना जवाब दाखिल करे, साथ ही इलाके में ऐसी किसी भी अतिक्रमण हटाओ मुहिम या विकास परियोजनाओं पर रोक लगा दी है, जिससे इन परिवारों के सामने विस्थापन का संकट खड़ा हो सकता है। बात दें कि सुप्रीम कोर्ट की इस पहल से करीब 250 परिवारों के करीब 1,000 लोगों को बहुत बड़ी राहत मिली है। ये वर्षों से इसी इलाके में रह रहे हैं। लेकिन, नई मुहिम के चलते उनके सामने आवास और पुनर्वास का संकट खड़ा हो गया और उनकी जिंदगी अनिश्चितता में उलझ गई है। जानकारी के अनुसार ये दलित हिंदू परिवार पाकिस्तान से धार्मिक उत्पीड़न का शिकार होकर भारत आए थे। वर्षों तक देश में शरणार्थी का जीवन गुजारने के बाद इन्हें नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के तहत भारतीय नागरिकता दी गई है।

पीएम मोदी समेत बीजेपी नेताओं ने अन्नपूर्णा देवी को जन्मदिन की दी बधाई

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट मंत्री अन्नपूर्णा देवी को उनके जन्मदिन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत भारतीय जनता पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने बधाई दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने महिला और बाल कल्याण के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल और स्वस्थ जीवन की कामना की। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि अन्नपूर्णा देवी के प्रयास महिलाओं और बच्चों के सशक्तिकरण की दिशा में सराहनीय हैं। प्रधानमंत्री मोदी के अलावा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी सहित कई नेताओं ने भी अन्नपूर्णा देवी को शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री योगी ने उनके लंबे, स्वस्थ और सफल जीवन की कामना की, वहीं नितिन गडकरी ने उन्हें केंद्रीय कैबिनेट की एक कर्मठ सहयोगी बताते हुए अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाल जीवन की शुभेच्छा व्यक्त की। दरअसल अन्नपूर्णा देवी वर्तमान में केंद्र सरकार में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की कैबिनेट मंत्री हैं। उनका राजनीतिक सफर करीब तीन दशक पुराना है और उन्होंने जमीनी राजनीति से लेकर केंद्र सरकार तक का लंबा अनुभव हासिल किया है।

जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में बारिश और बर्फबारी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में रविवार बर्फबारी और बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक दो वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से 3 फरवरी तक हिमालयी राज्यों जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड में बारिश और बर्फबारी जारी रहेगी। मैदानी राज्यों दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश में हल्की बारिश होने और घने कोहरे की संभावना है। सोमवार सुबह 7 बजे तक आगरा, सरसवा, बरेली, हिंडन और बठिंडा में घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी जीरो रही। आईएमडी ने उत्तरप्रदेश, दिल्ली और आंध्र प्रदेश के समुद्र किनारे बसे जिलों में अगले 3 घंटे घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। 5 से 7 फरवरी के बीच तीसरा वेस्टर्न डिस्टरबेंस पश्चिमी हिमालयी राज्यों में फिर मौसम बदलेगा। पश्चिमी विक्षोभ से आने वाली हवाओं का सिस्टम है, जो सर्दियों के दौरान उत्तर भारत में बारिश और पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी कराता है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम और काजीगुंड के ऊंचाई वाले इलाकों में रविवार को बर्फबारी हुई। वहीं, श्रीनगर समेत दक्षिण कश्मीर के कई हिस्सों में बारिश हुई।

संक्षिप्त समाचार

रमा खलखो होंगी रांची मेयर के लिए कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार

रांची, एजेंसी। झारखंड महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रमा खलखो नगर निकाय चुनाव-2026 में कांग्रेस समर्थित मेयर उम्मीदवार होंगी। रांची महानगर कांग्रेस कमेटी की आज डंगराटोली में हुई बैठक में सर्वसम्मति से रमा खलखो के नाम पर सहमति बनी। बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, कांग्रेस विधायक दल के उपनेता राजेश कच्छप, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की की उपस्थिति थे। बैठक की उपलब्धि यह रही कि मेयर चुनाव लड़ने को इच्छुक एक और युवा कांग्रेस नेता शिवा कच्छप ने बड़ा दिल दिखाते हुए रमा खलखो के नाम पर सहमति प्रदान कर दी है। 03 फरवरी को दोपहर बाद रमा खलखो मेयर पद के लिए नामांकन करेंगी। कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार के रूप में झारखंड महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रमा खलखो के नाम पर आम सहमति बनने पर खुशी जताते हुए झारखंड कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि हर कार्यकर्ता यह संकल्प लें कि हम हर हाल में सभी बूथ जीतेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष में कहा कि हम कमेटी बनाएंगे, लेकिन चूंकि यह चुनाव दलीय आधार पर नहीं हो रहा है ऐसे में पार्टी का लेटर पैड या झंडा-बैनर का इस्तेमाल न हो इसका ख्याल रखना होगा। रांची महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष कुमार राजा ने आज की बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि पार्टी के दो नेता शिवा कच्छप और रमा खलखो ने रांची मेयर का चुनाव कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार के रूप में लड़ने की इच्छा जताते हुए आवेदन दिया था। आज की बैठक में सभी बिंदुओं पर मंथन करने के बाद यह सहमति बनी कि रमा खलखो को कांग्रेस समर्थित मेयर उम्मीदवार बनाया जाए। अच्छी बात यह है कि पार्टी के समर्थन से चुनाव लड़ने को इच्छुक दूसरे उम्मीदवार शिवा कच्छप ने खुद रमा खलखो को कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार बनाने का प्रस्ताव दिया, जिसे सभी ने स्वीकार कर लिया। इस मौके पर शिवा कच्छप ने कहा कि पार्टी आलाकमान की बात मानते हुए उन्होंने अपनी जगह रमा खलखो का नाम आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि पार्टी का सच्चा सिपाही होने और रमा खलखो को बड़ी बहन मानते हुए अब उनकी जीत सुनिश्चित करने में लग जाना है। रांची की पूर्व में भी मेयर रह चुकीं रमा खलखो ने कांग्रेस समर्थित रांची मेयर उम्मीदवार के रूप में चयन होने के बाद सभी का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि उम्मीदवार बनने के लिए खुद रेस में शामिल शिवा कच्छप ने उनका समर्थन किया है। इसके लिए वह उनकी आभारी हैं। वहीं पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के कद्दावर नेता सुबोधकांत सहाय ने कहा कि रांची से हमारे 03-03 विधायक हैं, जिसमें एक राजेश कच्छप विधायक दल के उपनेता हैं तो शिल्पी नेहा तिर्की मंत्री हैं। रांची में हम पहले से भी मजबूत रहे हैं, लेकिन बीच के दिनों में भाजपा के चलते रांची का माहौल खराब हुआ है। हमारी पार्टी के 03-03 विधायक हैं। रांची को हमने चारों तरफ से घेर कर रखा है और कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार की जीत तय है। उन्होंने कहा कि इसी रांची से सुंदरी तिर्की को भाजपा के सीने पर चढ़कर जिला परिषद अध्यक्ष बनाया था। उन्होंने कहा कि रमा खलखो सिर्फ हमारी उम्मीदवार ही नहीं हैं, बल्कि भाजपा का घमंड को तोड़ने का नाम है। उन्होंने कहा कि अब वार्ड नहीं, बल्कि 'चुनाव में चलो मुहल्ला की ओर' के नारे के साथ घर-घर जाएंगे।

अनोखा होता है जेएमएम का झारखंड दिवस समारोह, शिबू सोरेन ने की थी शुरुआत

दुमका, एजेंसी। प्रतिवर्ष 02 फरवरी को दुमका में झारखंड मुक्ति मोर्चा के द्वारा एक समारोह का आयोजन किया जाता है, जिसे झारखंड दिवस कहा जाता है। यह समारोह अपने आपमें बिल्कुल अनोखा है। आमतौर पर पूरे देश में जहां कहीं भी किसी भी राजनीतिक दल का कार्यक्रम आयोजित होता है, उसका समय दिन, दोपहर या शाम होता है। लेकिन झामुमो का यह समारोह रात के लगभग 8 :00 बजे से शुरू होकर आधी रात के बाद 2 :00 से 3 :00 बजे तक चलता है। फरवरी की इस ठंड में भी हजारों की संख्या में स्त्री-पुरुष अपने नेताओं का संबोधन सुनने के लिए गांधी मैदान में डटे रहते हैं। यह सब उनकी पार्टी के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। अगर हम झारखंड मुक्ति मोर्चा के इस समारोह की इतिहास में जाकर तो पता चलता है कि शिबू सोरेन ने 2 फरवरी 1978 को इसकी शुरुआत की थी। संथाल परगना के वरिष्ठ पत्रकार शिव शंकर चौधरी बताते हैं कि गुरुजी ने दुमका और आसपास के लोगों को उनके अधिकार के प्रति जागरूक करने के लिए इसकी शुरुआत की। साथ ही झारखंड पृथक राज्य के मांग के प्रति लोगों को संगठित करने के उद्देश्य से इसकी शुरुआत की थी। पहले यह कार्यक्रम दुमका के नेहरू पार्क में आयोजित किया जाता था। इसी समारोह से पूरे संथाल परगना प्रमंडल में झारखंड मुक्ति मोर्चा ने खुद को एक प्रमुख राजनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित किया। जैसे-जैसे समय बितता गया, लोग काफी संख्या में इसमें शामिल होने लगे। यह कार्यक्रम बाद में दुमका के गांधी मैदान में आयोजित होने लगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से शिबू सोरेन और पार्टी के अन्य नेता लोगों को अपनी नीतियों सिद्धांतों की जानकारी देते। आने वाले वर्ष में वे क्या करने जा रहे हैं इसे बताते हैं। इस मंच से शिबू सोरेन का संबोधन आधी रात को होता था और लोग इसके इंतजार में डटे रहते थे।

धनबाद के चर्चित 'सिंह मेंशन' पर बमबाजी

देर रात अपराधियों ने बनाया निशाना

धनबाद, एजेंसी। नगर निकाय चुनाव की राजनीतिक सरगर्मी के बीच रविवार देर रात कोयलांचल का चर्चित घराना सिंह मेंशन में बमबाजी की घटना सामने आई है। इस घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है। मामले को लेकर पूर्व विधायक संजीव सिंह और झरिया की विधायक रागिनी सिंह ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग की है।

मिली जानकारी के अनुसार रात के करीब 11:30 से 12 बजे के बीच बाइक सवार अपराधियों के द्वारा बमबाजी की घटना को अंजाम दिया गया है। अपराधियों ने दो बम फेंके, जिसमें से एक बम सिंह मेंशन के अंदर जाकर ब्लास्ट हुआ और दूसरा बम बाहर जा गिरा। सिंह मेंशन के गेट के अंदर बम ब्लास्ट होने की बात कही जा रही है। जहां अमूमन लोग बैठा करते हैं।

घटना के दौरान झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह उनकी पत्नी झरिया विधायक रागिनी सिंह अपने कमरे में थी। बम ब्लास्ट हुआ और लोगों में अफरा-तफरी मच गई। आवास में मौजूद लोग और गार्ड बाहर दौड़े, तबतक बाइक सवार अपराधी फरार हो चुके थे। घटना की जानकारी मिलने के बाद मेंशन समर्थक भी मौके पर पहुंच गए थे।

पूर्व विधायक संजीव सिंह ने बताया कि देर रात सिंह मेंशन परिसर के अंदर ब्लास्ट की घटना हुई है। उन्होंने दावा किया कि दो धमाके हुए हैं, जिसकी सूचना तत्काल पुलिस अधीक्षक को दी गई। सूचना मिलते ही सिटी एसपी ऋतिक श्रीवास्तव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की गई। संजीव सिंह ने कहा कि घटना की निष्पक्ष और गंभीरता से जांच होनी चाहिए, ताकि सच्चाई सामने आ सके।

निकाय चुनाव से इस बमबाजी की घटना को जोड़ने के सवाल पर संजीव सिंह ने साफ कहा कि इस घटना को राजनीति से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने इसे एक सामान्य आपराधिक घटना बताया। वहीं सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक कथित पत्र को लेकर उन्होंने कहा कि यह पत्र कहां से आया और कैसे वायरल हुआ, इसकी उन्हें कोई जानकारी नहीं है। घटना के बाद अपने परिवार के साथ बाहर मौजूद थे और पुलिस के पहुंचने तक वहीं खड़े रहे, लेकिन इस दौरान कोई पर्चा बरामद नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर वायरल पत्र भी जांच का विषय है।

वहीं, झरिया विधायक व संजीव सिंह की पत्नी रागिनी सिंह ने भी घटना की कड़ी निंदा करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि राज्य में पहले भी कई जगहों पर बमबाजी की घटनाएं सामने आ चुकी हैं और इसी कड़ी में सिंह मेंशन में भी धमाका हुआ है। रागिनी सिंह ने बताया कि देर रात वे अपने लोगों के साथ सिंह मेंशन परिसर में ही मौजूद थीं। कुछ देर बाद अंदर जाने पर अचानक धमाके की आवाज सुनाई दी।

उन्होंने कहा कि प्रशासन को इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच करनी चाहिए। रागिनी सिंह ने आरोप लगाया कि संजीव सिंह जिस तरह से रक्षक बनकर कोयलांचल की जनता के बीच सक्रिय हैं, वह कुछ लोगों को रास नहीं आ रहा है। डराने-धमकाने की नीयत से इस तरह की घटना को अंजाम दिया गया है, लेकिन वे इससे डरने वाले नहीं हैं।

इधर, सीटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव पूर्व विधायक संजीव सिंह से घटना की पूरी जानकारी ली। इसके बाद सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई और फिर सीसीटीवी की डीवीआर पुलिस अपने साथ ले गई है।

बता दें कि सरायढेला थाना क्षेत्र के स्टील गेट से सटे सिंह मेंशन है। जहां झरिया के पूर्व संजीव सिंह, उनकी पत्नी झरिया विधायक रागिनी सिंह और उनकी माता झरिया की पूर्व विधायक कुंती सिंह रहती हैं। पूर्व विधायक संजीव सिंह ने नगर निकाय चुनाव में मेयर पद के लिए अपनी दावेदारी पेश की है।

मंगलवार को उनके द्वारा मेयर पद के लिए नामांकन भी किया जाना है। ऐसे में बमबाजी की इस घटना के पीछे क्या मकसद है साथ ही कई सारे सवाल एक साथ खड़े हो रहे हैं। जिनका जवाब पुलिस को ढूंढना अभी बाकी है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

धनबाद निकाय चुनावः वासेपुर की यही पुकार, रिश्तेदारी नहीं बुनियादी सुविधाओं और बेहतरी देने वालों को देंगे वोट!

धनबाद, एजेंसी। वैसे तो वासेपुर, आज कोई अनजान नाम नहीं है। झारखंड से लेकर राष्ट्रीय पटल पर इसके नाम से बनी बॉलीवुड फिल्म ने वासेपुर को प्रसिद्धि दिलाई। आज भी यह नाम सुनते ही लोगों के जेहन में बॉलीवुड की फिल्में और दमदार किरदार उभर आते हैं।

लेकिन रुपहले पर्दे पर जिस वासेपुर को फिल्माया गया, ताकत, दबदबे और पहचान के रूप में दिखाया गया। आज उस वासेपुर की कहानी और जमीनी हकीकत बिल्कुल अलग है। रील से हटकर रियल वासेपुर की तस्वीर बिल्कुल अलग है। नगर निगम चुनाव के बीच वासेपुर नगर निगम क्षेत्र के चार वार्डों में रहने वाले हजारों लोग आज भी नाली, पानी, सड़क और सफाई जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं।

वासेपुर में चार वार्ड आते हैं। वार्ड नंबर 14- जिसकी जनसंख्या 20 हजार 245 है। इस इलाके में धनबाद-गया रेलवे लाइन, धनबाद-कतरास रोड, मिल्लत उच्च विद्यालय रोड, खरीकाबाद डंप आता है। इसी तरह 22 हजार 170 जनसंख्या वाला वार्ड नंबर 17 आता है। धनबाद-कतरास हीरक रोड, धनबाद-भूली रोड, ओवरब्रिज से बिनोद बिहारी चौक-भूली बस्ती इस वार्ड में आते हैं। वार्ड नंबर 18 की जनसंख्या 22 हजार 154 है, विवि चौक से बाबूडीह सड़क, धनबाद-गया रेलवे लाइन, पंपु तालाब पांडरपाला, ओवरब्रिज से विवि चौक रोड इसमें आते हैं। इसके साथ ही वार्ड नंबर 19 है, जहां 20 हजार 177 लोग रहते हैं और धनबाद-गया, धनबाद-कतरास, धनबाद-झरिया रेलवे लाइन, डायमंड क्रॉसिंग, धनबाद-भूली रोड से मिल्लत कालोनी रोड, घुरनीजोरिया तक इस वार्ड में आते हैं।

वासेपुर में चार वार्ड लेकिन इनकी पहचान सिर्फ एक, गंदगी, बेढब नाली, जर्जर सड़क, बदहाल बिजली और जलापर्ति व्यवस्था। वासेपुर नगर निगम क्षेत्र के चार वार्डों के हर गली-मोहल्ले में समस्याओं की तस्वीर लगभग एक जैसी है। कहीं नालियां जाम हैं तो कहीं सड़कें पूरी तरह जर्जर हो चुकी हैं। कई इलाकों में नियमित जलापूर्ति नहीं होने के कारण लोगों को हैंडपंप या पानी खरीदकर पीना पड़ रहा है।

इन वार्डों में नाली की स्थिति सबसे गंभीर बताई जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नालियों की सफाई महीनों तक नहीं होती। बरसात के मौसम में गंदा पानी घरों तक पहुंच जाता है, जिससे बच्चों और बुजुर्गों में बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। कई बार शिकायत के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है।

इन वार्डों में सबसे बड़ी समस्या पानी की है। यहां रहने लोगों का कहना है कि तीन से चार दिन में एक बार पानी आता है। कई परिवारों को रात भर जागकर पानी जमा करना पड़ता है। गर्मी के मौसम में हालात और भी खराब हो जाते हैं। हैंडपंप से गंदा पानी निकलता है तो लोग पानी खरीदकर पीते हैं। साथ ही अपने निजी खर्चे पर हैंडपंप की मरम्मती करवाते हैं।

इन वार्डों की सड़कें विकास के दावों की पोल खोलती नजर आती हैं। जगह-जगह गड्ढों से भरी सड़कों पर चलना लोगों के लिए जोखिम भरा हो गया है। स्थानीय युवाओं का कहना है कि चुनाव के समय सड़क बनाने के वादे किए जाते हैं लेकिन चुनाव खत्म होते ही ये वादे भी गायब हो जाते हैं।

वासेपुर के चारों ही वार्ड में सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। गलियों में कचरे के ढेर लगे हैं और नालियों के आसपास मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। गंदगी का आलम ऐसा है कि डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों का डर लोगों को सताने लगा है।

सर्दी की लुकाछिपी जारी, गुमला, खूंटी, बोकारो, डाल्टनगंज और सिमडेगा का पारा लुढ़का, अधिकतम तापमान में भी कमी

रांची, एजेंसी। झारखंड में सर्दी का सितम रह रहकर जारी है। कभी लगता है कि सर्दी अब विदाई ले रही है मगर तभी ठंडी हवाओं के चलने से पारा लुढ़कने लगता है। अब दिन में हल्की गर्मी महसूस की जा रही है। लेकिन शाम के बाद सर्द हवाएं पारे को नीचे आने पर मजबूर कर रहीं हैं। कई जिले हैं जहां का न्यूनतम पारा 10 डिग्री सेल्सियस से कम रिकॉर्ड हुआ है। पिछले 24 घंटों में सामान्य की तुलना में अधिकतम पारा में 2 डिग्री तो न्यूनतम पारा में करीब 3 डिग्री तक की कमी आई है।

मौसम केंद्र, रांची की ओर से 2 फरवरी को जारी रिपोर्ट के मुताबिक गुमला, खूंटी, बोकारो, हजारीबाग, डाल्टनगंज और सिमडेगा में अच्छी खासी ठंड महसूस की गई है। गुमला में सबसे कम 7।8 डिग्री तापमान रिकॉर्ड हुआ है। वहीं, खूंटी में 8।6 डिग्री, बोकारो में 8।8 डिग्री, डाल्टनगंज में 9।1 डिग्री, हजारीबाग में 9।3 डिग्री और सिमडेगा में 9।7 डिग्री तापमान रहा है। प्रमुख शहरों में रांची का न्यूनतम तापमान 11।2 डिग्री और जमशेदपुर का 14।4 डिग्री रहा है। जबकि कोडरमा में 11।0 डिग्री, लातेहार में 12।7 डिग्री, लोहरदगा में 11।5 डिग्री, पाकुड़ में 11।3 डिग्री और सरायकेला में 13।0 डिग्री रहा है। मौसम केंद्र, रांची के मुताबिक झारखंड के अधिकतम पारा में सामान्य की तुलना में 2।0 डिग्री तक की कमी आई है। पिछले 24 घंटों में 29।4 डिग्री के साथ चाईबासा जिला सबसे ज्यादा गर्म रहा है। दूसरे स्थान पर 29।3 डिग्री के साथ सरायकेला जिला रहा है। जमशेदपुर का अधिकतम पारा 28।4 डिग्री रिकॉर्ड हुआ है।

इसके अलावा रांची में 25।2 डिग्री, डाल्टनगंज में 27।0 डिग्री, बोकारो में 27।5 डिग्री, सिमडेगा में 27।2 डिग्री, गुमला में 26।3 डिग्री, खूंटी में 25।9 डिग्री, पाकुड़ में 26।4 डिग्री और लोहरदगा में 25।1 डिग्री रहा है। लातेहार, कोडरमा, रांची और हजारीबाग जिला का अधिकतम तापमान 25।0 डिग्री से नीचे रहा है।

मौसम केंद्र के मुताबिक 2 फरवरी से 4 फरवरी तक सुबह के वक्त कहीं-कहीं हल्का कोहरा देखने को मिल सकता है। साथ ही इस दौरान आंशिक बादल छाए रह सकते हैं। हालांकि मौसम शुष्क रहेगा। सोमवार से न्यूनतम पारा में अगले चार दिनों तक 3 से 4 डिग्री तक का इजाफा होने का अनुमान है। इसके बाद अगले तीन दिनों तक तापमान में कोई खास बदलाव की संभावना नहीं है। कुल मिलाकर कहें तो पारा में उतार चढ़ाव का दौर अभी जारी रहेगा। लेकिन शाम के बाद सर्दी महसूस होगी।

जन समस्याओं से जूझ रही लोहरदगा नगर परिषद, शहर का विकास बनेगा प्रमुख चुनावी मुद्दा

लोहरदगा, एजेंसी। नगर परिषद चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज हो चुकी है। एक जुलाई 1888 में गठित लोहरदगा नगर पालिका वर्तमान में नगर परिषद है। 23 वार्ड वाले नगर परिषद में चुनाव को लेकर प्रत्याशियों में सरगर्मी तेज हो गई है। महत्वपूर्ण बात यह है कि जन समस्याओं से जूझ रहे लोहरदगा में इस बार भी विकास एक प्रमुख चुनावी मुद्दा होगा। चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशी अपने-अपने दावे तो रहे हैं, लेकिन जनता के सवालों से उन्हें दो चार होना पड़ सकता है।

लोहरदगा नगर पालिका झारखंड के सबसे पुराने नगर पालिकाओं में से एक है। 138 साल पुराने नगर पालिका की शुरुआत महज चार वार्ड से हुई थी। लेकिन आज यह 23 वार्डों तक फैल चुकी है। लोहरदगा वर्तमान में नगर परिषद है। यहां पर गुजरते साल के बीच आबादी भी बढ़ी है और जन समस्याएं भी। साथ ही शहर के विकास को लेकर लोगों की अपेक्षाएं भी बढ़ चुकी हैं। लोहरदगा शहर में बाइपास सड़क का निर्माण तो किया जा रहा है, लेकिन इसकी गति अभी भी काफी धीमी है।

शहर के लोग सड़क जाम की समस्या से जूझ रहे हैं। साफ-सफाई भी एक प्रमुख समस्या है। इसके अलावे शहर में बस स्टैंड, बेहतर पार्क, पेयजल की समस्या भी प्रमुख मुद्दों में शामिल है। चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशी स्थानीय मुद्दों को लेकर जनता के बीच पहुंचने भी लगे हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस बार चुनाव में स्थानीय मुद्दे ही ज्यादा हावी रहेंगे।

चुनाव में इस बार युवा चेहरे ज्यादा नजर आ रहे हैं। हालांकि पहले भी नगर परिषद का हिस्सा रहे कई प्रतिनिधि फिर एक बार चुनावी मैदान में उतरे हैं। पूर्व में पार्षद रहे प्रत्याशियों को जनता के उन सवालों का जवाब देना होगा, जो अब तक अधूरे रह गए हैं। बाइपास सड़क का निर्माण पूरा नहीं होने से यहां पर सड़क जाम एक प्रमुख समस्या में शामिल है। पेयजल की समस्या भी गंभीर है। लोहरदगा शहर में लगभग 5000 जलापूर्ति कनेक्शन हैं। जिसमें से महज 3000 वैध हैं। जबकि शेष अवैध कनेक्शनधारी हैं। नई शहरी जलापूर्ति का काम वर्ल्ड बैंक की सहायता से शुरू तो हो गया है, लेकिन इसकी गति भी धीमी नजर आ रही है।

असम में आयोजित आदिवासी महासभा में शामिल हुए सीएम हेमंत सोरेन, कहा- झारखंड हमेशा आदिवासियों के साथ रहेगा खड़ा

रांची, एजेंसी। असम के तिनसुकिया जिले में रविवार को ऑल आदिवासी स्टूडेंट्स एसोसिएशन ऑफ असम द्वारा 21वीं आदिवासी महासभा-2026 आयोजित हुई। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शामिल हुए। आदिवासी महासभा को संबोधित करते हुए सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि यहां आप सभी आदिवासी समुदाय के लोग जो लगभग डेढ़ सौ वर्षों से रह रहे हैं, उनसे रू-ब-रू होने का आज मुझे मौका मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के वैसे सभी आदिवासी-मूलवासी समुदाय के जनमानस जो असम में रह कर अपना जीवन यापन कर रहे हैं, उनकी तकलीफों, उन पर हो रहे अत्याचारों और व्यथा को सुनने के लिए हम आज यहां आए हैं। हम लोग झारखंड से आए हैं, कहीं न कहीं आप सभी का जुड़ाव भी झारखंड से बहुत पुराना रहा है। झारखंड एक ऐसा प्रदेश है जब देश के लोग आजादी का सपना भी नहीं देखे थे, उस समय आजादी की लड़ाई हमारे पूर्वज, अंग्रेजों के साथ लड़ रहे थे। देश की आजादी में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा, सिदो कान्हू, तिलका मांझी सहित झारखंड के अनगिनत वीर सपूतों का अहम योगदान रहा है जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि हमारे वीर सपूतों ने पीढ़ियों को बचाने, जल, जंगल, जमीन को बचाने के लिए अपना बलिदान दिया है। आदिवासी समाज के लोगों ने ही अंग्रेजों से सबसे पहले लोहा लेने का काम किया था। आखिर किस कारण से आज देश के विभिन्न हिस्सों में आदिवासी समाज के लोग अपने हक-अधिकार की लड़ाई के लिए संघर्ष कर रहे हैं, यह एक बड़ा सवाल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी, मूलवासी, दलित, पिछड़ा वैसे वर्ग है जो समाज के सबसे कमजोर एवं नीचे पायदान में रहने वाले लोग हैं। ऐसी क्या परिस्थिति आ गई जो यहां के आदिवासी-मूलवासी अलग-थलग होकर बिखरने को मजबूर हुए हैं। कई जगहों पर आदिवासी समुदाय के लोग हाशिए पर रहकर अपना जीवन जी रहे हैं। इन विषयों पर गंभीर चिंतन की जरूरत है। मौके पर मुख्यमंत्री ने असम के कद्दावर आदिवासी नेता स्व। प्रदीप नाग और प्रसिद्ध गायक स्व। जुबिन गर्ग को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने संबोधन में कहा कि देश आजाद हुए 75 साल हो गए हैं। देश में कई नीतियां-कानून बने। देश के संविधान से हमें रक्षा कवच मिला बावजूद इसके, आज हम कहां खड़े हैं आज हमारा समाज कितना संघर्ष कर रहा है, यह बहुत बेहतर तरीके से आप सभी लोग जानते हैं। आज सामाजिक, आर्थिक और बौद्धिक रूप से आदिवासी समुदाय कमजोर है और इसी कमजोरी का फायदा बड़े एवं सामंती विचारधारा वाले लोग बहुत चालाकी से उठाते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन आज हमारे बीच नहीं हैं, जब उन्होंने अलग राज्य की परिकल्पना की तो कुछ लोग मजाक उड़ाते थे कि आदिवासी लोग अलग राज्य बनाएंगे। आज सच्चाई पूरे देश के सामने हैं। वर्ष 2000 में अलग झारखंड राज्य बना, यह बात सही है कि उस समय क्या नारा लगता था, कैसे लेंगे झारखंड, लड़ के लेंगे झारखंड! उस समय न मोबाइल, न गाड़ी, न मोटर उसके बावजूद झारखंड के लोग जल, जंगल, जमीन की रक्षा के लिए चीटियों की तरह एकजुट हो जाते थे। राज्य अलग हुआ लेकिन इसका फायदा आदिवासी समुदाय को नहीं मिला। हम लोगों को तो राज्य लेना था, हमारे अग्रणी नेताओं ने सोचा कि राज्य अलग होगा तो यहां के आदिवासियों-मूलवासियों का विकास होगा।

उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य अलग होने के बाद बौद्धिक रूप से मजबूत लोगों ने 15 वर्ष से ज्यादा समय तक झारखंड को पीछे धकेलने का काम किया, नतीजा यह हुआ कि राशन कार्ड लेकर लोग भात-भात-कहते हुए भूख से मरने को विवश हुए, फिर हमने प्रखंड-प्रखंड, गांव-गांव, टोला-टोला पहुंचकर लोगों को जागरूक करने का काम किया। फिर लोगों ने हमें राज्य की बागडोर संभालने का मौका दिया। राज्य का बागडोर संभालते ही हमने 5 साल के भीतर अपने झारखंड राज्य की स्थिति को बदलने की कोशिश की और हमें सफलता भी मिली। वैसे गरीब, पीड़ित, शोषित, आदिवासी-मूलवासी समुदाय के लोग जो कभी जिला ऑफिस, प्रखंड कार्यालय नहीं देखे थे, बीडीओ, सीओ, डीसी, एसपी को नहीं जानते थे उनतक हमने राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने का काम किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में रहते हुए हमारे यहां के आदिवासी अपना हक-अधिकार, अपनी मान्यता के लिए संघर्षशील हैं। आज आदिवासियों के हितैषी बनने वाले लोग आदिवासियों को ही हाशिए पर रखने के लिए उतारू हैं। वे जानते हैं कि आदिवासी समाज अगर आर्थिक और बौद्धिक रूप से मजबूत हो गया तो वे अपनी हक-अधिकार, जल-जंगल-जमीन की बात करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जरूरत पड़ने पर असम में रहने वाले आदिवासियों की मदद करने के लिए पूरा झारखंड का आदिवासी समाज आगे आकर खड़ा होगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी समुदाय की एकजुटता ही हमारी पहचान है। पहले दुनिया हमारी एकजुटता का लोहा मानती थी।

झामुमो का 47वां झारखंड दिवसः राजमहल से हजारों कार्यकर्ताओं का जत्था दुमका रवाना, विधायक प्रतिनिधि गुड्डू ने किया नेतृत्व

संवाददाता

साहेबगंज/राजमहल। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के 47वें झारखंड दिवस (स्थापना दिवस) के अवसर पर दुमका के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित होने वाले महासम्मेलन को लेकर राजमहल विधानसभा क्षेत्र में भारी उत्साह देखा जा रहा है। सोमवार को हजारों की संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता विधायक प्रतिनिधि सह युवा मोर्चा जिला सचिव मो. मारूफ उर्फ

गुड्डू के नेतृत्व में दुमका के लिए रवाना हुए। राजमहल विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों से कार्यकर्ता सुबह से ही एकत्रित होने शुरू हो गए थे। झामुमो के झंडों और बैनरों से सजी बसों और चार पहिया वाहनों का एक लंबा काफिला दुमका की ओर बढ़ा। इस दौरान कार्यकर्ताओं में जबरदस्त जोश दिखा और पूरे रास्ते "झामुमो जिंदाबाद" के नारे गूंजते रहे। काफिले की रवानगी के वक्त विधायक प्रतिनिधि मो. मारूफ उर्फ गुड्डू ने कहा कि झामुमो का स्थापना दिवस कार्यकर्ताओं के लिए एक उत्सव के समान है। उन्होंने कहा, "राजमहल विधानसभा क्षेत्र से हजारों कार्यकर्ता अपनी मर्जी और उत्साह से इस ऐतिहासिक कार्यक्रम का हिस्सा बनने जा रहे हैं। हमारा संगठन पूरी तरह एकजुट है और हमारे सभी कार्यकर्ता दुमका में अनुशासित तरीके से कार्यक्रम में भाग लेकर अपनी शक्ति और एकजुटता का परिचय देंगे।"

रवानगी के दौरान राजमहल और उधवा क्षेत्र के कई दिग्गज पार्टी नेता और पदाधिकारी मौजूद रहे। इनमें प्रमुख रूप सेः

झामुमो नेता घीसु शेख, राजमहल प्रखंड अध्यक्ष अनिसुर रहमान, सचिव दुर्गा मंडल।

उधवा प्रखंड अध्यक्ष अयुब अली उर्फ बाबू दा, सचिव विश्वजीत मंडल।

नगर अध्यक्ष मो. आजाद, सचिव स्मित चौरसिया।

साहिबगंज प्रखंड अध्यक्ष अमरजीत सिंह और जिला परिषद सदस्य अब्दुल बारीक शेख।

इसके अलावा मो. अफजल, विकास यादव, अजय दास, आबेदीन शेख, राजीव बर्मन, मुर्शीद राजा, शाहिद रिजवी सहित सैकड़ों की संख्या में सक्रिय कार्यकर्ता इस महाजुटान में शामिल होने के लिए दुमका रवाना हुए। दुमका में आयोजित होने वाला यह स्थापना दिवस समारोह झामुमो के लिए शक्ति प्रदर्शन का केंद्र माना जा रहा है। राजमहल विधानसभा से कार्यकर्ताओं की यह बड़ी भागीदारी संताल परगना में पार्टी की गहरी पैठ और कार्यकर्ताओं के अपने नेतृत्व के प्रति विश्वास को दर्शाती है।

साहेबगंज सीनियर क्रिकेट लीगः पोखरिया पैंथर्स ने माही ब्लू को 09 विकेट से रौंदा, अभिषेक कुमार बने 'मैन ऑफ द मैच'

संवाददाता

साहेबगंज। जिला क्रिकेट संघ के तत्वाधान में स्थानीय सिदो-कान्हू स्टेडियम में चल रहे सीनियर क्रिकेट लीग टूर्नामेंट में सोमवार को एकतरफा मुकाबला देखने को मिला। पोखरिया पैंथर्स ने अपने शानदार हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत माही ब्लू की टीम को 09 विकेट के भारी अंतर से करारी शिकस्त दी। मैच की शुरुआत में पोखरिया पैंथर्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया, जो बेहद सही साबित हुआ। पहले बल्लेबाजी करने उतरी माही ब्लू की टीम पोखरिया के गेंदबाजों के आगे टिक नहीं सकी और पूरी टीम 25 ओवरों में महज 111 रन बनाकर ऑल आउट हो गई।

माही ब्लू का संघर्षः तुफैल अंसारी ने 22, हसीबुल इस्लाम ने 20, राकेश कुमार ने 19 और प्रिंस राज ने 16 रनों का योगदान दिया।

पोखरिया की गेंदबाजीः अभिषेक कुमार ने घातक गेंदबाजी करते हुए 03 विकेट चटकाए। वहीं, आदित्य

मंडल, गौरव कुमार और शुभम कुमार ने 2-2 विकेट लेकर विपक्षी टीम को बैकफुट पर धकेल दिया।

112 रनों के मामूली लक्ष्य का पीछा करने उतरी पोखरिया पैंथर्स ने आक्रामक रुख अपनाया। टीम ने मात्र 13.2 ओवर में ही 01 विकेट के नुकसान पर 113 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया।

मैच जिताऊ पारियांः राहुल ने 36, गौरव कुमार ने 34 और विकास ने 32 रनों की तेजतर्रार पारियां खेलीं। माही ब्लू की ओर से एकमात्र विकेट तौसीफ अंसारी को मिला।

बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन के लिए पोखरिया पैंथर्स के अभिषेक कुमार को 'मैन ऑफ दी मैच' घोषित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, जाने-माने व्यवसायी रवि पोद्दार ने अभिषेक कुमार को ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने खेल भावना को बढ़ावा देते हुए सभी खिलाड़ियों को कैप देकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मैच के दौरान हयातुल्लाह और तारीक अनवर ने अंपायरिंग की भूमिका निभाई, जबकि श्याम रंजन ने स्कोरर का दायित्व संभाला। टूर्नामेंट इंचार्ज मो. अशफाक आलम ने जानकारी दी कि मंगलवार का मुकाबला बरहरवा बनाम यंग स्टार क्रिकेट क्लब के बीच खेला जाएगा।

साहेबगंजः 'आर्द्रभूमियां पर्यावरण का फेफड़ा हैं', नगर पालिका कन्या उच्च विद्यालय में छात्राओं ने लिया इनके संरक्षण का संकल्प

संवाददाता

साहेबगंज। पर्यावरण संरक्षण और पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा के प्रति नई पीढ़ी को जागरूक करने के उद्देश्य से उत्क्रमित नगर पालिका कन्या उच्च विद्यालय में 'विश्व आर्द्रभूमि दिवस' (World Wetlands Day) के अवसर पर एक भव्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं को आर्द्रभूमियों (Wetlands) के महत्व और जैव विविधता को बचाने में उनकी अपरिहार्य भूमिका से अवगत कराया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विद्यालय के प्रधानाध्यापक फारूक हुसैन ने कहा कि आर्द्रभूमियां केवल जल का स्रोत नहीं हैं, बल्कि ये पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और भूजल स्तर को रिचार्ज करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित भविष्य देने के लिए हमें आज ही अपने जल निकायों और जीव-जंतुओं

के प्राकृतिक आवास को बचाना होगा। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता (Resource Person) के रूप में उपस्थित मॉडल कॉलेज राजमहल के प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने आर्द्रभूमियों के वैज्ञानिक पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि तालाब, झील और नदियाँ किस प्रकार प्राकृतिक आपदाओं (जैसे बाढ़) से सुरक्षा प्रदान करती हैं और जल को प्राकृतिक रूप से शुद्ध करने में सहायक होती हैं। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में इन 'नेचुरल स्पंज' के महत्व को समझाया और छात्राओं से स्थानीय जल निकायों के संरक्षण हेतु जागरूकता फैलाने की अपील की। जागरूकता को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए विद्यालय में निबंध लेखन, भाषण और स्लोगन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। छात्राओं ने इन प्रतियोगिताओं में आर्द्रभूमि संरक्षण, जल बचाव और प्रकृति सुरक्षा जैसे विषयों पर अपनी उत्कृष्ट रचनात्मकता प्रस्तुत की।

प्रतियोगिता के विजेताः

निबंध प्रतियोगिताः श्रेया तथा रानी सुश्री देव

भाषण प्रतियोगिताः श्रेया रानी सुश्री देव

स्लोगन प्रतियोगिताः नीति, जिया एवं प्रियंका

विजेता छात्राओं को विद्यालय स्तर पर सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

कार्यक्रम के सफल संचालन में विद्यालय के शिक्षक प्रदीप कुमार मोदी, प्रियंका कुमारी, सुजीत विश्वास, रश्मि कुमारी गुप्ता, निरोजनी मरांडी एवं अनिकेत कुमार ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। सभी शिक्षकों ने छात्राओं को स्वच्छता और स्थानीय जल स्रोतों की रक्षा के प्रति प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें विद्यालय परिवार ने भविष्य में भी इस प्रकार के शैक्षणिक एवं जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

झारखंड के एकमात्र रामसर साइट 'उधवा झील' में धूमधाम से मनाया गया विश्व आद्रभूमि दिवस

संवाददाता

साहेबगंज/उधवा। प्रकृति और जैव विविधता के संरक्षण के संकल्प के साथ झारखंड के इकलौते रामसर साइट, उधवा झील पक्षी आश्रयाणी में 'विश्व आद्रभूमि दिवस' (World Wetlands Day) मनाया गया। वन विभाग द्वारा आयोजित इस विशेष कार्यक्रम का नेतृत्व वन क्षेत्र पदाधिकारी पंचम दुबे ने किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आद्रभूमियों (Wetlands) के पारिस्थितिक महत्व और उनके संरक्षण के प्रति आम नागरिकों को जागरूक करना था। इस अवसर पर वन विभाग की टीम ने झील और आश्रयाणी के आसपास वृहद स्वच्छता अभियान चलाया। अभियान के दौरान क्षेत्र से प्लास्टिक कचरे और अन्य अपशिष्ट पदार्थों को हटाया गया,

ताकि पक्षियों के प्राकृतिक आवास को सुरक्षित रखा जा सके। इसके साथ ही स्थानीय ग्रामीणों और पर्यटकों को जल स्रोतों की सुरक्षा और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने की शपथ दिलाई गई। वन क्षेत्र पदाधिकारी पंचम दुबे ने अपने संबोधन में उधवा झील के वैश्विक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "उधवा पक्षी आश्रयाणी अंतरराष्ट्रीय महत्व की आद्रभूमि है, जिसे प्रतिष्ठित रामसर साइट का दर्जा प्राप्त है। यह न केवल हजारों प्रवासी और स्थानीय पक्षियों का प्रमुख आश्रय स्थल है, बल्कि यह क्षेत्र जल संरक्षण और जैव विविधता को बनाए रखने में भी रीढ़ की हड्डी के समान है।" उन्होंने

अपील की कि इस अनमोल धरोहर को बचाने के लिए जनभागीदारी अनिवार्य है। अधिकारियों ने बताया कि आद्रभूमियों का संरक्षण केवल वन्यजीवों के लिए ही नहीं, बल्कि स्थानीय समुदायों की आजीविका के लिए भी जरूरी है। ये झीलें जल स्तर को बनाए रखने और बाढ़ नियंत्रण में मदद करती हैं। कार्यक्रम के दौरान संदेश दिया गया कि यदि आद्रभूमियां सुरक्षित रहेंगी, तभी हमारा पर्यावरण और भविष्य सुरक्षित रहेगा।कार्यक्रम को सफल बनाने में वनरक्षी अखलेश मरांडी, पप्पू यादव और सनी रजक ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनके अलावा भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII) के गंगा प्रहरी, डॉल्फिन वॉचर और अन्य वनकर्मी भी इस संरक्षण मुहिम का हिस्सा बने।

बजट 2026: आम जनता के साथ छलावा और गरीबों को और गरीब बनाने वाला बजट— मो. नोमान अंसारी

संवाददाता

साहेबगंज। केंद्र सरकार द्वारा पेश किए गए बजट 2026 पर विपक्षी दलों की तीखी प्रतिक्रियाएं आनी शुरू हो गई हैं। इसी क्रम में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नगर सचिव मो. नोमान अंसारी ने बजट की आलोचना करते हुए इसे गरीब और मध्यम वर्ग के लिए पूरी तरह से निराशाजनक करार दिया है।मो. नोमान अंसारी ने बजट के तुरंत बाद शेयर बाजार में आई ऐतिहासिक गिरावट का हवाला देते हुए सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, "बजट पेश होते ही बाजार का धराशायी होना इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि यह बजट देश की आर्थिक सेहत को सुधारने के बजाय उसे और कमजोर करने वाला है। निवेशकों और विशेषज्ञों का भरोसा इस बजट से उठ चुका है।" झामुमो नेता ने आरोप लगाया कि सरकार के बड़े-बड़े दावों के विपरीत, ज़मीनी हकीकत में यह बजट आम जनता की उम्मीदों पर तुषारापात है। उन्होंने कहा कि इस बजट में मध्यम वर्ग को टैक्स या अन्य सुविधाओं में कोई वास्तविक राहत नहीं दी गई है। उनके अनुसार, यह नीतियां गरीबों को और अधिक गरीबी के दलदल में धकेलने वाली हैं।अंसारी ने बजट के प्रावधानों पर सवाल उठाते हुए कहा कि आज देश की सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी और बढ़ती महंगाई है। लेकिन सरकार ने अपने पिटारे में रोजगार सृजन (Job Creation) और महंगाई पर नियंत्रण पाने के लिए कोई ठोस योजना पेश नहीं की है। उन्होंने कहा, "यह बजट सामाजिक सुरक्षा के मोर्चे पर भी पूरी तरह विफल है। इसमें आम लोगों की

बुनियादी जरूरतों और उनकी परेशानियों को नजरअंदाज किया गया है।" केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए नोमान अंसारी ने कहा कि यह बजट केवल पूंजीपतियों और बड़े औद्योगिक घरानों को राहत देने के लिए बनाया गया है। सरकार ने कॉर्पोरेट जगत के हितों को सर्वोपरि रखा है, जबकि देश का अन्नदाता किसान, मजदूर और आम आदमी खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। उन्होंने इसे 'जनता के साथ विश्वासघात' बताते हुए कहा कि यह बजट देश के समावेशी विकास के दावों की पोल खोलता है।

सतत विकास के लिए पर्यावरण के प्रति सजगता अनिवार्यः साहेबगंज में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया विश्व आद्रभूमि दिवस

संवाददाता

साहेबगंज। पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता के प्रति नई पीढ़ी को जागरूक करने के उद्देश्य से सोमवार को पीएम जवाहर नवोदय विद्यालय में 'विश्व आद्रभूमि दिवस' (World Wetlands Day) का भव्य आयोजन किया गया। वन प्रमंडल के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के आला अधिकारियों और शिक्षाविदों ने शिरकत की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अखिल कुमार ने अपने संबोधन में सतत एवं समग्र विकास के लिए जागरूकता को सबसे महत्वपूर्ण कड़ी बताया। उन्होंने कहा, "झारखंड अपनी अनूठी पहचान 'जल, जंगल और जमीन' के लिए जाना जाता है। ये तीनों हमारी पारिस्थितिकी के महत्वपूर्ण अंग हैं। आज के बच्चे ही कल के युवा बनेंगे, इसलिए उन्हें अपने

पर्यावरण के प्रति संवेदनशील होना चाहिए ताकि हम आने वाली पीढ़ी को एक स्वस्थ वातावरण दे सकें।" उन्होंने सभी से पर्यावरण रक्षा का व्यक्तिगत संकल्प लेने की अपील की। उपायुक्त हेमंत सती ने बच्चों को पर्यावरण के महत्व को समझाते हुए एक बेहद प्रेरक सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण से ही हमारे जीवन के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तत्व आते हैं। डीसी ने बच्चों से अपील की, "यदि हर बच्चा अपने प्रत्येक जन्मदिन पर एक पौधा लगाने और उसका लालन-पालन करने का संकल्प ले ले, तो बुढ़ापे तक वह कम से कम 60 वृक्षों का संरक्षक बन जाएगा।" उन्होंने बच्चों को बचपन से ही पर्यावरण संरक्षण के संस्कार आत्मसात करने की सलाह दी। इस अवसर पर आयोजित क्विज प्रतियोगिता में जिले के 11 प्रमुख विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का संचालन संत जेवियर स्कूल के वाइस प्रिंसिपल और क्विज मास्टर आदित्य राज ठाकुर ने किया।

विजेताओं की सूचीः

प्रथम स्थानः अनंत गौरव और शिल्पा पीहू (संत जेवियर स्कूल)

द्वितीय स्थानः साक्षी राज और सृष्टि सोनम मुर्मू (जवाहर नवोदय विद्यालय)

तृतीय स्थानः रिमझिम कुमारी और पावनी कुमारी (संत जेवियर स्कूल, हिंदी माध्यम)

विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथियों द्वारा पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर की गई। मुख्य अतिथियों के साथ पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह, विशिष्ट अतिथि डीएफओ प्रबल गर्ग और विद्यालय के प्राचार्य आनंद कुमार सिंह भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला परियोजना पदाधिकारी अमित मिश्रा, उप वन परिसर पदाधिकारी राणा रणजीत सिंह और वनरक्षी की टीम ने किया। मौके पर सुबोध शर्मा, पुनिता बाड़ा, संगीता टोपनो, बीके यादव सहित भारी संख्या में वनकर्मी और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

साहेबगंज नगर निकाय चुनावः वार्ड 14 से विकास कुमार साह ने दाखिल किया नामांकन, कहा- 'जनता का आशीर्वाद मिला तो दूर करेंगे वार्ड की हर कमी'

संवाददाता

साहेबगंज। जिले में नगर निकाय चुनाव की रणभेरी बजते ही राजनीतिक सरगर्मी अपने चरम पर पहुँच गई है। सभी पदों के प्रत्याशी पूरे दलबल के साथ नामांकन की तैयारियों और जनसंपर्क में जुट गए हैं। इसी चुनावी गहमागहमी के बीच सोमवार को वार्ड नंबर 14 से वार्ड पार्षद पद के लिए युवा प्रत्याशी विकास कुमार साह ने अपनी दावेदारी पेश की। विकास कुमार साह ने अपने समर्थकों के साथ अनुमंडल कार्यालय पहुँचकर निर्वाची पदाधिकारी नागेश्वर साह के समक्ष विधिवत रूप से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन के दौरान उनके समर्थकों में भारी उत्साह देखा गया, जो नगर निकाय चुनाव में वार्ड 14 के बदलते समीकरणों की ओर इशारा कर रहा है। नामांकन प्रक्रिया पूरी करने के बाद मीडिया और समर्थकों से मुखातिब होते हुए विकास कुमार साह ने अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कीं। उन्होंने कहा, "मेरे वार्ड की जनता का यदि मुझे स्नेह और आशीर्वाद प्राप्त होता है, तो मेरा सबसे पहला लक्ष्य वार्ड की उन मूलभूत कमियों को दूर करना होगा जो पिछले लंबे समय से उपेक्षित हैं।" उन्होंने मतदाताओं से मार्मिक अपील करते हुए कहा कि वे उन्हें केवल एक बार सेवा का अवसर दें, ताकि वे वार्ड के विकास की एक नई इबारत लिख सकें। विकास कुमार साह के नामांकन के अवसर पर समाज के हर वर्ग का समर्थन देखने को मिला। मौके पर भारी संख्या में महिला और पुरुष समर्थक मौजूद रहे, जो उनकी चुनावी ताकत को दर्शा रहे थे। नामांकन के दौरान महेंद्र साह, अजय साह, अरुण मोदी, सन्नी मंडल, चंदन राम, पप्पू राम, विपिन साह, द्वारिका प्रसाद, रवि साह, सुनील कुमार यादव, राकेश साह, सूरज कुमार तांती, शिव कुमार शर्मा, अर्जुन पासवान, संटू सिंह, गोविंद यादव, टिंकू कुमार तांती और सोनू पासवान उपस्थित थे। वहीं, महिला समर्थकों में नीतू देवी, गुंजा देवी, छोटी देवी, प्रभा दास, अनीता देवी, नीलम कुमारी, सुमन देवी और कंचन देवी सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे, जिन्होंने विकास साह की जीत का संकल्प दोहराया। विकास कुमार साह के नामांकन के साथ ही वार्ड नंबर 14 में चुनावी बिसात बिछ गई है। स्थानीय मतदाताओं की मानें तो विकास साह की सक्रियता और उनका विनम्र व्यवहार उन्हें अन्य प्रत्याशियों के बीच मजबूती से खड़ा कर रहा है।

पूर्व रेलवे

सं. ओ–एसी–टी–139 से 141–25–26 (खुली), दिनांक 30.01.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन–713301 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई–निविदाएँ (खुली) आमंत्रित की जाती हैंः **क्रम सं. 1, केस सं. ओ–एसी–टी–139–25–26, कार्य का नामः** डीईएन/4/आसनसोल के कार्यक्षेत्र में एसएसई/पी(वे)/II/अण्डाल की शाखा में ट्रैक की मरम्मत एवं रखरखाव के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु. 82,56,225.08, **बयाना राशि :** रु. 1,65,100/–, **क्रम सं. 2, केस सं. ओ–एसी–टी–140–25–26, कार्य का नामः** डीईएन/4/आसनसोल के कार्यक्षेत्र में एसएसई/पी.वे/सिउड़ी की शाखा में ट्रैक की मरम्मत एवं रखरखाव के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु. 81,80,879.18, **बयाना राशि :** रु. 1,63,600/–, **क्रम सं. 3, केस सं. ओ–एसी–टी–141–25–26, कार्य का नामः** डीईएन/4/आसनसोल के कार्यक्षेत्र में ए.एस. कॉर्ड लाइन में सिउड़ी–कुनुरी के बीच किमी 56/14–16 पर एलसी गेट नं. 23/सी/ई के स्थान में सीमित ऊंचाई के सबवे के निर्माण के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु. 3,41,69,054.55, **बयाना राशि :** रु. 3,20,800/–, **कार्य की समापन अवधिः** 12 माह (क्रम सं. 1 से 3 प्रत्येक हेतु)। **बंद होने की तिथि और समयः** दिनांक 25.02.2026 को 12.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में देखा जा सकता है।

ASN-331/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त समाचार

माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा केंद्र से 500 गज तक निषेधाज्ञा लागू

पाकुड़। जैक द्वारा आयोजित वार्षिक माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट (कला, विज्ञान एवं वाणिज्य) की परीक्षा-2026 का आयोजन दिनांक 03 फरवरी 2026 से 23 फरवरी 2026 तक किया जाएगा। परीक्षा के सफल एवं शांतिपूर्ण संचालन के लिए पाकुड़ जिला अंतर्गत कुल 23 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं।परीक्षा को स्वच्छ, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से सभी परीक्षा केन्द्रों पर स्टैटिक दण्डाधिकारी, प्रेक्षक, पुलिस पदाधिकारी तथा गश्ती दल दण्डाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है।अनुमंडल दण्डाधिकारी, पाकुड़ श्री साईमन मरांडी ने परीक्षा अवधि के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने एवं असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर रोक लगाने, के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 के तहत सभी परीक्षा केन्द्रों के 500 गज की परिधि में निषेधाज्ञा लागू करने का आदेश जारी किया है। यह निषेधाज्ञा दिनांक 03 फरवरी 2026 को परीक्षा प्रारंभ होने से एक घंटा पूर्व से लेकर 23 फरवरी 2026 को संध्या 06:00 बजे तक प्रभावी रहेगी।निषेधाज्ञा अवधि में परीक्षा केन्द्रों के 500 गज क्षेत्र के भीतर पाँच या उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्रित होने, भीड़ लगाने अथवा अनावश्यक रूप से भ्रमण करने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। किसी भी व्यक्ति द्वारा आग्नेयास्त्र अथवा परंपरागत हथियार जैसे लाठी, डंडा, भाला, तीर-धनुष, फरसा आदि लेकर चलना, प्रदर्शन करना, जुलूस, रैली अन्य सामूहिक गतिविधियों के आयोजन पर भी रोक लगाई गई है। परीक्षा कार्य से संबंधित पदाधिकारी, कर्मी, परीक्षार्थी, प्रतिनियुक्त पुलिस बल एवं दण्डाधिकारी को छोड़कर किसी अन्य व्यक्ति का निषिद्ध क्षेत्र में प्रवेश करना अथवा परीक्षार्थियों को अनुचित सहायता प्रदान करना दंडनीय अपराध के श्रेणी में रखा गया है।ज्ञातव्य है कि पाकुड़ नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत नगरपालिका आम चुनाव 2026 के लिए मतदान की तिथि 23 फरवरी 2026 निर्धारित है। नगर परिषद क्षेत्र के कुछ परीक्षा केन्द्रों पर ही मतदान केन्द्र भी अवस्थित हैं। इसको ध्यान में रखते हुए दिनांक 23 फरवरी 2026 को आम मतदाताओं, मतदान कर्मियों, निर्वाचन से जुड़े पदाधिकारियों एवं पुलिस बल के लिए निषेधाज्ञा में आवश्यक शिथिलता प्रदान की गई है।

पुलिस ने 14 वर्षीय युवक का शव किया बरामद

हिरणपुर (पाकुड़) थाना क्षेत्र के धनगढ़ा स्थित जंगल किनारे स्थित एक पेड़ से लटकते हुए एक 14 वर्षीय नाबालिग लड़का का शव पुलिस ने बरामद किया है। जिसकी पहचान खुजुरडांगा निवासी शिवलाल मुर्मू के पुत्र संतोष मुर्मू (14) के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दिए लिखित शिकायत में पिता ने कहा है कि उसका बेटा 31 जनवरी को घर से किसी को बिना बताए निकल गया है। शाम तक घर नहीं आने पर खोजबीन करने पर पता नहीं चला। इसी क्रम में 01 फरवरी की शाम को धनगढ़ा के जंगल किनारे पेड़ पर फांसी पर लटका हुआ उसका शव मिला।जिसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पिता का कहना है कि उसके पुत्र की दिमागी हालात ठीक नहीं है। बहरहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महफूज और चाटुकार की जोड़ी बगैर माइनिंग चालान के ट्रक हाइवा चेक पोस्ट पार करवाने मे मचा रहे धमाल

पाकुड़ ।पाकुड़ उपायुक्त के सख्त आदेश के बाद भी नहीं रुक रहा है चेक पोस्ट से ओवरलोड ट्रैकों का परिचालन, पियादपुर चेक पोस्ट और चांदपुर चेकपोस्ट में महफूज और चाटुकार की अहम भूमिका निभाई जा रही है, जिला प्रशासन के साथ आंख मिचौली का खेल वर्षों से कर रहे है लाखों का राजस्व का हर रोज चोरी, बिना माइनिंग चालान का ट्रक पास कर के हर रोज सरकार को लगा रहे है चुना महफूज, एक ऐसा नंबर जिसमें सभी ट्रक के पासिंग होने टाइम रहता है और जब प्रशासन की गाड़ी निकलती है तो प्रशासन की गाड़ी रेकी करने वाले लोग सतर्क हो जाते हैं, हर रोज चेक पोस्ट से 500 गाड़ी पार होती है, इनमें से कुछ गाड़ी का चालान होता है बाकी सभी गाड़ी महफूज के नाम से महफूज होकर निकल जाती है, बगैर माइनिंग चालान में एक चाटुकार कलमकर की अहम भूमिका निभाई जा रही है और उनके ही नंबर से ट्रक को पासिंग किया जाता है कब कौन प्रशासन के अधिकारी ट्रैकों की जांच करने निकलते हैं उनकी जानकारी एक चाटुकार माफियाओं तक पहुंचता है अभी वह चाटुकार पाकुड़ नगर में आलीशान घर बनाए हुए हैं बगैर चालान के ट्रैकों को पार कर लाखों की संपत्ति अर्जित किए हैं अगर सही से इसकी जांच की जाए तो और भी बहुत से लोगों की संलिप्तता पाई जाएगी, महफूज कभी मोबाइल में गाना डाउनलोड करने का कार्य करता था।

संपूर्णता अभियान 2.0 के सफल क्रियान्वयन को लेकर मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण आयोजित

संवाददाता

» विकास सूचकांकों की शत-प्रतिशत संतृप्ति से होगा सामाजिक परिवर्तनः उपायुक्त

पाकुड़ । आकांक्षी जिला कार्यक्रम एवं आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के अंतर्गत संपूर्णता अभियान 2.0 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर कृषि उत्पादन बाजार समिति परिसर में जिला एवं प्रखंड स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया इस अवसर पर उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि संपूर्णता अभियान केवल सूचकांकों की पूर्ति का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा निर्धारित सभी विकास सूचकांक आम जनजीवन में वास्तविक परिवर्तन लाने के उद्देश्य से बनाए गए हैं तथा इन सूचकांकों की शत-प्रतिशत संतृप्ति सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि अभियान निर्धारित अवधि तक संचालित किया जाएगा तथा इसका उद्देश्य चयनित विकास सूचकांकों में पूर्ण उपलब्धि प्राप्त करना है। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय एवं टीम भावना के साथ कार्य करने का निर्देश देते हुए कहा कि केवल एमआईएस में आंकड़ा दर्ज करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि योजनाओं का वास्तविक लाभ लाभुकों तक पहुँचना चाहिए। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि शौचालय निर्माण का उद्देश्य केवल निर्माण कार्य पूर्ण करना नहीं, बल्कि लोगों में उसके नियमित उपयोग की आदत विकसित करना भी है। व्यवहार परिवर्तन इस अभियान की सफलता की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों से समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने, जनजागरूकता गतिविधियों को व्यापक रूप से संचालित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्राप्त जानकारी को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विकास सूचकांकों के पीछे केवल आंकड़े नहीं, बल्कि आम लोगों का जीवन जुड़ा होता है। विशेष रूप से बच्चों एवं महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण से जुड़े सूचकांकों पर गंभीरता से कार्य करने की आवश्यकता है प्रखंड विकास पदाधिकारी, लिट्टीपाड़ा संजय कुमार ने कहा कि आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कृषि, सामाजिक विकास एवं आधारभूत संरचना से संबंधित लगभग 40 विकास सूचकांकों पर विभागीय समन्वय के साथ लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बीते दो वर्षों में विभिन्न विभागों के साथ कन्वर्जेन्स के माध्यम से सूचकांकों की प्राप्ति हेतु प्रशिक्षण, मॉनिटरिंग एवं सतत प्रयास किए गए हैं, जिससे उल्लेखनीय प्रगति हासिल हुई है। उन्होंने कहा कि पूर्व अभियान के दौरान कई सूचकांकों में शत-प्रतिशत संतृप्ति प्राप्त की गई है तथा नए सूचकांकों के आधार पर आगामी चरण में भी लक्ष्य प्राप्ति के लिए कार्य किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी सूचकांकों की रैंकिंग संबंधित विभागों के एमआईएस पोर्टल से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर निर्धारित होती है, इसलिए सभी विभागों को अपने पोर्टल पर शुद्ध एवं अद्यतन आंकड़ों की प्रविष्टि सुनिश्चित करनी होगी। उन्होंने कहा कि तीन माह तक चलने वाले इस विशेष अभियान के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है तथा बच्चों एवं लाभुकों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए वाटर फिल्टर की व्यवस्था की जा रही है जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती बसंती ग्लाडिस बाड़ा ने कहा कि कुपोषण उन्मूलन के लिए संतुलित एवं पौष्टिक आहार अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विविध रंगों वाले खाद्य पदार्थों का सेवन शरीर को आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता है। उन्होंने महिलाओं एवं बच्चों में पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर बल देते हुए कहा कि स्वच्छ पेयजल, साफ-सफाई एवं डायरिया प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्रों को सुदृढ़ करने के लिए शौचालय एवं पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है तथा बच्चों के नियमित वजन मापन एवं पोषण ट्रैकिंग को मजबूत बनाने के लिए सेविकाओं को पुनः प्रशिक्षण दिया जाएगा।उन्होंने कहा कि पोषण अभियान को सफल बनाने के लिए सभी विभागों, कर्मियों एवं समुदाय की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। मौके पर जिला योजना पदाधिकारी, जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी एमओआईसी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे

मेडिएशन फॉर द नेशन 2.0" के तहत् बिछड़े पति-पत्नी का हुआ सफल मध्यस्थता

संवाददाता

पाकुड़। जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वाधान में प्रभारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ कुमार क्रांति प्रसाद की अध्यक्षता में प्रभारी सचिव सह अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी विशाल मांझी के मार्गदर्शन में चले रहे मेडिएशन फॉर द नेशन 2.0" के तहत् सोमवार को एक मामलों का सफल सुलह समझौता कराया गया। मामला पाकुड़ व्यवहार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय में चल रहे मूल भरण पोषण वाद संख्या 326/2025 रेशमी खातून बनाम दाविरुल हासन जिनका एक छोटी बच्ची है। वर्षों से अलग रह रहे दंपतियों को प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय रजनीकांत पाठक के अथक प्रयास से पति पत्नी के बीच चल रहे आपसी मतभेद को समाप्त किया गया। प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय रजनीकांत पाठक के प्रयास से टूटता परिवार एक हो गए। इस टूटते रिश्ते को बचाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार में मध्यस्थता राष्ट्र के लिए 2.0 का भूमिका एवं संबंधित दोनों पक्षों के अधिवक्ता का योगदान रहा। जिससे घर में खुशी लौट पाया। इस दौरान दंपति को एक साथ खुशी खुशी रहने मतभेद से बचने परिवार के साथ मिलजुल कर रहने का संदेश प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय रजनीकांत पाठक ने दिया। मौके पर दंपतियों के परिजन, अधिवक्ता, न्यायालय कर्मी उपस्थित रहें।

47 वें स्थापना दिवस के लिए लिट्टीपाड़ा विधायक समर्थकों के साथ रवाना

संवाददाता

पाकुड़ । झारखंड मुक्ति मोर्चा का दुमका में 47 वें स्थापना दिवस मनाया जा रहा है जिसमे लिट्टीपाड़ा के विधायक हेमलाल मुर्मू के नेतृत्व में लिट्टीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र से हजारों कार्यकर्ता स्थापना दिवस में सम्मिलित होने के लिए दुमका रवाना हुए। इस दौरान अमड़ापाड़ा के फतेहपुर मोड़ पर झामुमो प्रखंड इकाई ने विधायक का अभिनंदन किया।झामुमो और विधायक के समर्थन में जमकर नारेबाजी की। विधान सभा क्षेत्र से जोश-खरोश से पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थकों के वाहनों का लंबा काफिला दुमका के लिए रवाना हुआ। विधायक ने कहा कि गुरुजी शिबू सोरेन की कमी तो खलेगी। उन्हें श्रद्धाञ्जलि दी जायेगी। स्थापना दिवस ऐतिहासिक और यादगार होगा। अमरपारा में भी उनका भव्य स्वागत किया गया। मौके पर जिला अध्यक्ष अजीजुल इस्लाम, जिला उपाध्यक्ष समद अली का भी स्वागत किया गया। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष श्याम हेंब्रम, सचिव जहीरूद्दीन अंसारी, विकाश मुर्मू, रंजन साह, तनवीर आलम, संजय रजक, मोहन मुर्मू,बजल बास्की, जोसेफिना हेंब्रम, अफताब आलम, मोहन किस्कू सहित दर्जनों कार्यकताओं ने विधायक और जिला अध्यक्ष का स्वागत किया। तत्पश्चात कार्यकर्ता दुमका के लिए अमरापाड़ा से रवाना हो गये। दुमका के गांधी मैदान में आयोजित स्थापना दिवस समारोह को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन संबोधित करेंगे।

बायोफ्लॉक तकनीक से मछली पालनः एक नई शुरुआत

संवाददाता

महेशपुर (पाकुड़) प्रखंड के सोनारपाड़ा गांव में आत्मा पाकुड़ के द्वारा 30 किसानों के समूह को बॉयफ्लॉक का परिभ्रमण कराया गया, जिसमें बॉयफ्लॉक संचालक बिट्टू कुमार दास द्वारा किसानों को बॉयफ्लॉक पद्धति से मछली पालन के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। वही एटीएम संतानु शील ने जानकारी देते हुए बताया की बायोफ्लॉक तकनीक एक आधुनिक और वैज्ञानिक तरीका है।जिसमें मछलियों के अतिरिक्त भोजन को लाभकारी बैक्टीरिया की मदद से प्रोटीन में बदला जाता है। यह प्रोटीन मछलियों के लिए भोजन का काम करता है, जिससे मछलियों का विकास तेज़ होता है और पानी की बर्बादी भी नहीं होती । इस तकनीक से मछली पालन करने पर कम लागत, कम जगह और न्यूनतम श्रम लागत में अधिक से अधिक मछली उत्पादन किया जा सकता है। बायोफ्लॉक तकनीक में पंगेसियस, तिलापिया, देशी मांगुर, सिंघी, कोई कॉर्प, पाब्दा एवं कॉमन कार्प जैसी मछलियां पाली जा सकती हैं ।इस अवसर पर अभिजीत सील समेत दर्जनों किसान मौजूद थे।

मनरेगा दिवस 100 दिन रोजगार के अधिकार का संदेश के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

लिट्टीपाड़ा (पाकुड़) सोमवार को प्रखंड कार्यालय लिट्टीपाड़ा में 2 फ़रवरी को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की शुरुआत की स्मृति में मनरेगा दिवस उत्साह और जनभागीदारी के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मनरेगा का विश्वास, रोजगार से विकास अभियान के अंतर्गत विशेष जागरूकता एवं जनभागीदारी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अभियान का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों में मनरेगा के प्रति विश्वास को सुदृढ़ करना तथा रोजगार के माध्यम से सतत विकास को बढ़ावा देना रहा।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मानिक दास ने ग्रामीण वयस्क मजदूरों को मनरेगा अंतर्गत एक वित्तीय वर्ष में 100 दिनों के रोजगार के कानूनी अधिकार की जानकारी दी। उन्होंने जॉब कार्ड निर्माण, कार्य की मांग प्रक्रिया, मजदूरी भुगतान की समय-सीमा एवं योजना की पारदर्शी व्यवस्था पर विस्तार से प्रकाश डाला।इस अवसर पर जल संरक्षण एवं आजीविका संवर्धन से जुड़ी परिसंपत्तियों—ई.सी.बी. निर्माण, डोभा निर्माण, बिरसा हरित ग्राम योजना अंतर्गत पौधारोपण, बीर शहीद पोटो हो खेल मैदान, दीदी बाड़ी योजना तथा बिरसा सिंचाई कूप निर्माण—जैसे स्थायी एवं उत्पादक कार्यों पर विशेष जोर दिया गया।प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी कमल पहाड़िया ने मनरेगा योजना में महिलाओं, अनुसूचित जाति/जनजाति एवं वंचित वर्गों की अधिकाधिक और सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया।वहीं प्रखंड कल्याण/कृषि पदाधिकारी के. सी. दास ने कहा कि "मनरेगा केवल रोजगार की योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने, आजीविका सृजन और गांवों के समग्र विकास की मजबूत आधारशिला है।" कार्यक्रम के अंत में एक वित्तीय वर्ष में 100 कार्य दिवस पूर्ण करने वाले ग्रामीण मजदूरों तथा दीदी बाड़ी एवं बागवानी योजना में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लाभुकों को प्रशस्ति पत्र एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर मुख्य रूप से जे.एस.एल.पी.एस. के एफ.टी.सी. शेलेस्टीना मुर्मू, बिरसा ग्राम कृषक पाठशाला के एग्रीकल्चर एक्सपर्ट विवेक कुमार, ग्राम प्रधान, योजना के लाभुक, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मजदूर उपस्थित रहे।

सरकार कर रही है आदिवासियों के अनदेखी : दिनेश मरांडी

संवाददाता

हिरणपुर (पाकुड़) सोमवार को लिट्टीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक दिनेश मरांडी ने अपने आवास में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड के वर्तमान सरकार आदिवासी हितों की अनदेखी कर रही है। उन्होंने भ्रष्टाचार और अवैध खनन को संरक्षण देने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। पूर्व विधायक ने कहां की जिले में अवैध कोयला परिचालन और बालू का गैरकानूनी खनन खुलेआम हो रहा है। इस अवैध गतिविधियों के पीछे सीधे तौर पर सत्ताधारी दल का हाथ है। उन्होंने मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि वे असम जाकर यह बयान दे रहे हैं कि झारखण्ड के आदिवासी असम के आदिवासियों से ज्यादा अच्छे और विकसित हैं।जबकि हकीकत इसके बिल्कुल विपरीत है। उन्होंने ने मुख्यमंत्री को चुनौती देते हुए कहा कि पहले वे अपने ही विधानसभा क्षेत्र बरहेट पर नजर डालें आज भी वहां बेहतरअस्पताल, कॉलेज, सड़क और स्वच्छ पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। वर्तमान सरकार में विधायक और सांसद केवल निजी स्वार्थ और राजनीतिक फायदे के लिए बनाए जा रहे हैं।प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पूर्व विधायक ने कहा कि अगर समय रहते सरकार ने अपनी नीतियों और कार्यशैली में सुधार नहीं किया, तो इसका सीधा नुकसान आदिवासी समाज और संथाल परगना की जनता को उठाना पड़ेगा। उन्होंने जनता से अपील की कि वे सच्चाई को समझें और आने वाले समय में सही निर्णय लें। मौके पर भाजपा सोशल मीडिया प्रभारी संथाल परगना जयंत मंडल, भाजपा आईटी सेल के जिला प्रभारी आशीष सेन सहित पार्टी के दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नगर निकाय के अध्यक्ष पद के लिए तीन उम्मीदवारों ने भरा पर्चा

संवाददाता

पाकुड़। राज्य चुनाव आयोग द्वारा निकाय चुनाव की शंखनाद हुए पांच दिन बीत जाने के बावजूद भी नगर निकाय के उम्मीदवारों में शिथिलता देखी जा रही है । पांचवें दिन अध्यक्ष पद हेतु तीन उम्मीदवारों ने अपना पर्चा दाखिल किया है। उनमें से पूनम कुमारी ने अपना पर्चा दो सेट में दाखिल किया है। अब तक अध्यक्ष पद हेतु मात्र तीन लोगों ने ही पर्चा दाखिल किया है। *नामांकन के लिए बचे हैं शेष दो दिन*29 जनवरी से नामांकन प्रारंभ है। 4 फरवरी तक पूर्वाहन 11:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक नामांकन किया जा सकेगा।5 फरवरी को 11:00 बजे अपराह्न से 3:00 तक नामांकन की जांच की जाएगी । 6 फरवरी को नामांकन पत्र वापसी की तिथि है। निर्वाचन से संबंधित प्रतीक आवंटनः 7 फरवरी को की जाएगी। 23 फरवरी 2026 सुबह 7:00 से शाम के 5:00 तक चुनाव के कार्य संपन्न कराए जाएंगे। 27 फरवरी को बाजार समिति पाकुड़ में मतगणना होगी।पाकुड़ नगर परिषद में पार्षदों की स्थिति स्पष्ट है।पाकुड़ नगर परिषद क्षेत्र में अत्यंत पिछड़ा वर्ग के 5, महिला वर्ग के 8 अनुसूचित जनजाति के 1 अनुसूचित जाति 1, पिछड़ा वर्ग के लिए 3 सीट आरक्षित है। अध्यक्ष पद के लिए तीन उम्मीदवारों ने भरा पर्चा अध्यक्ष पद अनारक्षित महिला हेतु सोमवार को मीता पांडे , पूनम कुमारी एवं सीमा सोनी भगत ने अपना पर्चा दाखिल किया है इनमें से पूनम कुमारी ने अपना पर्चा दो सेट में दाखिल किया है।

जामताड़ा: कुंडहित प्रखंड की पंचायतों में मनरेगा दिवस की धूम, उत्कृष्ट श्रमिकों और मेटों को किया गया सम्मानित

संवाददाता

जामताड़ा/कुंडहित। जिले के कुंडहित प्रखंड में सोमवार को मनरेगा दिवस को 'विशेष रोजगार दिवस' के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रखंड की सभी पंचायतों में ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया, जिसमें पंचायत के विकास के लिए नई योजनाओं का चयन करने के साथ-साथ मजदूरों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। कुंडहित पंचायत भवन में मुखिया विमला हांसदा की अध्यक्षता में मुख्य कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत एक प्रभात फेरी के साथ हुई, जिसके जरिए ग्रामीणों को रोजगार के अधिकारों का संदेश दिया गया। इस मौके पर

उन मनरेगा श्रमिकों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया, जिन्होंने एक वित्तीय वर्ष में 100 दिनों का रोजगार पूरा किया है। इसके साथ ही, बेहतर कार्य प्रबंधन दिखाने वाले मनरेगा मेटों को भी प्रशस्ति पत्र और उपहार देकर प्रोत्साहित किया गया। उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए मुखिया विमला हांसदा ने मनरेगा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने 'ग्राम स्वराज' का सपना देखा था, जिसका मूल मंत्र गांव के लोगों को उनके ही क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराना था। जब हमारे गांव समृद्ध और आत्मनिर्भर होंगे, तभी देश का वास्तविक विकास संभव है।" उन्होंने आगे कहा कि तत्कालीन सरकार ने 2005 में मनरेगा अधिनियम इसलिए बनाया था ताकि मजदूरों को पलायन न करना पड़े। हालांकि, जागरूकता की कमी के कारण कई मजदूर आज भी इस योजना का पूरा लाभ नहीं ले पा रहे हैं। उन्होंने मजदूरों से अपील की कि वे अपने पंचायत के रोजगार सेवक और मुखिया से संपर्क कर योजनाओं की जानकारी लें और अधिक से अधिक काम मांगें। कार्यक्रम के दौरान विकास योजनाओं के चयन हेतु ग्राम सभा में ग्रामीणों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अवसर पर पंचायत सचिव परमेश्वर रजक, उपमुखिया चंदन लौह, रोजगार सेवक अमर बाउरी, वार्ड सदस्य मनशांति मंडल, रवि बाध्यकर सहित कई ग्रामीण और मनरेगा कर्मी उपस्थित रहे।

दुमका में झामुमो का 47वां स्थापना दिवस: कुंडहित से हजारों कार्यकर्ताओं का ऐतिहासिक प्रस्थान, मांदर की थाप और तीर-धनुष के साथ दिखे कार्यकर्ता

संवाददाता

जामताड़ा/कुंडहित। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के 47वें स्थापना दिवस को लेकर जामताड़ा जिले के कुंडहित प्रखंड में जबरदस्त उत्साह देखा गया। दुमका के गांधी मैदान में आयोजित होने वाले इस भव्य समारोह में शामिल होने के लिए हजारों की संख्या में पार्टी कार्यकर्ता पारंपरिक वाद्य यंत्रों और जोश के साथ रवाना हुए। कार्यकर्ताओं की रवानगी के वक्त विधानसभा अध्यक्ष सह नाला विधायक रवींद्र नाथ महतो और पार्टी के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य विशेष रूप से कुंडहित पहुँचे। इन बड़े नेताओं की मौजूदगी ने कार्यकर्ताओं के उत्साह को दोगुना कर दिया। नेताओं ने कार्यकर्ताओं को संबोधित कर पार्टी की विचारधारा और स्थापना दिवस के महत्व के प्रति प्रेरित किया। प्रखंड अध्यक्ष ऑफिसर हैम्ब्रम और सचिव कुतुबुद्दीन खान के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं का काफिला

किसी उत्सव जैसा नजर आया। कार्यकर्ता हाथों में झंडा, तीर-धनुष लिए और मांदर व नगाड़ों की थाप पर थिरकते हुए दुमका के लिए निकले।

परिवहन व्यवस्था: कार्यकर्ताओं की सुविधा के लिए प्रखंड की सभी 15 पंचायतों से 15 बड़ी बसें और सैकड़ों छोटी गाड़ियों की व्यवस्था की गई थी।

सजावट: स्थापना दिवस के अवसर पर प्रखंड के सभी मुख्य मार्गों को तोरण द्वारों, झंडों और बैनरों से भव्य तरीके से सजाया गया है। प्रखंड अध्यक्ष ऑफिसर हैम्ब्रम ने इस मौके पर कहा कि इस वर्ष का स्थापना दिवस ऐतिहासिक होगा। उन्होंने विपक्षी दलों पर प्रहार करते हुए कहा, "विरोधी पार्टियां झामुमो को दबाने का हर संभव प्रयास कर रही हैं, लेकिन वे कितना भी जोर लगा लें, झामुमो को कमजोर नहीं कर सकते। कार्यकर्ताओं का यह जनसैलाब विरोधियों को करारा जवाब है।" इस विशाल रवानगी कार्यक्रम के दौरान विधायक प्रतिनिधि शरम मंडल, विद्युत मान्ना, बीरबल सोरेन, संतोष सिन्हा, निमाई माजी, राजीव मंडल, अतावर खान, प्रेम मान्ना सहित सैकड़ों की संख्या में सक्रिय कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जामताड़ा: कुंडहित सीएचसी में सहिया साथियों की मासिक समीक्षा बैठक; मातृ-शिशु स्वास्थ्य और नशामुक्ति पर रहा विशेष जोर

संवाददाता

जामताड़ा/कुंडहित। सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने और सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं को धरातल पर उतारने के उद्देश्य से सोमवार को प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) सभागार में 'सहिया साथियों' की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. उजाला मुर्मू की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में स्वास्थ्य संकेतकों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान डॉ. उजाला मुर्मू ने सहिया साथियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्लस्टर में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करें। बैठक में मुख्य रूप से निम्नलिखित बिंदुओं पर चर्चा की गई:

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य: संस्थागत प्रसव (Institutional Delivery) को बढ़ावा देना, शिशु जन्म पंजीकरण सुनिश्चित करना और एचबीवाईसी (HBYC) एवं एचबीएनसी (HBNC) कार्यों की प्रगति।

जागरूकता कार्यक्रम: परिवार नियोजन के प्रति लोगों को प्रेरित करना और 'सास-बहू-पति सम्मेलन' के माध्यम से परिवारों में

स्वास्थ्य जागरूकता फैलाना।

सरकारी क्लीनिक: 'अबुआ स्वास्थ्य क्लिनिक' के सफल संचालन और ग्रामीण क्षेत्रों में इसकी पहुँच बढ़ाने पर जोर दिया गया।

स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ बैठक में सामाजिक सरोकारों पर भी चर्चा हुई। सहिया साथियों को निर्देश दिया गया कि वे ग्रामीण क्षेत्रों में नशा मुक्ति और बाल विवाह जैसी कुरीतियों के खिलाफ लोगों को जागरूक करें। साथ ही, पीएलए (PLA) बैठकों के माध्यम से सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने की बात कही गई।

प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने डिजिटल रिपोर्टिंग पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि सभी सहिया साथी यह सुनिश्चित करें कि उनके क्लस्टर की सहियाओं द्वारा किए गए कार्यों की एंट्री 'सहिया ऐप' (Sahiya App) में ससमय की जाए। डेटा एंट्री में देरी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समीक्षा बैठक के दौरान एसटीटी (STT) लक्ष्मी मंडल, बीटीटी (BTT) अवध बिहारी राम, सुबोध मंडल, बबली सिंह सहित बड़ी संख्या में प्रखंड की सहिया साथी उपस्थित रहीं। बैठक के अंत में आगामी माह के लक्ष्यों को निर्धारित किया गया और सभी को निष्ठापूर्वक कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया।

दुमका में झामुमो का 47वां स्थापना दिवस: फतेहपुर से हजारों कार्यकर्ताओं का ऐतिहासिक प्रस्थान, विस अध्यक्ष ने बढ़ाया उत्साह

संवाददाता

जामताड़ा/फतेहपुर। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के 47वें स्थापना दिवस समारोह को लेकर पूरे नाला विधानसभा क्षेत्र में उत्साह का सैलाब उमड़ पड़ा है। दुमका के गांधी मैदान में आयोजित होने वाले इस ऐतिहासिक समारोह में शिरकत करने के लिए सोमवार को फतेहपुर प्रखंड से हजारों की संख्या में कार्यकर्ता सैकड़ों वाहनों के काफिले के साथ रवाना हुए। युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष कुणाल कंचन महतो के नेतृत्व में निकले इस विशाल जुलूस ने पूरे क्षेत्र को झामुमो के रंग में सराबोर कर दिया। कार्यकर्ताओं के इस विशाल काफिले का उत्साहवर्धन करने के लिए फतेहपुर प्रखंड के अंगूठियां मोड़ पर स्थानीय विधायक सह झारखंड विधानसभा अध्यक्ष माननीय रबीन्द्रनाथ महतो स्वयं उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं के जोश को देखते हुए उन्हें दुमका के लिए रवाना किया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने कहा, "झारखंड मुक्ति मोर्चा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि यह झारखंड की अस्मिता, समृद्ध संस्कृति और जल-जंगल-जमीन के अधिकारों की

लड़ाई का जीवंत प्रतीक है। पार्टी ने सदैव आदिवासी, मूलवासी, गरीब और वंचित वर्गों की आवाज को बुलंद किया है।" उन्होंने कार्यकर्ताओं से अनुशासन और एकजुटता के साथ स्थापना दिवस समारोह को सफल बनाने की अपील की। विधानसभा अध्यक्ष के संबोधन ने कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भर दी। सैकड़ों छोटे-बड़े वाहनों पर सवार होकर निकले कार्यकर्ताओं के हाथों में पार्टी के झंडे और बैनर लहरा रहे थे। रास्ते भर "झामुमो जिंदाबाद" और "हेमंत सरकार जिंदाबाद" के गूंजते नारों से पूरा वातावरण उत्साहित रहा। खास बात यह रही कि इस काफिले में केवल युवा ही नहीं, बल्कि भारी संख्या में महिलाएं और बुजुर्ग भी अपनी पारंपरिक पहचान के साथ शामिल हुए। फतेहपुर और नाला क्षेत्र से कार्यकर्ताओं का यह विशाल प्रस्थान झामुमो की मजबूत संगठनात्मक एकता और जमीनी पकड़ को दर्शाता है। कार्यकर्ताओं का संकल्प था कि वे दुमका में होने वाले इस 47वें स्थापना दिवस को अब तक का सबसे ऐतिहासिक आयोजन बनाएंगे। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि दुमका में होने वाला यह जुटान न केवल पार्टी के संघर्षों और उपलब्धियों का उत्सव है, बल्कि यह आगामी चुनौतियों के लिए कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा फूंकने का काम भी करेगा।

साहेबगंज: SBI आर्सेटी में राजमिस्त्री प्रशिक्षण का समापन और कृषि उद्यमी कोर्स का शुभारंभ; महिलाओं को स्वावलंबी बनाने पर जोर

संवाददाता

साहेबगंज। ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को हुनरमंद बनाकर स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (RSETI), साहिबगंज ने एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। संस्थान परिसर में एक ओर जहाँ 31 दिवसीय 'रूरल मेसन' (राजमिस्त्री) प्रशिक्षण का सफलतापूर्वक समापन हुआ, वहीं दूसरी ओर महिलाओं के लिए 13 दिवसीय 'कृषि उद्यमी' प्रशिक्षण कार्यक्रम का भव्य उद्घाटन किया गया। संस्थान में पिछले एक महीने से चल रहे 31 दिवसीय रूरल मेसन प्रशिक्षण का समापन गरिमामय समारोह के साथ हुआ। इस अवसर पर आर्सेटी निदेशक प्रदीप कुमार झा और जेएसएलपीएस (JSLPS) के डीएम जॉब्स एंड स्किल राजेंद्र कुमार ने सफल प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र वितरित किए।

सफल मूल्यांकन: कुल

29 प्रशिक्षुओं का सफलतापूर्वक असेसमेंट (मूल्यांकन) किया गया।

उज्ज्वल भविष्य की कामना: अधिकारियों ने प्रमाण पत्र सौंपते हुए युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और उन्हें स्वरोजगार शुरू कर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।

राजमिस्त्री प्रशिक्षण के समापन के साथ ही संस्थान में 25 महिलाओं के लिए 13 दिवसीय 'कृषि उद्यमी' प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसका उद्घाटन गंगा प्रसाद के मुखिया संतोष कुमार गोंड, हरिप्रसाद के मुखिया देवराज सिंह, वार्ड सदस्य मोहम्मद जैनुल हक, शत्रुघ्न यादव, जेएसएलपीएस के सीसी जोसेफ किस्कू और लालन पासवान ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए मुखिया संतोष कुमार गोंड ने कहा कि आज के दौर में महिलाओं का हुनरमंद होना अनिवार्य है। उन्होंने कहा, "प्रशिक्षण प्राप्त कर महिलाएं न केवल आत्मनिर्भर बनेंगी, बल्कि वे अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूती देते हुए समाज और देश के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकेंगी।" वहीं, निदेशक प्रदीप कुमार झा ने कहा कि जेएसएलपीएस और आर्सेटी मिलकर समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को सशक्त बनाने का काम कर रहे हैं। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम युवाओं और महिलाओं को उनकी प्रगति का सही रास्ता दिखा रहे हैं। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में आर्सेटी प्रशिक्षक राजहंस कुमार और उपेंद्र गोप ने मुख्य भूमिका निभाई। उद्घाटन सत्र में आजीविका सखी मंडल की 25 दीदियों के साथ-साथ विभिन्न प्रखंडों से आए कुल 35 प्रशिक्षु और ग्रामीण उपस्थित रहे।

जामताड़ा: मजदूर विरोधी कानूनों के खिलाफ झामस ने फूंका बिगुल, 12 फरवरी की हड़ताल को लेकर गांव-गांव में तैयारी तेज

संवाददाता

जामताड़ा/कुंडहित। मजदूरों और बटाईदारी किसानों के हक और अधिकार की लड़ाई को तेज करने के उद्देश्य से सोमवार को झामस (JHAMS) द्वारा कुंडहित प्रखंड की खजूरी पंचायत के ग्राम आमताबाद और अलीपुर में विशेष सदस्यता अभियान चलाया गया। इस दौरान संगठन ने न केवल नए सदस्य जोड़े, बल्कि बटाईदारी किसानों से 'संघर्ष कोष' के लिए स्वेच्छा से धान का संग्रह भी किया। अभियान का मुख्य उद्देश्य 12 फरवरी को होने वाली विशाल 'श्रमिक हड़ताल' की पूर्व तैयारी करना है। झामस के जिला सचिव कॉमरेड सोमलाल मिर्धा ने स्पष्ट किया कि 12 फरवरी को ग्रामीण गरीबों और मजदूरों को लेकर संगठन सभी प्रखंड मुख्यालयों पर

जोरदार प्रदर्शन करेगा।

सदस्यता अभियान के दौरान आयोजित बैठकों में वक्ताओं ने केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों पर कड़ा प्रहार किया। संगठन की प्रमुख मांगें निम्नलिखित हैं:

श्रम कानून: चार नए श्रम कोड (लेबर कोड) को 'मजदूर विरोधी काला कानून' बताते हुए उन्हें तत्काल खारिज करने और पुराने 44 श्रम कानूनों को बहाल करने की मांग की गई।

मनरेगा: मजदूरों को साल में 125 दिन के बजाय 200 दिन का काम और दैनिक मजदूरी बढ़ाकर 750 रुपये करने की मांग उठाई गई। योजनाओं का विरोध: 'बीबी जी राम जी' योजना (स्थानीय संदर्भ) को मजदूर विरोधी बताते हुए इसे खारिज करने की मांग की गई।

झामस ने बटाईदारी किसानों (शेयरक्रॉपर्स) के मुद्दे को भी प्रमुखता से उठाया। संगठन ने मांग की है कि:

बटाईदारी किसानों के लिए विशेष कानून बनाकर उन्हें आधिकारिक प्रमाणपत्र दिया जाए।

उन्हें समय पर खाद, बीज, पानी और बिजली की सुविधा सुनिश्चित की जाए।

किसी भी अनहोनी की स्थिति में बटाईदारी किसानों को 10 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा कवर दिया जाए।

पंचायत स्तर पर चल रही इन तैयारियों में जामताड़ा जिला सचिव कॉमरेड सोमलाल मिर्धा के साथ अनंत हेंब्रम, मालवा टुडू, लिलमुनी हेंब्रम, पुतुल हेंब्रम, रानी टुडू, गोराचंद टुडू, बाबूलाल हेंब्रम, अमित टुडू, परिमल हेंब्रम, परिमल मुर्मू, लक्खिसर मुर्मू, कालिदास टुडू, विशेश्वर किस्कू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

करमाटांड़: सहायक अध्यापक मेघवाल मंडल की सेवानिवृत्ति पर उमड़ा जनसैलाब, नम आँखों से दी गई विदाई

संवाददाता

जामताड़ा/करमाटांड़। करमाटांड़ प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय सियाटांड़ में एक युग का समापन जैसा माहौल रहा, जब यहाँ के समर्पित सहायक अध्यापक मेघवाल मंडल अपने सेवाकाल को पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में एक भव्य और भावभीना सम्मान सह विदाई समारोह आयोजित किया गया, जिसमें विद्यालय परिवार के साथ-साथ भारी संख्या में ग्रामीण भी शामिल हुए। समारोह की शुरुआत में मेघवाल मंडल को पुष्प-गुच्छ, तिलक, चादर और विशेष उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। पूरा विद्यालय प्रांगण उनके द्वारा दी गई सेवाओं के प्रति आभार के स्वरों से गूंज उठा। सहायक अध्यापक मोर्चा जामताड़ा के जिला अध्यक्ष नीलांबर मंडल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम का सफल संचालन सहायक अध्यापक कामदेव मंडल ने किया।

समारोह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने

मेघवाल मंडल के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। उन्हें एक कर्मठ, अनुशासित और बच्चों के भविष्य के प्रति सदैव चिंतित रहने वाला शिक्षक बताया गया।

योगदान: वक्ताओं ने कहा कि मेघवाल मंडल ने न केवल विषय पढ़ाया, बल्कि विद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और बच्चों में पढ़ाई के प्रति रुचि पैदा करने में अभूतपूर्व भूमिका निभाई।

सादगी: उनकी सरलता और मृदुभाषी स्वभाव की चर्चा करते हुए वक्ताओं ने कहा कि उनके जाने से विद्यालय में एक बड़ा शून्य पैदा हो गया है जिसकी भरपाई कठिन है। विदाई की बेला में सबसे अधिक भावुक विद्यालय के छात्र-छात्राएं नजर आए। अपने प्रिय शिक्षक को विदा करते समय कई बच्चों की आँखें नम हो गईं। छात्र-छात्राओं ने विदाई गीतों और अपने छोटे-छोटे संबोधनों के माध्यम से मेघवाल मंडल के प्रति अपना प्रेम और सम्मान व्यक्त किया। ग्रामीणों ने भी एक सुर में कहा कि मेघवाल मंडल ने गाँव के बच्चों को सही दिशा दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। समारोह में शिक्षा विभाग के अधिकारियों और प्रबुद्ध नागरिकों ने शिरकत की, जिनमें बीआरपी गोवर्धन मंडल, सीआरपी मकसूद आलम, प्रधानाध्यापिका सुनैना कुमारी, मोर्चा के छोटे लाल मंडल, पूरन मंडल और सच्चिदानंद राय शामिल थे। वहीं, ग्रामीणों में राजू मंडल, दशरथ मंडल, गीता देवी, सुमित्रा देवी सहित विद्यालय प्रबंधन समिति (SMC) के सदस्य और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में मेघवाल मंडल के स्वस्थ जीवन और सुखद भविष्य की मंगलकामना की।

डार्क लिपस्टिक लगाने से पहले रखें ध्यान

पौधों को खास देखभाल करने की जरूर होती हैं। ऐसे में आप हम बताएंगे कि कैसे आप सब्जी के पौधों को फिर से हरा-भरा कर सकती हैं।

सब्जी के पौधों को हरा– भरा करना चाहती हैं तो आपको हम बताएंगे कि आप कैसे बेकिंग सोडा की मदद से अपने घर के सब्जी के पौधों को फिर से ठीक कर सकती हैं। आज के इस आर्टिकल में हम आपको कुछ आसान हैक्स बताने वाले हैं।

बेकिंग सोडा स्प्रे

सब्जी के पौधों की ग्रोथ को अगर आप बढ़ाना चाहती हैं तो आपको सब्जी के पौधों में बेकिंग सोडा से बना स्प्रे को आप डाल सकती हैं। ऐसे में आपके पौधों की ग्रोथ जो धूप के कारण रुप गई हैं वह फिर से बढ़ जाएगी।

बेकिंग सोडा और चीनी

पौधों से कीड़े निकालने के लिए आप चाहे तो बेकिंग सोडा और चीनी की मदद ले सकती हैं। इससे ग्रे कलर के कीड़े जो गर्मी के दिनों में सब्जी में लग जाते हैं वह निकल जाएंगे। ऐसे में सब्जी के पौधों का ग्रोथ निकल जाता है।

फंगस खत्म कैसे करें

पौधों से फंगस निकालने के लिए आप चाहे तो बेकिंग सोडा का इस्तेमाल कर सकती हैं। फंगस हमारे पौधे के ग्रोथ को रोक देते हैं। खासकर सब्जी के पौधों में फंगस लग जाती हैं।

पैच टेस्ट जरूर करें

बेकिंग सोडा कई पौधे के लिए अच्छा नहीं होता है। इसलिए सब्जी के पौधों में डालने से पहले आपको पैच टेस्ट करना होगा। इसके लिए पहले थोड़े से पौधे में बेकिंग सोडा को डालकर देखें अगर पौधे को किसी भी तरह का नुकसान नहीं होता है तो आप इसे पूरे पौधे में डाल सकती हैं।

बेकिंग सोडा से चुटकियों में निपटाएं किचन से जुड़े ये काम

आजकल खाने में मीठा सोडा या फिर बेकिंग सोडा का इस्तेमाल करना काफी नॉर्मल है। क्योंकि केक बनाने के लिए अनिवार्य तौर पर बेकिंग सोडा, मीठा सोडा या फिर बेकिंग पाउडर का इस्तेमाल किया ही जाता है। हालांकि, बेकिंग पाउडर और बेकिंग सोडा दोनों ही चीजें खाने को फुलाने के लिए इस्तेमाल की जाती हैं।

जब इन्हें आटे या मैदा में मिलाया जाता है, तो ये चीजों के साथ रिएक्ट कर उन्हें फुलाने का काम करते हैं। लेकिन कभी आपने सोचा है कि आपके किचन में रखा बेकिंग सोडा कई कामों को आसान कर सकता है। जी हां, आप बेकिंग सोडा का इस्तेमाल सिर्फ खाना बनाने के लिए नहीं बल्कि किचन की सफाई या फिर काम को जल्दी से निपटाने के लिए कर सकती हैं, कैसे आइए जानते हैं।

चीजों को जल्दी उबालने का करेगा काम

मीट, चिकन, दालें और कुछ सब्जियों को उबालने में कई बार देर लग जाती है और गैस की ज्यादा खपत भी होती है। इसलिए सब्जियों या फिर मीट को कुक करने के लिए आप इसमें थोड़ा–सा बेकिंग सोडा डाल सकती हैं। बता दें कि बेकिंग सोडा डालने से न सिर्फ आपकी चीजें जल्दी उबलेगी बल्कि आपका समय भी बचेगा।

मीट को नरम करने के लिए करें इस्तेमाल

कई बार महिलाएं अपनी फ्रिज में अधिक मात्रा में मीट लाकर रख देती हैं, लेकिन फ्रिज में रखने से मीट सख्त हो जाता है। सख्त होने के कारण मीट देर से बनता है या फिर काफी समय तक नरम होने के लिए बाहर रखना पड़ता है। लेकिन अब आपके ऐसा करने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि आप मीट को नरम करने के लिए बेकिंग सोडा का इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे आपका मीट बहुत जल्दी में नरम हो जाएगा।

गैस स्टोव को करें क्लीन

बेकिंग सोडा घर की साफ–सफाई में बहुत काम आता है। इसके अंदर एक्सफोलिएटिंग गुण पाए जाते हैं, जो चीजों को साफ रखने का काम करते हैं। अगर आपकी गैस स्टोव गंदी हो गई है, तो आप बेकिंग सोडा इस्तेमाल कर चुटकियों में साफ कर सकती हैं।

बेकिंग करने में आएगा काम

अगर आप ओवन में कुछ भी बना रही हैं, तो आप बेकिंग सोडा का इस्तेमाल करें। क्योंकि अक्सर महिलाओं को यह शिकायत रहती है कि ओवन में वह कुछ भी बनाती हैं, लेकिन यह फूलता नहीं हैं। तो आप इस समस्या से बचने के लिए बेकिंग सोडा डाल सकती हैं। इससे न सिर्फ आपकी चीजें जल्दी बेक होगी बल्कि स्वादिष्ट भी बनेगी।

अंडा बनेगा एकदम परफेक्ट

आप अंडे को सॉफ्ट और स्पंजी बनाने के लिए बेकिंग सोडा का इस्तेमाल कर सकती हैं। आप तीन अंडे में 1/2 चम्मच बेकिंग सोडा मिला सकती हैं। हालांकि, आप अंडा जैसे बनाती हैं वैसे ही बनाएं, लेकिन बेकिंग सोडा के साथ कम मात्रा नमक इस्तेमाल करें।

सब्जियों के कीड़े करें साफ

बरसात में अगर आप हरी सब्जी ज्यादा खाती हैं, तो आप इसमें से कीड़े बेकिंग सोडा की सहायता से निकाल सकती हैं। इसलिए आप 10 से 15 मिनट के लिए सब्जी को बेकिंग सोडा वाले पानी में भिगोकर रख दें। इसके बाद साफ पानी से अच्छी तरह धो लें। ऐसा करने से हरा धनिया पर लगे तमाम बैक्टीरिया साफ हो जाएंगे।

सिंक को अंदर से करें साफ

आप सिंक ब्लॉकेज की समस्या से छुटकारा पाना चाहती हैं, तो आप नाली को बेकिंग सोडा से फ्लश करें। इसके लिए आपको बेकिंग सोडा की जरूरत पड़ेगी। नाली में 2–4 बड़े चम्मच बेकिंग सोडा छिड़क दें। इसके बाद 2–3 मिनट तक गर्म पानी डालते रहें। बस आपका सिंक पूरा साफ हो जाएगा।

किचन में नहीं आएगी बदबू

कई बार किचन में रखा सामान खराब हो जाता है या फिर मीट की बदबू आने लग जाती है। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो आप इस समस्या से बेकिंग सोडा की मदद से छुटकारा पा सकती हैं। इसके लिए बस आपको किचन की सफाई के दौरान बेकिंग सोडा का इस्तेमाल करना है या फिर हर्बल पाउच के साथ स्टोर करना है।

ऐसे करें पटियाला सूट को स्टाइल, दिखेंगी लाजवाब

पटियाला सूट ज्यादातर पंजाब में ही पहना जाता है। महिलाओं से लेकर कम उम्र की लड़कियों तक सभी इसे पहनना पसंद करती हैं और वे तरह–तरह से इसे स्टाइल कर पहनती हैं। वहीं कुछ महिलाएं ऐसी भी मौजूद हैं जो पंजाबी कल्चर से बिल्कुल अनजान हैं, लेकिन वे पटियाला सलवार सूट को ट्राई करना चाहती हैं। अगर आप भी उन्हीं महिलाओं में से एक हैं तो इस आर्टिकल को आखिर तक जरूर पढ़ें। जिसमें हम आपको बताने वाले हैं कि आप पटियाला सलवार सूट को पहनते समय किन बातों का ख्याल रखें ताकि आप दिखें बेहद स्टाइलिश।

इस तरह का चुनें दुपट्टा

- अगर आप पटियाला सूट पहन रही हैं तो आप दुपट्टे के लिए फुलकारी दुपट्टे को चुनें।
- फुलकारी दुपट्टा पंजाब की शान है और इसे आप अपने पटियाला सलवार सूट के साथ आसानी से कैरी कर सकती हैं।
- पटियाला सलवार सूट के साथ फुलकारी दुपट्टा चुनते समय कलर कंट्रास्ट का ख्याल जरूर रखें।
- अगर आप कुछ अलग ट्राई करना चाहती हैं तो आप नेट के हैवी दुपट्टे को भी चुन सकती हैं।

ऐसे हेयर स्टाइल लगेंगे बेस्ट

- पटियाला सलवार सूट के साथ आप पंजाबी स्टाइल ब्रैड ही करें ताकि आपका लुक कंप्लीट दिखाई दें।
- ऐसा करने से आपका लुक टिपिकल पंजाबन जैसा दिखाई देने लगेगा।
- साथ ही ब्रैड हेयर स्टाइल को कंप्लीट लुक देने के लिए आप इसमें परांदी का इस्तेमाल करें।
- इसके लिए आप अपनी ऑउटफिट से मैचिंग कलर या कंट्रास्ट वाली कोई भी परांदी को खरीद सकती हैं।

इस तरह से करें ज्वेलरी को स्टाइल

- पंजाबी स्टाइल सूट के साथ आप ज्वेलरी के लिए हैवी इयररिंग्स को कैरी करें।
- ऐसा करने से आपका लुक बेहद गॉर्जियस दिखाई देगा।
- साथ ही हैवी लुक देने के लिए आप चाहे तो बड़े साइज वाले मांग टिके को भी पहन सकती हैं।
- ध्यान रहे कि ज्वेलरी खरीदते समय आप अपने ऑउटफिट के कलर कंट्रास्ट का ख्याल जरूर रखें ताकि आपका लुक स्टाइलिश और यूनिक दिखाई देने लगे।

ये फुटवियर लगते हैं परफेक्ट

- अगर आप पटियाला सूट पहन रही हैं तो फुटवियर पर भी खास ध्यान देना जरूरी होता है।
- इस तरह के सलवार सूट के साथ आप फुटवियर के लिए पंजाबी जुती को चुनें।
- इस तरह की जुती को गुरगाबी जुती कहा जाता है जो कि देखने में बेहद रंग–बिरंगी होती है और पहनने में बेहद आरामदायक भी होती है।
- इस तरह की जुती आपको मार्केट में करीब 200 रुपये से लेकर 400 रुपये तक में आसानी से मिल जाएगी।

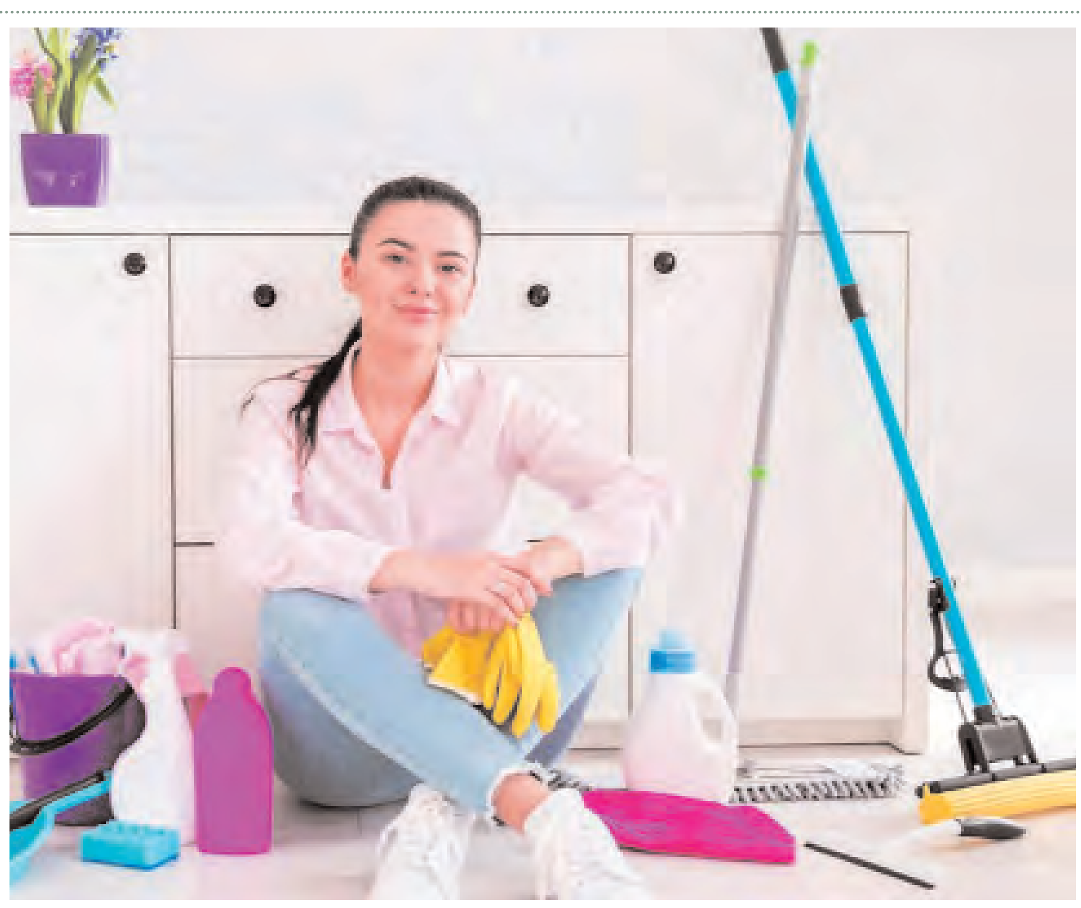

घर के फ्लोर को साफ करते वक्त कहीं आप भी तो नहीं करती हैं ये गलतियां?

घर की सफाई करते वक्त अक्सर लोग कुछ गलतियां कर देते हैं, जिससे फ्लोर उस समय साफ तो हो जाता है, पर कुछ ही देर में यह गंदा भी दिखने लगता है। आइए हम आपको बताते हैं कि क्या नहीं करनी चाहिए।

घर के फ्लोर की साफ करते वक्त कई बार लोग कुछ गलतियां कर देते हैं, जिससे फर्श के काले–पीले दाग–धब्बे वैसे ही रह जाते हैं। कुछ लोग तो इसकी सफाई के दौरान गलत प्रोडक्ट का इस्तेमाल कर लेते हैं, जिसके कारण भी ऐसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। अगर आपकी भी ये शिकायत है कि फ्लोर साफ करने के बाद भी यह शीशे की तरह नहीं चमकता है, तो हो सकता है कि आपसे कोई मिस्टेक हो गए हों। आइए हम आपको बताते हैं कि किन गलतियों के कारण आपके घर का फर्श घंटों मेहनत के बाद भी नहीं साइन करता है।

फर्श को साफ करने के दौरा ये हैं कुछ आम गलतियां

गलत सफाई उत्पादों का उपयोग करना

फर्श की सतह के लिए गलत सफाई उत्पादों का उपयोग करना फर्श को नुकसान पहुंचा सकता है। लकड़ी के फर्श के लिए, आपको खासकर लकड़ी के फर्श क्लीनर का उपयोग करना चाहिए। टाइल या पत्थर के फर्श के लिए, आप एक बहुउद्देशीय क्लीनर का उपयोग कर सकते हैं।

फर्श को ज्यादा गीला कर देने की गलती

फर्श को बहुत गीला करने से लकड़ी के फर्श को नुकसान हो सकता है। वहीं, अगर टाइल्स या पत्थर के फर्श हैं, तो इसपर फिसलन हो सकती है। इसके अलावा, इसे सूखने में भी काफी समय लगता है।

फर्श को अच्छी तरह से न सुखाना

फर्श को अच्छी तरह से न सुखाने से फर्श पर दाग लग सकते हैं और लकड़ी के फर्श को काफी नुकसान हो सकता है। फर्श को साफ करने के बाद, इसे हमेशा एक सूखे कपड़े से अच्छी तरह जरूर सुखाएं।

खरोंच पैदा करने वाले चीजों से न करें फ्लोर की सफाई

फर्श पर खरोंच पैदा करने वाले चीजों का उपयोग करने से फर्श को नुकसान पहुंच सकता है। फर्श को साफ करने के लिए कभी भी स्टील वूल या खुरदरे स्पंज का उपयोग न करें।

नियमित रूप से सफाई न करना

फर्श को नियमित रूप से साफ न करने से इसपर गंदगी और ज्यादा जम सकती है। ऐसे में, फर्श को साफ करना और भी ज्यादा मुश्किल हो सकता है। अपने फर्श को हर हफ्ते या दो हफ्ते में कम से कम एक बार जरूर साफ करें।

संक्षिप्त समाचार

ड्रग ओवरडोज के चलते दो युवकों की मौत, ऑटो में मिले दोनों के शव

कैमूर, एजेंसी। बिहार के कैमूर में दो युवकों के शव मिले हैं। ड्रग ओवरडोज के कारण दोनों की जान गई है। ऑटो से दोनों के बरामद हुए हैं। उनके पास में सिरिंज और प्रतिबंधित दवाइयां पड़ी थीं। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। मामला सोनहन थाना क्षेत्र के बहुअन गांव का है। ड्रग ओवरडोज से युवक की मौत : बताया जाता है कि हनुमान जयंती पर महाबीरी झंडा निकला था। गांव में खुशियां मनाई जा रही थी। दंगल कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ था। उसी बीच गांव के दो युवक सुभाष तिवारी और अनिल राम अपने ऑटो से गांव के बधार में एकांत जा कर ड्रग्स ले रहे थे और खूब मस्ती हो रही थी। दोनों काफी देर तक ड्रग्स लेते रहे। ड्रग्स वो भी इंजेक्शन वाली कब रात हो गई, उनको पता भी नहीं चला। इस बारे में कहना मुश्किल है लेकिन माना जा रहा है कि रविवार सुबह दोनों की मौत हुई है। सुभाष के परिजनों का कहना है कि हमलोगों को लगा कि वह गांव में घूमने गया होगा और रात में उधर ही कहीं सो गया होगा। जब गांव के लोग अपने खेत घूमने गए तो देखा कि दोनों ऑटो में बैठे हुए हैं। जब आवाज लगाई गई तो पता चला कि दोनों की मौत हो गई है। भभुआ डीएसपी मनोरंजन भारती ने बताया कि मृतक के पास से सिरिंज और प्रतिबंधित दवाइयां मिली है। परिजनों से पूछताछ में पता चला है कि वे लोग काफी समय से इसका सेवन कर रहे थे। फिलहाल तफ्तीश जारी है।

वाटर मेट्रो और खनिज उत्खनन के लिए कॉरिडोर से बिहार को फायदा'

पटना, एजेंसी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज केंद्रीय आम बजट पेश किया। इस बजट का बिहार के नेताओं ने स्वागत किया है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आम बजट की तारीफ करते हुए कहा कि ये बजट स्पष्ट दिखाता है कि 2047 के भारत की कल्पना कैसे सरजमीं पर उतारा जाएगा, उसकी चिंता केंद्रीय बजट में दिखता है। उन्होंने कहा कि निर्मला सीतारमण ने तीन कर्तव्यों की चर्चा की, जिसमें उत्पादकता में लचीलापन लाना, आर्थिक विकास की चिंता, उसकी गति बनाए रखना और भारत की समृद्धि के पथ पर सशक्त साझेदार बनाने के लिए लोगों की आकांक्षा पूरी करना और उनकी क्षमता बढ़ाना है। वहीं, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने भी बजट का स्वागत किया। दरभंगा में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा कि यह बजट आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक मजबूत और ऐतिहासिक कदम है, जो देश को आर्थिक रूप से और अधिक सशक्त बनाएगा। क्या बोले प्रेम कुमार : केंद्रीय बजट को बिहार विधानसभा के स्पीकर डॉ। प्रेम कुमार ने एतिहासिक बजट बताया। उन्होंने कहा कि इससे बिहार की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। गयाजी के सर्किट हाउस में पत्रकारों से कहा कि इस बजट से युवाओं को रोजगार मिलेगा। किसानों की आर्थिक स्थिति सुधरेगी। यह बजट सर्व समावेशी बजट है, जो विकास की नई राहें खोलेगा। ये बजट कृषि औद्योगिक और आधार संरचना सहित पूरे देश के विकास के लिए समर्पित है।

अप्रैल 2026 तक खत्म होंगे सभी ब्लैक स्पॉट, सुरक्षा मानकों से लैस होंगी राज्य की सड़कें

पटना, एजेंसी। बिहार में सड़क दुर्घटनाओं पर लगाम कसने के लिए परिवहन विभाग ने ठोस और समयबद्ध रणनीति तैयार की है। अधिकदुर्घटना वाले स्थलों यानी ब्लैक स्पॉट की नए सिरे से पहचान की जाएगी और अप्रैल 2026 तक सड़कों की सभी खामियों को दूर करने का लक्ष्य तय किया गया है। विभाग का साफ कहना है कि अब सिर्फ दुर्घटनाओं के कारणों की रिपोर्ट बनाकर मामला नहीं छोड़ा जाएगा, बल्कि 15 दिनों के भीतर उस स्थान को सुरक्षा मानकों के अनुरूप ठीक करना अनिवार्य होगा। राज्य में सड़क दुर्घटनाओं के ग्राफ को नीचे लाने के लिए परिवहन विभाग ने एक कड़ा और 'रिजल्ट ओरिएंटेड' प्लान तैयार किया है। परिवहन विभाग ने साफ निर्देश दिया है कि अप्रैल 2026 तक बिहार की सभी सड़कों को अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों के अनुरूप दुरुस्त कर लिया जाए, ताकि बेगुनाहों की जान बचाई जा सके। परिवहन विभाग के अनुसार, किसी भी सड़क पर यदि दुर्घटना संभावित स्थल चिन्हित होता है तो वहां सुधार कार्य तय समयसीमा में पूरा किया जाएगा। उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एक ही स्थान पर बार-बार दुर्घटनाएं न हों। इसके लिए विशेष टीमों का गठन किया जाएगा, जिनमें संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल होंगे और उनकी स्पष्ट जवाबदेही तय की जाएगी। अधिकारियों के मुताबिक पटना और वैशाली में 59 ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए जा चुके हैं, जहां जल्द सुधार कार्य पूरा करने पर सहमति बन गई है। इसके अलावा गया, जहानाबाद, पूर्णिया, सीतामढ़ी, भागलपुर, मुजफ्फरपुर, शिवहर, छपरा और मोतिहारी में भी नए ब्लैक स्पॉट की पहचान और उन्हें दुरुस्त करने का काम तेज कर दिया गया है। सड़क हादसों के बाद घायलों को तुरंत इलाज मिल सके, इसके लिए राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों पर विशेष साइनेज लगाए जाएंगे। इन साइनेज पर नजदीकी सरकारी और निजी अस्पतालों का नाम और सटीक दूरी दर्ज होगी।

राष्ट्रीय औसत से बिहार का विकास दर 3 प्रतिशत अधिक,

आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में सरकार का दावा

पटना, एजेंसी। नीतीश सरकार की ओर से आज बिहार विधानसभा में 2025-26 का आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया गया। रिपोर्ट पेश करने के बाद वित्त मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने कहा कि हम लोगों का लक्ष्य 5 साल में बिहार को विकसित बनाने का है। 2024-25 में प्रति व्यक्ति आय 76,490 पहुंच गया है। वहीं, वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव आनंद किशोर ने बताया कि बिहार का विकास दर राष्ट्रीय औसत से भी तीन प्रतिशत अधिक है। आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में बिहार के कई क्षेत्रों में विकास की चर्चा की गई है।

प्रति व्यक्ति आय: आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार बिहार में प्रति व्यक्ति सकल राज्य घरेलू उत्पाद वर्तमान मूल्य पर 2020-21 के 46,412 रुपये से बढ़कर 2024-25 में 76,490 पहुंच गया, जो लगातार बढ़त के रुझान का संकेत देता है। वहीं, 2011-12 के स्थिर मूल्य पर प्रति व्यक्ति सकल राज्य घरेलू उत्पाद 2020-21 के 30,159 से बढ़कर 2024-25 में 40,973 रुपये हो गया है।

राजस्व प्राप्ति 2.18 लाख करोड़ पहुंचा: राज्य सरकार की राजस्व प्राप्ति 2020-21 के 1.28 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2024-25 में 2.18 लाख करोड़ हो गई। इस अवधि में कुल राजस्व में कर प्राप्ति का हिस्सा 70 प्रतिशत से बढ़कर 84 प्रतिशत हो गया, जबकि राजस्व का हिस्सा पांच प्रतिशत से घटकर दो प्रतिशत और सहायता अनुदान का हिस्सा 25 प्रतिशत से 14 प्रतिशत रह गया।

बिहार में आर्थिक वृद्धि दर: आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024-25 में बिहार की आर्थिक वृद्धि दर द्वारा भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर को, जो स्थिर मूल्य पर 6.5 प्रतिशत और वर्तमान मूल्य पर 9.8 प्रतिशत थी, पीछे छोड़ देने का अनुमान है। वर्ष 2024-25 के लिए त्वरित अनुमान दर्शाते हैं कि बिहार में द्वितीयक क्षेत्र का सकल राज्यगत मूल्यवर्धन (जीएसवीए) 2011-12 के स्थिर मूल्य पर 11.1 प्रतिशत और वर्तमान मूल्य पर 15.5 प्रतिशत बढ़ा।

वहीं, तृतीयक क्षेत्र की वृद्धि दर 2011-12 के स्थिर मूल्य पर 8.9 प्रतिशत और वर्तमान मूल्य पर 13.5 प्रतिशत थी, जबकि प्राथमिक क्षेत्र में 2011-12 के स्थिर मूल्य पर 4.1 प्रतिशत और वर्तमान मूल्य पर 9.6 प्रतिशत वृद्धि दर्ज हुई।

वर्ष 2020-21 और 2024-25 के बीच बिहार के सकल राज्यगत मूल्यवर्धन में द्वितीयक क्षेत्र का हिस्सा 2011-12 के स्थिर मूल्य पर 21.1 प्रतिशत से काफी बढ़कर 26.8 प्रतिशत हो गया जिसका मुख्य कारण निर्माण और विनिर्माण क्षेत्रों में हुआ विस्तार है। इसके विपरीत, प्राथमिक क्षेत्र का हिस्सा 21.9 प्रतिशत से घटकर 18.3 प्रतिशत और तृतीयक क्षेत्र का हिस्सा 57.0 प्रतिशत से घटकर 54.8 प्रतिशत रह गया। ये बदलाव राज्य की आर्थिक गतिविधियों में बढ़ते विविधीकरण को व्यक्त करते हैं।

5 वर्ष में विकसित राज्य बनाने का लक्ष्य:

वित्त मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने कहा कि हम लोगों का लक्ष्य 5 साल में बिहार को विकसित बनाने का है। उस तेजी से काम हो रहा है। इस दौरान जब उनसे बजट को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि कल जब पेश होगा तो आप लोग को पता चल जाएगा। बिहार का विकास दर राष्ट्रीय औसत से बेहतर: वहीं, वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव आनंद किशोर ने कहा कि बिहार का विकास दर राष्ट्रीय औसत से भी अधिक है। बिहार का विकास दर राष्ट्रीय औसत से 3.3% अधिक है। बिहार का राजकोषीय घाटा भी नियंत्रित है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024-25 के लिए सबसे हाल के त्वरित अनुमान के अनुसार बिहार का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 2011-12 के स्थिर मूल्य पर 8.6 प्रतिशत और वर्तमान मूल्य पर 13.1 प्रतिशत रहा है। यह क्रमशः 5,31,372 करोड़ रुपये और 9,91,997 करोड़ पहुंच गया।

एलएनएमयू की परीक्षा में धांधली, हंगामे के बाद परीक्षा किया गया रद्द

दरभंगा, एजेंसी। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय द्वारा पीएचडी प्रवेश परीक्षा में धांधली का आरोप लगा है। सीएम साइंस कॉलेज परीक्षा का आयोजन किया गया था। इस दौरान छात्रों ने धांधली का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। भारी हंगामा के बाद कॉलेज प्रशासन ने दोनों पाली की परीक्षाएं रद्द कर दी है।

छात्रों ने कॉपी फाड़ी: शनिवार को सीएम साइंस कॉलेज में पीएचडी एडमिशन टेस्ट का आयोजन हुआ था। परीक्षा के दौरान क्लास रूम में शिक्षक के द्वारा हेराफेरी का आरोप लगाकर छात्रों ने हंगामा शुरू कर दिया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया। कॉलेज प्रशासन के द्वारा छात्रों को शांत करने का प्रयास किया गया लेकिन कुछ छात्रों ने कापी वहीं फार दी।

सेटिंग करने का आरोप: छात्रों ने आरोप लगाते हुए कहा की सीएम कॉलेज वाला सेंटर पूरी तरह मैनेज हैं। कुलपति और कॉलेज के प्रिंसिपल का सेटिंग हैं। छात्रों का आरोप है कि जब एक रूम में चार-चार बच्चा मोबाइल से लिख रहे थे। दूसरे रूम के प्रोफेसर प्रश्न पत्र ले जाकर बाहर से टिक मारकर बच्चों को दे रहे थे। इसलिये हमलोग ओएमआर सीट जमा नहीं किये। छात्रों ने कहा कि रिज्लट उसी का आएगा जिसका सेंटिंग है।

आरोप बेबुनियाद' इस मामले पर सीएम कॉलेज के प्रो संजीव कुमार मिश्र ने जानकारी देते हुए कहा कि छात्रों का जो आरोप है, सभी बेबुनियाद है। मैं खुद आठ बजे से सेंटर पर हूं। प्रथम पाली में परीक्षा शांतिपूर्ण चल रही थी, लेकिन बीच में तीन चार छात्रों ने शरारत शुरू कर दी। जिन छात्रों को ओएमआर भी भरने नहीं आता वे लोग हंगामा करने लगे। जो लोग असंतुष्ट तत्व के छात्र थे वो लोग वो लोग बढ़ावा देने लगे।

बजट 2026 को जदयू ने बताया ऐतिहासिक, राजीव रंजन बोले- बिहार को लगातार मिल रहा केंद्र का सहयोग

पटना, एजेंसी। जनता दल यूनाइटेड के प्रवक्ता राजीव रंजन ने केंद्रीय बजट को बिहार और देश के लिए बेहद अहम बताते हुए इसे ऐतिहासिक बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट समाज के हर तबके को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है और इससे सभी वर्गों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

राजीव रंजन ने कहा कि केंद्र सरकार ने बिहार को इस बार भी निराश नहीं किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासन के लंबे दौर में बिहार को लगातार नजरअंदाज किया गया और राज्य के साथ अन्याय हुआ। उस समय बिहार का जिस तरह से संसाधनों का उपयोग किया गया, वह दुर्भाग्यपूर्ण रहा।

जेडीयू प्रवक्ता ने बताया कि पिछले ग्यारह वर्षों में केंद्र सरकार से बिहार को मिलने वाली सहायता में करीब साढ़े तीन गुना की बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में जब भी बिहार ने केंद्र से मदद मांगी, उसे सकारात्मक जवाब मिला। बीते दो केंद्रीय बजट खास तौर पर बिहार के लिए फायदेमंद रहे हैं और कई बड़ी विकास परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

राजीव रंजन ने कहा कि राज्य में लगातार विकास के काम हो रहे हैं और सरकार सभी वर्गों के हितों का ध्यान रख रही है। मौजूदा बजट का मकसद हर तबके के अधिकारों और जरूरतों को सुरक्षित करना है। राजीव रंजन ने यह भी कहा कि देश की वित्त मंत्री द्वारा लगातार नौवीं बार बजट पेश किया जाना अपने आप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह पहला मौका है जब किसी महिला वित्त मंत्री को यह अवसर मिला है। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2026 के बजट में कर राहत के जरिए मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति बढ़ाने पर विशेष फोकस किया गया है।

बिहार में हादसों में 15 लोगों की मौत,

गोपालगंज में बाप-बेटी की गयी जान

पटना, एजेंसी। बिहार में हादसे में एक दिन में 15 लोगों की मौत हो गयी। यह हादसा राजधानी पटना, भोजपुर और गोपालगंज में हुआ। इस हादसे में दो मासूम, दो बाप-बेटी सहित 15 लोगों की जान चली गयी।

राजधानी पटना में 6 की मौत: बिहटा थाना क्षेत्र में शनिवार की रात हादसे में 6 लोगों की मौत हो गयी। घटना परेव टोला पुल के पास की है, जहां तेज रफ्तार ट्रक ने एक ऑटो में टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि ऑटो सवार 5 लोगों की मौत घटनास्थल पर ही हो गयी, जबकि एक की मौत इलाज के दौरान हुई।

दो मासूमों की मौत: मृतकों में भोजपुर के दौलतपुर निवासी मो। इम्तियाज पिता मो। अली, मो। गुड्डु पिता मो। मुमताज, मो। शहजाद पिता मो। शमशाद शामिल हैं। दो मासूम बच्चे की मौत हुई है, जिसमें एक साल का सफान और 2 साल के अल्फी की जान चली गयी। वहीं एक महिला नाजमी परवीन की इलाज के दौरान मौत हो गयी।

मेला ले लौटने के दौरान हादसा: घटना के बारे में बताया जा रहा है कि सभी लोग ऑटो में सवार होकर मनेर में चल रहे उर्स मेला देखने के लिए गए थे। देर रात भोजपुर लौट रहे थे, इसी दौरान हादसा हो गया। घटना की पुष्टि बिहटा थाना प्रभारी अमित कुमार ने करते हुए आगे की कार्रवाई तेज कर दी है।

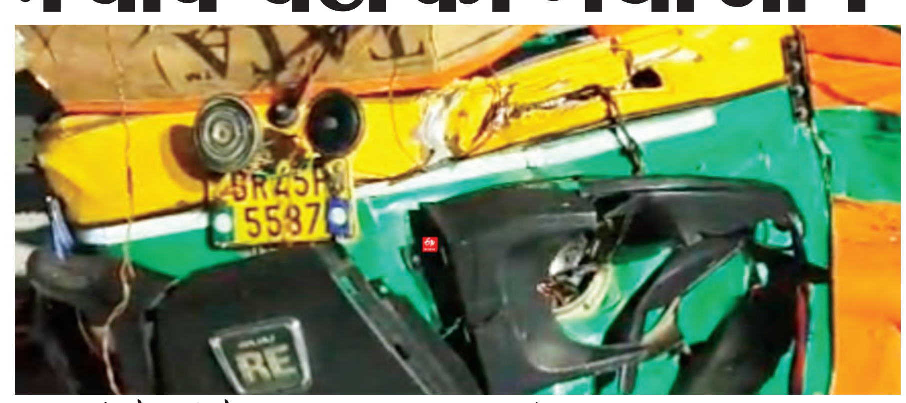

पटना में और 3 की मौत: पटना में सड़क हादसे में 3 लोगों की दर्दनाक मौत हो, गई जबकि दो लोग गंभीर रुप से जख्मी हो गए। ये सभी लोग माघ पूर्णिमा के अवसर पर गंगा स्नान के लिए शेखपुरा से पटना के मोकामा जुगाड़ गाड़ी पर सवार होकर जा रहे थे, तभी बिहटा-सरमेरा राष्ट्रीय राज्यमार्ग 33 के घोसवरी थाना क्षेत्र कारकइन गांव के निकट हादसा हो गया।

जुगाड़ गाड़ी से हादसा: शेखपुरा के मेहूस थाना क्षेत्र लोदीपुर गांव निवासी प्रयाग मांझी के 35 वर्षीय पुत्री मुन्नी मांझी, चांद मांझी के 36 वर्षीय पुत्र महेश मांझी और 40 वर्षीय संजय मांझी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि घायलों में अशोक मंझी, घनश्याम मांझी हैं।

दो लोगों का चल रहा इलाज: घटना के संबंध में घोसवरी थानाध्यक्ष सत्यम तिवारी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच सभी को स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए बाढ़ अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने तीन को मृत घोषित कर दिया जबकि दो को बेहतर इलाज के लिए पटना भेज दिया गया है।

बिहार में शराबबंदी का हाल देखिए.. पुलिस पर ही शराब माफियाओं से डील का आरोप, एसपी ने भेजा जेल

बेतिया, एजेंसी। नरकटियागंज कोइरगांवा में 503 पेटी शराब की बड़ी खेप पकड़े जाने के बाद जहां बेतिया पुलिस की चारों ओर प्रशंसा हो रही थी, वहीं अब यह मामला विवादों में घिरता नजर आ रहा है। शराब बरामदगी के बाद सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें ट्रक के भीतर बैठा एक व्यक्ति खुद को पुलिसकर्मी बताते हुए शराब छोड़ने की कथित डील करता दिखाई दे रहा है।

शराब बरामदगी में डील का खेल: वीडियो में वह अपना नाम राजेश कुमार बताता है और ट्रक व चालक को छोड़ने के बदले 10 लाख रुपये की मांग करता नजर आ रहा है। वायरल वीडियो को लेकर आरोप है कि डील के दौरान कुछ रुपये भी लिए गए और इसके बाद ट्रक चालक को छोड़ दिया गया।

पुलिसकर्मी का वीडियो वायरल: हालांकि बाद में उसी ट्रक से शराब की खेप और वाहन को जब्त कर लिया गया, लेकिन चालक को कथित रूप से पैसे लेकर छोड़ दिया गया। इस पूरे घटनाक्रम के सामने आने के बाद पुलिस की भूमिका पर सवाल खड़े हो गए हैं और मामला जांच के दायरे में आ गया है।

शराब की सूचना देने वाले पर ही केस: इस प्रकरण में एक और चौंकाने वाला पहलू सामने आया है। मामले में नरकटियागंज के चर्चित शराब तस्कर नीरज कुमार पर केस दर्ज किया गया है, जबकि चर्चा है कि उसी नीरज कुमार ने इस शराब की खेप को पकड़वाने में पुलिस की मदद की थी।

पुलिसिया कार्यशैली पर सवाल: ऐसे में सवाल उठ रहा है कि यदि नीरज ने पुलिस को सूचना देकर शराब पकड़वाई, तो फिर उसी को शराब का मालिक बताकर मुकदमा क्यों दर्ज किया गया। पूरे शराब कांड में अब कई परतें खुलती नजर आ रही हैं। पुलिस की कार्रवाई, वायरल वीडियो और दर्ज मुकदमे को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। फिलहाल पुलिस जांच जारी है और सच सामने आने का इंतजार किया जा रहा है।

एसपी ने भेजा जेल: राजेश कुमार जो 112 पर पोस्टेड है, वह ट्रक में बगहा से ही बैठकर शराब माफिया से पैसा वसूलने का काम करता है, लेकिन इस बार ट्रक के ओनर ने ही वीडियो बना लिया और इसे वायरल कर दिया। इसके बाद यह पूरा मामले का खुलासा हुआ। पुलिस पूरे मामले की जांच कर आरोपी पुलिस जवान 112 राजेश को जेल भेज दिया है।

बिहार में शराबबंदी: बिहार में साल 2016 से शराबबंदी है। शराब पीना और बेचना अपराध है, इसके बावजूद शराब तस्करों के हौसले बुलंद हैं। आए दिन शराब बरामदगी के मामले सामने आते हैं। अब इस मामले में खाकी दागदार हुई है।

पटना में 8 लोगों ने घेरकर युवक को गोदा चाकू, हत्या के बाद से इलाके में सनसनी

पटना, एजेंसी। बिहार में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। शनिवार की शाम मसौढी थाना क्षेत्र के कुशवाहा मार्केट से पश्चिम सब्जी मंडी के पास एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गयी। हत्या के बाद पूरे इलाके सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान राजू कुमार पिता गिरजा यादव के रूप में हुई है जो मसौढी के नगर मुख्यालय कृष्णापुरी रहने वाला था।

8 लोगों ने घेरकर मारा: जानकारी के अनुसार यह घटना तब हुई जब राजू बाइक पर सवार युवक अपने घर जा रहा था। उसी समय 8 की संख्या में लोग उसे घेर लिए। इसके बाद चाकू गोदकर गंभीर रूप से घायल कर दिए। परिजनों को जैसे ही जानकारी मिली आनन-फानन में निजी अस्पताल मे लाया गया है, जहां उसकी मौत हो गई है।

सभी हथियार से लैस थे: घटना के संदर्भ में आसपास के लोगों ने बताया कि तकरीबन शाम 5 बजे के आसपास राजू घर जा रहा था। इसी दौरान उसे 8 लोगों ने घेर लिया। सभी लोगों के पास पिस्तल और धारदार हथियार थे। घटना को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए।

जान बचाकर भागे साथी: राजू के साथ अन्य दो युवक भी थे जो किसी तरह जान बचाकर भागे। पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर पूरे मामले की छानबीन में जुटी है, घटना के बाद पूरे इलाके में हलचल मची हुई है। घटना के बाद पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

नीट छात्रा की मौत में एनडीए के बड़े नेताओं के परिवार का हाथ' बिहार बजट सत्र के पहले दिन हंगामा

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा का बजट सत्र सोमवार (2 फरवरी) से राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के अभिभाषण के साथ शुरू हो गया है। विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार ने कहा कि 'बजट सत्र में 19 बैठकें होंगी। सभी के सहयोग से सदन की कार्यवाही सुचारू ढंग से चलेगी। सभी गरिमा का ख्याल रखें।'

नीट छात्रा मौत मामले पर सरकार का घेराव: वहीं सदन की कार्यवाही शुरू होने के पहले ही दिन नीतीश सरकार के खिलाफ विपक्ष ने मोर्चा खोल दिया। बिहार विधानसभा की कार्यवाही से पहले कांग्रेस विधायक कमरुल होदा ने सदन के बाहर नीट छात्रा मौत मामले को लेकर प्रदर्शन किया। कांग्रेस विधायक ने हाथ में पोस्टर लेकर विरोध जताया। उन्होंने राज्यपाल के अभिभाषण में इस मुद्दे को शामिल करने की मांग की।

व्हीलचेयर पर पहुंचे तेजस्वी यादव: मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सदन की कार्यवाही में शामिल होने से पहले लोगों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया और फिर सदन के अंदर चले गए। बिहार विधानसभा के 18वें बजट सत्र के पहले दिन की शुरुआत राष्ट्रगान से हुई। वहीं विधानसभा की

कार्यवाही के दौरान नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पैर में चोट लगने के कारण व्हीलचेयर पर सदन पहुंचे। उन्होंने बताया कि 25 जनवरी को ठोकर लगने के कारण उनके पैर का नाखून उखड़ गया था।

नीतीश और तेजस्वी के बीच बातचीत: सदन की कार्यवाही के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव के बीच बातचीत की तस्वीर भी सामने आई है। सदन में दोनों ने थोड़ी देर तक बातचीत की। इस दौरान दोनों के चेहरे पर मुस्कान थी।

राज्यपाल का अभिभाषण: बजट सत्र के पहले दिन राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान का अभिभाषण और आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया गया। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने दोनों सदनों को संयुक्त रूप से संबोधित करते हुए बिहार सरकार की उपलब्धि गिनाई। उन्होंने कहा कि विधानसभा लोकतंत्र का पवित्र मंदिर है, जहां जनहित से जुड़े विषयों पर गहन विचार-विमर्श होता है।

राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में आगे कहा कि नई सरकार बनने के बाद से ही राज्य में स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में काफी विकास हुआ है। राज्य में बड़ी संख्या में सड़कों और पुल-पुलियों का निर्माण कराया गया है। राजधानी पटना से सुदूर इलाकों से पहुंचने का लक्ष्य पांच घंटा कर लिया गया है। राज्य सरकार ने बिहार में महिला सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दिया है।

50 प्रतिशत और सरकारी नौकरी में आरक्षण: पंचायती राज, नगर निकायों में 50 प्रतिशत और सरकारी नौकरी में आरक्षण दिया जा रहा है। पहले बिहार में स्वयं सहायता समूहों की संख्या काफी कम दी थी। अब समूहों की संख्या की लगभग 11 लाख हो गई है। बिहार सरकार ने शुरू से ही वंचित वर्गों के लिए काम किया। इन्हें मुख्य धारा में जोड़ने के लिए कई योजना चला रही है।महिलाओं को रोजगार के लिए 10 हजार रुपया दिया गया है। इसके बाद उन्हें दो लाख रुपये दिया जाएगा। राज्य में सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि बढ़ाई गई, जिससे एक करोड़ 24 लाख लोगों को फायदा मिल रहा है। राज्य में सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि बढ़ाई गई, जिससे एक करोड़ 24 लाख लोगों को फायदा मिल रहा है। आरिफ मोहम्मद खान ने दोनों सदनों को संबोधित करने हुए आगे कहा कि 2006 से कब्रिस्तानों की घेराबंदी की जा चुकी है। समाज में शांति और सद्भाव का वातावरण है। 60 वर्ष पुराने हिंदू के मंदिरों की घेराबंदी की जा रही है। बड़े संख्या में नए विद्यालय खोले जा रहे हैं। हर पंचायत में उच्च माध्यमिक विद्यालय खोले गए हैं। स्थानीय निकाय के माध्यम से तीन लाख 68 हजार शिक्षकों की बहाली की गई। 73 हजार नियोजित शिक्षक बचे हुए हैं।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में कई काम: प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 11 हजार 600 मरीज औसतन आते हैं। आज 12 सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल कार्यरत हैं। 27 जिलों में नए मेडिकल कॉलेज बनाए जा रहे हैं। शहर में भी 4 लाख 35 हजार से अधिक जीविका दीदी हैं। प्रदेश में महिला स्वयं सहायता समूह की संख्या लगभग 11 लाख हो गई है, जिसमें जीविका की संख्या एक करोड़ 40 लाख हो गई है।

बिहार में कानून का राज: उन्होंने अपने अभिभाषण में आग कहा कि सरकार ने सभी वर्गों के लिए काम किया है, चाहे हिंदू हो या मुस्लिम। मछली के उत्पादन में बिहार आत्मनिर्भर हो गया है। बिहार में कानून का राज है और उसे बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार के द्वारा अपराध नियंत्रण और सभी मोर्चे पर काम किया जा रहा है।

विचार-मंथन

संपादकीय

आर्थिक समीक्षा के दावों पर उठते असहज सवाल

देश में सबसे निचले तबके की पांच से दस फीसद आबादी के उपभोग व्यय में तेज वृद्धि दर्ज की गई है। यानी इस वर्ग के लोग अपनी जरूरत के लिए विभिन्न वस्तुओं की खरीद पर अब ज्यादा खर्च करने लगे हैं। यह इस बात का संकेत है कि गरीबों की माली हालत में सुधार हुआ है। संसद में पेश की गई आर्थिक समीक्षा रपट में गरीबी का दायरा कम होने की यह तस्वीर उकेरी गई है। इसमें कहा गया है कि सरकार के सबसिडी, पेंशन, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवा पर सार्वजनिक व्यय को प्राथमिकता जैसे कदमों के परिणामस्वरूप कमजोर वर्ग अभाव से उबरे हैं।यह सही है कि पिछले कुछ वर्षों में अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में तस्वीर बदली है। मगर सवाल है कि गरीबी से उबरने का आकलन करने के पैमाने क्या हैं? क्या इस प्रक्रिया में सिर्फ वस्तुओं की खरीद पर खर्च बढ़ने को आधार बनाना काफी है? समीक्षा में आंकड़ों के आधार पर कहा गया है कि देश में उपभोग असमानता में कमी आई है, मगर क्या वास्तव में इसे गरीबी कम होने का सूचक माना जा सकता है? आर्थिक समीक्षा रपट के अनुसार, वर्ष 2022–23 और 2023–24 के बीच समाज के सबसे निचले वर्ग के प्रति व्यक्ति औसत मासिक व्यय में वृद्धि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में देखी गई है। तर्क दिया गया है कि सरकारी नीतियों का आय वितरण पर महत्त्वपूर्ण असर हुआ है, जिससे गरीब तबके की खर्च करने की क्षमता बढ़ी है। मगर इस बात पर भी गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि जिसे 'व्यय की क्षमता' बढ़ने के रूप में देखा जा रहा है, उसका आधार क्या है। इसमें दोराय नहीं कि सामान्य तौर पर किसी भी परिवार के खर्च करने की क्षमता में तभी इजाफा होता है, जब उसकी आमदनी में बढ़ोतरी होती है। इसके बिना अगर गरीब परिवारों का वस्तुओं की खरीद पर व्यय बढ़ रहा है, तो यह महंगाई और मजबूरी से उपजी परिस्थितियों का नतीजा भी हो सकता है। जाहिर है, जैसे–जैसे महंगाई बढ़ती है, वैसे–वैसे रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं पर हर किसी को ज्यादा खर्च करना पड़ता है। आमदनी बेहद कम होने और किसी वस्तु की अत्यधिक जरूरत पड़ने पर गरीब परिवार बैंक या साहूकार से कर्ज लेकर भी खर्च करते हैं। इस सूरत में ऐसे परिवारों के व्यय में बढ़ोतरी होना स्वाभाविक है, पर क्या इसे यह मान लिया जाए कि वे गरीबी से उबर गए हैं!

6.8 से 7.2 फीसदी की ग्रोथ, लेकिन राह आसान नहीं

हर साल संसद में पेश होने वाली आर्थिक समीक्षा आमतौर पर इस बात का ब्योरा होती है कि पिछले बजट में देश की अर्थव्यवस्था और अन्य मोर्चे पर सुधार के लिए जो वादे किए गए थे, वे किस हद तक पूरे किए जा सके। यह इसका भी संकेत होता है कि अगले वित्त वर्ष में सरकार के आर्थिक फैसलों में किन मसलों को प्राथमिकता मिल सकती है। इस लिहाज से देखें, तो वित्त मंत्री ने जो आर्थिक समीक्षा पेश की है, वह देश की परिस्थितियों और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खड़ी हो रही आर्थिक चुनौतियों के बीच उम्मीद जगाती है, लेकिन यह आने वाले वक्त के जोखिमों के प्रति आगाह भी करती है। समीक्षा में वित्त वर्ष 2026–27 में सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर 6.8 फीसद से 7.2 फीसद के बीच रहने का अनुमान जताया गया है। विदेशी पूंजी प्रवाह में कमी के कारण रुपए पर प्रतिकूल असर और बीते वर्ष भारतीय मुद्रा में कमजोरी के बावजूद यह अनुमान अर्थव्यवस्था में स्थिरता का संकेत देता है। हालांकि समीक्षा में विकसित भारत और वैश्विक प्रभाव का लक्ष्य हासिल करने के उद्देश्य से मजबूत और स्थिर मुद्रा को एक स्वाभाविक जरूरत बताने के समांतर रुपए के मूल्य में गिरावट को हानिकारक नहीं माना गया, क्योंकि यह भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी शुल्क में इजाफे के असर को कुछ हद तक कम करता है। दूसरी ओर, यूरोप के साथ मुक्त व्यापार समझौते को लेकर यह उम्मीद जताई गई है कि यह भारत की विनिर्माण प्रतिस्पर्धात्मक, निर्यात और रणनीतिक क्षमता को मजबूत करेगा। समीक्षा के मुताबिक, अनिश्चित वैश्विक माहौल में भारत को घरेलू वृद्धि को प्राथमिकता देने की जरूरत है और इसके लिए वित्तीय सुरक्षा उपायों और नकदी पर ज्यादा जोर देना चाहिए।

अंतरिक्ष में विकिरण से चिप को बचाने की तकनीक महंगी है और इससे प्रदर्शन घटता है। उपग्रह खराब होने पर मरम्मत असंभव होती है और नया उपग्रह भेजना पड़ता है, जिससे अंतरिक्ष मलबे की समस्या बढ़ती है। इसके बावजूद अमेरिका और चीन दोनों ही इसे भविष्य की अनिवार्यता मानते हुए पूरी ताकत झोंक चुके हैं। देखा जाये तो इसमें कोई दो राय नहीं कि जो देश अंतरिक्ष में एआई पर कब्जा करेगा।

स्पेस में एआई डाटा सेंटर स्थापित करेगा चीन, ड्रैगन की नजर आकाश पर

(नीरज कुमार दुबे)

कम्प्यूटिंग पावर, भंडारण क्षमता और कम्यूनिकेशन बैंडविड्थ को गहराई से जोड़ा जाएगा ताकि पृथ्वी से एकत्र आंकड़ों का प्रसंस्करण सीधे अंतरिक्ष में हो सके। इस पहल का उद्देश्य यह है कि ऊर्जा खपत और कूलिंग जैसी समस्याओं से जूझ रहे धरती आधारित आंकड़ा केंद्रों का बोझ अंतरिक्ष में स्थानांतरित किया जाए। चीन ने अगले पांच वर्षों में अंतरिक्ष आधारित कृत्रिम बुद्धि आंकड़ा केंद्र यानि एआई डाटा सेंटर स्थापित करने की योजना की घोषणा कर पूरी दुनिया में खलबली मचा दी है। धरती पर सामरिक बढ़त हासिल करने के बाद अब चीन की नजर आकाश में अपनी ताकत का विस्तार करने पर है ताकि उसे कहीं से भी कोई चुनौती नहीं दे सके। हम आपको बता दें कि चीनी अंतरिक्ष कंपनी चीन एयरोस्पेस साइंस एंड टेक्नोलोजी कॉरपोरेशन ने संकल्प लिया है कि वह गीगावाट श्रेणी की अंतरिक्ष डिजिटल बुद्धि अवसंरचना यानि स्पेस डिजिटल इंटेलिजेंस इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा करेगा। यह योजना चीन के अगले पंचवर्षीय विकास कार्यक्रम का अहम स्तंभ मानी जा रही है। चीन के सरकारी माध्यमों के मुताबिक इन अंतरिक्ष आंकड़ा केंद्रों में क्लाउड कम्प्यूटिंग, एज़ कम्प्यूटिंग और उपकरण स्तर की क्षमताओं का एकीकरण होगा। कम्प्यूटिंग पावर, भंडारण क्षमता और कम्यूनिकेशन बैंडविड्थ को गहराई से जोड़ा जाएगा ताकि पृथ्वी से एकत्र आंकड़ों का प्रसंस्करण सीधे अंतरिक्ष में हो सके। इस पहल का उद्देश्य यह है कि ऊर्जा खपत और कूलिंग जैसी समस्याओं से जूझ रहे धरती आधारित आंकड़ा केंद्रों का बोझ अंतरिक्ष में स्थानांतरित किया जाए। इसी सिलसिले में चीन की निजी कंपनी एडीए स्पेस ने पिछले साल मई में 12 उपग्रह प्रक्षेपित किए थे जिनमें उच्च क्षमता वाले एआई चिप लगे हैं। इन उपग्रहों में प्रत्येक 744 ट्रिलियन गणनाएं प्रति सेकंड करने में सक्षम है। नवंबर महीने से इन उपग्रहों पर एक प्रमुख चीनी एआई मॉडल का संचालन किया जा रहा है और दो मिनट से भी कम समय में अंतरिक्ष आंकड़ा केंद्र से उत्तर प्राप्त हो रहा है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी ने इसे आकाश में गणना का युग आरंभ होने की घोषणा बताया है। उधर, अमेरिका भी पीछे नहीं है। अमेरिकी निजी अंतरिक्ष कंपनियां खासकर एलन मस्क की स्पेस एक्स और अन्य तकनीकी दिग्गज अंतरिक्ष आधारित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कम्प्यूटिंग को भविष्य की सफलता का स्वाभाविक मार्ग मान रहे हैं। अमेरिका की एक अंतरिक्ष कंपनी ने हाल ही में एक उपग्रह पर एआई के सफल संचालन का दावा किया, हालांकि चीन का कहना है कि उसने अकेले उपग्रह की बजाय 12 उपग्रहों वाला व्यावहारिक अंतरिक्ष आंकड़ा केंद्र स्थापित कर तकनीकी बढ़त बना ली है। चीन का लक्ष्य 2800 उपग्रहों वाला विशाल स्पेस कम्प्यूटिंग नेटवर्क खड़ा करना है जो वर्ष 2035 तक पूर्ण होगा। इस परियोजना को सरकारी संरक्षण प्राप्त है क्योंकि चीन ने अंतरिक्ष को अपनी पंद्रहवीं पंचवर्षीय योजना में रणनीतिक प्राथमिकता घोषित किया है। उधर, समानांतर रूप से अमेरिका में भी उच्च क्षमता वाले एआई चिप, निजी पूंजी और रियूजेबल रॉकेटों के बल पर अंतरिक्ष आंकड़ा केंद्रों की दिशा में तेज प्रगति हो रही है। हालांकि चुनौतियां भी कम नहीं हैं। अंतरिक्ष में विकिरण से चिप को बचाने की तकनीक महंगी है और इससे प्रदर्शन घटता है। उपग्रह खराब होने पर मरम्मत असंभव होती है और नया उपग्रह भेजना पड़ता है, जिससे अंतरिक्ष मलबे की समस्या बढ़ती है। इसके बावजूद अमेरिका और चीन दोनों ही इसे भविष्य की अनिवार्यता मानते हुए पूरी ताकत झोंक चुके हैं। देखा जाये तो इसमें कोई दो राय नहीं कि जो देश अंतरिक्ष में एआई पर कब्जा करेगा, वही धरती पर अर्थव्यवस्था, युद्ध और सूचना का नियंत्रण संभालेगा। चीन ने इस सच्चाई को समय रहते पहचान लिया है और अब वह सीधे आकाश में सत्ता का आधार खड़ा कर रहा है। धरती पर आंकड़ा केंद्र अब गले का फंदा बन चुके हैं। जमीन चाहिए, पानी चाहिए, बिजली चाहिए और ठंडक चाहिए। कृत्रिम बुद्धि जितनी तेज गति से बढ़ रही है, उतनी ही तेजी से उसके लिए जरूरी संसाधन खत्म हो रहे हैं। अंतरिक्ष इस समस्या का स्वाभाविक समाधान है। वहां चौबीस घंटे सूर्य ऊर्जा है, ताप प्रबंधन स्वाभाविक है और विस्तार की कोई सीमा नहीं। यही कारण है कि चीन और अमेरिका दोनों इसे भविष्य का कम लागत वाला मार्ग बता रहे हैं। लेकिन यह केवल लागत का सवाल नहीं है। यह सामरिक प्रभुत्व का प्रश्न है। अंतरिक्ष में स्थापित एआई केंद्र केवल नागरिक उपयोग तक सीमित नहीं रहेंगे। वही केंद्र जासूसी उपग्रहों के आंकड़े संसाधित करेंगे, वही मिसाइल चेतावनी तंत्र को संचालित करेंगे और वही साइबर युद्ध का मस्तिष्क बनेंगे। जिसने अंतरिक्ष में कम्प्यूटिंग पर कब्जा किया, वह युद्धभूमि में निर्णय की गति पर कब्जा करेगा। चीन की रणनीति स्पष्ट है। वह केवल तकनीक नहीं बना रहा, वह पूरी पीढ़ी तैयार कर रहा है। इंटरस्टैलर नेविगेशन स्कूल की स्थापना इस बात का संकेत है कि चीन अब केवल निकट पृथ्वी कक्षा तक सीमित नहीं रहना चाहता। वह गहरे अंतरिक्ष में छलांग लगाने की तैयारी कर रहा है। अगले दस से बीस वर्ष चीन के लिए अहम हैं और वह इसे व्यर्थ जाने नहीं देगा। उधर, अमेरिका की ताकत उसकी निजी कंपनियां हैं। रियूजेबल रॉकेटों ने प्रक्षेपण लागत को जमीन पर ला दिया है और यही उसकी सबसे बड़ी सामरिक बढ़त है। लेकिन चीन इस कमी को तेजी से पाट रहा है। उसके प्रक्षेपण आंकड़े बता रहे हैं कि वह संख्या और गति दोनों में आक्रामक हो चुका है। अंतरिक्ष आधारित एआई का यह युद्ध शीत युद्ध की याद दिलाता है। फर्क बस इतना है कि अब झंडा चांद पर गाड़ने की जगह कम्प्यूटिंग शक्ति आकाश में तैनात की जा रही है। प्रचार, दावे और प्रतिदावे तेज होंगे, लेकिन अंततः जीत उसी की होगी जो इसे सैन्य, आर्थिक और औद्योगिक ढांचे से जोड़ेगा। बहरहाल, भारत सहित शेष विश्व के लिए यह चेतावनी है। जो देश इस दौड़ में पीछे रहेंगे, वे केवल उपभोक्ता बनकर रह जाएंगे। अंतरिक्ष में कम्प्यूटिंग का युग शुरू हो चुका है और यह युग केवल तकनीक नहीं, सत्ता का नया व्याकरण लिखेगा। जो इसे समझेगा वही बचेगा, जो चूका वह इतिहास बनेगा। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि अंतरिक्ष अब केवल खोज और संचार का क्षेत्र नहीं रहा। वह कृत्रिम बुद्धि, ऊर्जा, अर्थव्यवस्था और सैन्य प्रभुत्व का नया रणक्षेत्र बन चुका है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

माखनलाल जी ने देखा था पत्रकारिता विश्वविद्यालय का सपना

(प्रो. संजय द्विवेदी)

माखनलाल जी का व्यक्तित्व बहुआयामी था। वे कवि, लेखक, पत्रकार, संपादक, स्वतंत्रता सेनानी अनेक भूमिकाओं में सामने आते हैं। वे अप्रतिम वक्ता भी थे। इसलिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उनके बारे में कहा-हम सब लोग तो बात करते हैं, बोलना (भाषण) तो माखनलाल जी ही जानते हैं। जनसंचार और पत्रकारिता की शिक्षा आज एक विशिष्ट अनुशासन बन चुकी है। देश में पत्रकारिता और जनसंचार शिक्षा पर केंद्रित चार विश्वविद्यालय कार्यरत हैं, लेकिन हमें यह जानना चाहिए कि पं. माखनलाल चतुर्वेदी ने ही सबसे पहले पत्रकारिता विद्यापीठ (विश्वविद्यालय) का सपना देखा था। उन्होंने भरतपुर(राजस्थान) में 1927 में आयोजित संपादक सम्मेलन में कहा था-हिंदी समाचार पत्रों में कार्यालय में योग्य व्यक्तियों के प्रवेश कराने के लिए, एक पाठशाला आजकल के नए नामों की बाढ़ में से कोई शब्द चुनिए तो कहिए कि एक संपादन कला के विद्यापीठ की आवश्यक्ता है। ऐसी विद्यापीठ किसी योग्य स्थान पर बुद्धिमान, परिश्रमी, अनुभवी, संपादक-शिक्षकों द्वारा संचालित होना चाहिए। उक्त पीठ में अन्यान्य विषयों का एक प्रकांड ग्रंथ संग्रहालय होना चाहिए। यह संयोग ही है कि उनके इस स्वप्न को 1990 में मध्यप्रदेश सरकार ने साकार करते हुए उनके नाम पर ही भोपाल में पत्रकारिता विश्वविद्यालय की स्थापना की। बाद के दिनों में रायपुर में कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय और जयपुर में हरिदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय की स्थापना हुई। इसके साथ ही दो साल पूर्व भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) को भी डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा मिल चुका है। यह बात बताती है कि हमारे पुरखे किस तरह अपनी विधा को अकादमिक रुप से स्थापित होते देखना चाहते थे। माखनलाल जी का व्यक्तित्व बहुआयामी था। वे कवि, लेखक, पत्रकार, संपादक, स्वतंत्रता सेनानी अनेक भूमिकाओं में सामने आते हैं। वे अप्रतिम वक्ता भी थे। इसलिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उनके बारे में कहा-हम सब लोग तो बात करते हैं, बोलना (भाषण) तो माखनलाल जी ही जानते हैं। इतना ही नहीं राष्ट्रपिता ने कहा- मैं बाबई जैसे छोटे स्थान पर इसलिए जा रहा हूं क्योंकि वह माखनलालजी का जन्मस्थान है। जिस भूमि ने माखनलालजी को जन्म दिया, उसी भूमि को मैं सम्मान देना चाहता हूं। यह संयोग ही है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और माखनलाल जी पुण्यतिथि एक ही दिन 30 जनवरी को मनाई जाती है। चर्चित शायर श्री फिराक गोरखपुरी भी माखनलाल जी कलम के प्रशंसक थे। उनका कहना था कि-उनके लेखों को पढ़ने से ऐसा मालूम होता था कि आदि-शक्ति शब्दों के रूप में अवतरित हो रही है या गंगा स्वर्ग से उतर रही है। यह शैली हिंदी में ही नहीं, भारत की दूसरी भाषाओं में भी विरले ही लोगों को नसीब हुई है। मुझ जैसे हजारों लोंगो ने अपनी भाषा और लिखने की कला माखनलाल जी से ही सीखी। पं. माखनलाल चतुर्वेदी के संपादन में निकला 'कर्मवीर' एक ऐसा पत्र है, जिसकी धमक हम आज भी महसूस करते हैं। हिंदी पत्रकारिता के क्षेत्र में 'कर्मवीर' एक ऐसा नाम है, जिसे छोड़कर भारतीय पत्रकारिता का समग्र मूल्यांकन नहीं किया जा सकता। इसी तरह उसके संपादक पं. माखनलाल चतुर्वेदी और उनकी संपूर्ण जीवनयात्रा, आत्मसमर्पण के खिलाफ लड़ने वाले संपादक की यात्रा है।

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5992

	9	6		4			3	
	5	7	8	2				
1			9			5		
		9		1				8
5								2
4				9		6		
		4			3			1
				7	9	2	6	
	2			5		9	8	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5991

2	3	5	6	4	7	9	8	1
1	8	9	5	3	2	4	7	6
7	4	6	8	9	1	2	5	3
4	5	1	9	7	8	3	6	2
3	6	8	1	2	5	7	9	4
9	7	2	3	6	4	5	1	8
6	9	7	4	1	3	8	2	5
8	1	3	2	5	9	6	4	7
5	2	4	7	8	6	1	3	9

वर्ग पहेली 5992

संकेतः बाएं से दाएं

1. 8 जून 1936 इंडियन स्टेट ब्राउकास्टिंग सर्विस का नाम बदलकर यह रख दिया गया (8)
8. टेढ़ापन, दोष, कुटिल (2)
7. इस्लामी नवां महिना जिसमें मुस्लिम दिनभर रोजा रखते है (4)
9. वज्र, बिजली (2)
11. मैं का बहुवचन (2)
12. सर्वश्रेष्ठ होने या वरीय होने का भाव (4)
14. आकाश, जल, वायु (2)
15. ईश्वर का एक नाम हजरत मुहम्मद के दामाद और चौथे खलीफा (2)
16. गढ़, कोट, दुर्ग (2)
17. पूजा करने वाला, भक्त (3)
18. रात्रि, रात, यामिनी (2)
19. पूरा, पूरी तरह भरा हुआ (2)
20. जिसे उर्दू में कुर्बानी कहा जाता है (4)
22. विवाह के समय वर को पहनाया जाने वाला ताड़पत्र (2)
23. शास्त्रीय संगीत में षड्जस्वर, सादृश्य (1)

ऊपर से नीचे

1. विश्व सिनेमा का सबसे बड़ा अवार्ड (3)
2. प्रबंध, व्यवस्था (4)
3. तिब्बत और मध्य एशिया में होने वाला एक जंगली भैसा (2)
4. रूपए के मूल्य के छोटे-छोटे सिक्के (4)
5. जोड़, मिलाप, संबंध, लगाव (2)
8. अधिक महत्व का (5)
10. आरके बैनर की फिल्म बरसात से अपना सरगीम सफर शुरू करने वाली संगीतकार जोड़ी में से एक (5)
12. उत्तराधिकारी, महात्मा, ऋषि (2)
13. जलाशय, सरोवर (3)
15. यशस्वी मुगल सम्राट जिसने दीन-ए-इलाही धर्म चलाया (3)
16. गढ़, कोट, दुर्ग (2)
19. अर्चना, पूजन, वंदना (2)
21. हक या स्वामित्व (2)

वर्ग पहेली 5991 का हल

म	हे	श	भू	प	ति		डै
त	ल	ब		थि	र	क	ना
ग	न			क	प	ट	
ण		ना	ना			नी	म
ना	म	ज	द	गी			ह
	म	नी		ता	ल	मे	ल
सं	ता	न		द		म	
ज्ञा			द	त्त		ना	रा

आज का राशिफल

मेष
आज आपके अन्दर भोग विलास के भावना को बढ़ायेगा। आप धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में सहयोग करेंगे, यदि आप व्यापार कर रहे हैं तो आपके व्यापार में आज कुछ नए परिवर्तन होंगे जिससे आगे चलकर आपको लाभ होगा। सायंकाल से लेकर रात्रि तक आप अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेष्ट रहें। आप धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में सहयोग करेंगे।

वृष
आज का दिनआपके जीवन विघ्न बाधाएं उत्पन्न करेगा। सांसारिक सुख भोग और नौकर चाकरों से असहयोग से परेशानी रहेगी। परिवार की तरफ से भी वांछित समाचार मिलने के संकेत नहीं है।करियर से जुड़ी यात्रा का भी संयोग बन रहे है। यह यात्रा आगे चलकर आपके लिए लाभकारी साबित होगी। आपको जीवनसाथी का भी पूरा सहयोग मिलेगा।

मिथुन
आज का दिन राज्य विजय कारक है। आपके प्रभाव प्रताप में वृद्धि होगी। सायंकाल से लेकर देर रात्रि तक ऐसे अनावश्यक खर्चे सामने आयेंगे जो कि चाहते हुए भी मजबूरी में करने पड़ेंगे।शिक्षा और संतान से जुड़ा सुख कल के दिन आपके दिन को प्रसन्नता से भर देगा।

तुला
आज आप में अपने कार्य के प्रति लगन रहेगी एवं रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। आप नए-नए कार्यों में विनियोग करेंगे। आपके परिवार में मनमुटाव की स्थिति रहेगी। सायंकाल के समय वाहन खराब होने से अकस्मात् खर्चा बढ़ेगा। आप इस समय में धैर्य से काम लें क्योंकि जल्दबाजी में किए गए कार्य से आप परेशान हो सकते हैं।

वृश्चिक
आज अधिक परिश्रम करने के कारण स्वास्थ्य कुछ नरम रहेगा। राज्य और समाज की ओर से वांछित सहयोग मिलेगा, परिवार की तरफ से भी शुभ समाचार मिलने के संकेत हैं। यदि आप नौकरी करते हैं तो आपके अधिकारों में वृद्धि होगी। उत्तरदायित्व बढ़ेगा। सब लोग आपके साहस और पराक्रम की प्रशंसा करेंगे।प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे लोगों को भी कल के दिन कोई खुशखबरी मिल सकती है।

धनु
आज आप अधिकांश क्रियाकलापों में लिप्त रहेंगे। इस समय में अध्यात्म से तत्व ज्ञान की वृद्धि होगी। सायंकाल से देर रात तक आपकी भौतिक सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी। आपकी बुद्धि विवेक, नए-नए कार्यों की खोज करने में लगेगी। आप दूसरों की कमियां ढूंढना छोड़ दें तो आज आपकी शान में चार चांद लग सकता है।ससुराल पक्ष से भी आपको सहयोग मिलेगा।

कर्क
आज का दिन आपके लिए भविष्य की नवीन संभावनाओं को लेकर आ रहा है। आपकी रुचि आध्यात्मिक, आपके अच्छे कर्मों से आपके खानदान का नाम ऊंचा होगा। बुजुर्गों के आशीर्वाद से कार्य में सफलता मिलेगी। सायंकाल का समय गाने बजाने संगीत और सैर सपाटे में बीतेगा।घर-परिवार में भाईयों से सहयोग प्राप्त होगा।

सिंह
आज का दिन चिंता की निवृत्ति कारक है। मानसिक अशांति खिन्नता एवं उदासीनता के कारण आप भटक सकते हैं। आपकी संतान व पत्नी के प्रति प्रेम भावना बढ़ेगी। यदि आपका प्रमोशन होने वाली है तो अवश्य प्राप्त होगा। जिससे आप अपनी वाक्पटुता से शीघ्र ही दूर कर लेंगे। दूसरे व्यक्तियों व आगन्तुकों को अपनी ओर आकर्षित करने में सायंकाल तक आप कामयाब हो जाएंगे।

कन्या
आज का दिन धर्म अध्यात्म में वृद्धि करेगा। दिन का कुछ समय सामाजिक क्रियाकलापों में भी लगेगा। आपके भौतिक सुख सुविधाओं में कुछ कमी आ सकती है। यदि आप अपने मन की बात को शीघ्र दूसरों से उजागर न करें तो रुके हुए धन की प्राप्ति हो सकती है।

मकर
आज का दिन मिश्रित फल कारक है। तृतीय भाव में मंगल होने के कारण आपको पेट एवं वायु से संबंधित कष्ट होने की संभावना रहेगी। ऐसे अनावश्यक खर्चे सामने आयेंगे जो आपकी खिन्नता को बढ़ा देंगे। सायंकाल के समय कोई खुशखबरी मिलने से आपका उत्साह बढ़ेगा। रात्रि के समय किसी मांगलिक समारोह में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त होगा। सुख और साधन की वस्तुओं की प्राप्ति होगी।

कुंभ
आज आपके निर्णय लेने की क्षमता से आपको लाभ करायेगा। यदि आपका कोई विवाद राज्य में या समाज में लंबित हो तो उनमें सफलता मिलने की पूर्ण संभावना रहेगी। धन का लाभ होगा। सायंकाल से लेकर देर रात्रि तक का समय ईश्वर भक्ति, तप, यज्ञ, पुण्य कार्यों में लगेगा।कल के दिन खास तौर पर वस्त्रों और गिफ्ट आइटम से जुड़ा कार्य करने वाले लोगों की आय बढ़ेगी। इसके साथ ही करियर से जुड़ी यात्रा का भी संयोग बन रहे है।

मीन
आज आपको बहुमूल्य वस्तु से लाभ प्राप्त कराएगा। अपनी शान शौकत के लिए धन का व्यय करेंगे, गरीबों की सहायता और अपनी वाक्पटुता, कार्य कुशलता से दूसरे व्यक्तियों को अपनी ओर आकृष्ट करने में सक्षम रहेंगे। सायंकाल से लेकर देर रात्रि तक आपकी रुचि धर्म-अध्यात्म में लगेगी। इसके साथ ही सुख साधन और वाहन सुख का संयोग भी बन रहा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा डी.बी. कॉर्पो. लि., के.जी. आश्रम के पास, बिफोर मंदिर, गोसाईंडीह, गोविंदपुर रोड, धनबाद, झारखण्ड – 828112 में मुद्रित एवं वार्ड नं. 8, बांधपाड़ा, दुमका, झारखंड – 814101 से प्रकाशित | संपादक- साकेत कुमार, मो.-9934957121, 7766886433 | E-mail : svvjh123@gmail.com | website : www.sonvarshavani.com

प्रभास ने की राशा थडानी की तारीफ

अभिनेत्री राशा थडानी ने फिल्म लईकी लईका के गाने छाप तिलक से गायन की शुरुआत की है। फिल्म द राजा साब के स्टार प्रभास ने राशा के गायन प्रतिभा की खूब सराहना करते हुए सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट शेयर कर उन्हें बधाई दी है।

प्रभास ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में राशा थडानी का गाना छाप तिलक शेयर किया और लिखा, वाह, शानदार शुरुआत राशा थडानी। तुम्हारा प्रदर्शन सच्चा, भावपूर्ण और दिल से निकला हुआ है। बधाई हो। राशा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर प्रभास का आभार जताते हुए लिखा, प्रभास सर, मैं हमेशा आभारी रहूंगी।

फिल्म लईकी लईका एक आने वाली रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। इसमें राशा मुख्य भूमिका में हैं और उनके साथ अभय वर्मा हैं। फिल्म की पहली झलक में स्ट्रीट स्टाइल और आधुनिक ग्रैफिटी का मिश्रण दिखता है। पहले पोस्टर में अभय और राशा एक संकरी, धुंधली गली में एक-दूसरे को गले लगाते नजर आए। अभय ने गहरे रंग की टेक्सचर्ड जैकेट पहनी है, जो फटी हुई है। राशा ने हल्के रंग की पारंपरिक कुर्ती पहनी है, जिस पर खून के छींटे लगे हुए हैं। यह एक रोमांटिक थ्रिलर फिल्म है। फिल्म का लेखन और निर्देशन सौरभ गुप्ता ने किया है। सह-निर्माता भावना दत्ता तलवार और राघव गुप्ता हैं। राशा और अभय की फिल्म लईकी लईका 2026 की गर्मियों में रिलीज हो सकती है।

मेधा राणा ने बताया कैसा रहा बॉर्डर-2 की शूटिंग का अनुभव

सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी स्टारर फिल्म बॉर्डर-2 बॉक्स ऑफिस पर शानदार कलेक्शन कर रही है। फिल्म में लीड रोल्स की चर्चा हर कोई कर रहा है, लेकिन फिल्म में मेधा राणा ने भी महत्वपूर्ण रोल प्ले किया है। मेधा ने मेजर होशियार सिंह दहिया की पत्नी धनवंती देवी का रोल प्ले किया है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि अभिनेत्री खुद एक आर्मी परिवार से ताल्लुक रखती हैं और वे उस डर और इमोशंस को जी चुकी हैं, जिन्हें फिल्म में दिखाया गया है। बॉर्डर-2 जैसी फिल्म में सेलेक्ट होने के अनुभव पर मेधा राणा ने आईएएनएस से कहा, जब मुझे पहली बार कॉल आया तो मैं खुशी से रो पड़ी थी। फिल्म के लिए मैंने कई राउंड ऑडिशन दिए थे और कास्टिंग डायरेक्टर छाबड़ा सर ने मुझे बुलाकर सामने से बताया था कि मैं सेलेक्ट हो चुकी हूं। वो पल मेरे लिए सबसे प्यारा था और खुशी के मारे मैं बहुत रोई थी। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इतनी बड़ी फिल्म में मुझे काम करने का मौका मिलेगा। अब काम करने के बाद खुद पर धीरे-धीरे यकीन कर पा रही हूं।

फिल्म में मेधा ने मेजर होशियार सिंह दहिया की पत्नी धनवंती देवी का किरदार निभाया है। अपने किरदार पर बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, ये किरदार इमोशनली बहुत स्ट्रांग था क्योंकि ये उन पत्नियों की हिम्मत को दिखाता है, जिन्होंने देश के लिए सब कुछ दांव पर लगा दिया। जब मुझे पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ने के लिए दी गई तो मैं समझ गई कि किरदार बहुत सारी जिम्मेदारी और इमोशंस के साथ आता है।

अभिनेत्री ने आगे कहा, मेरे परिवार की तीन पीढ़ियों ने आर्मी में सेवा दी है और मेरे पापा आज भी सेवाएं दे रहे हैं और यही कारण है कि इस फिल्म को पूरी जिम्मेदारी से निभाना मेरा फर्ज था। हमने भी उन इमोशंस को जिया है, जो फिल्म में पर्दे पर दिखाए गए हैं।

बॉर्डर-2 में बॉर्डर से अलग क्या देखने को मिलेगा के सवाल पर मेधा ने बताया कि हर फिल्म का किरदार अलग है और इमोशन और हिम्मत से भरा है। फिल्म में प्यार, इमोशन, फैमिली, और हिम्मत को दिखाया गया है क्योंकि नहीं पता कि वापस कब लौट पाएंगे। चारों किरदार अलग हैं, लेकिन चारों कहानी ही पूरी फिल्म को बनाती हैं।

फिल्म को लेकर खुद को तैयार करने के सवाल पर मेधा ने बताया कि जो मेरा किरदार है, वो मेरी नानी पहले जी चुकी हैं, क्योंकि 1971 के समय मेरी मां का जन्म हुआ था और नाना की पोस्टिंग बांग्लादेश में थी। मेरी नानी ने मुझे बहुत सारी कहानियां और टिप्स भी दीं, जिससे मुझे फिल्म के किरदार को निभाने में बहुत मदद मिली। वरुण धवन के साथ काम करने के एक्सपीरियंस पर मेधा ने कहा, उनके साथ काम करके बहुत मजा आया और शूटिंग के समय काफी कुछ सीखने को मिला। सेट पर पहला दिन काफी नर्वसनेस के साथ बीता था, लेकिन वरुण ने काफी मदद की।

ऋषभ शेट्टी ने कांतारा चैप्टर 1 के निर्देशन को लेकर लिखी खास बात

ऋषभ शेट्टी की फिल्म कांतारा चैप्टर 1 पिछले साल 2 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने भारत में बॉक्स ऑफिस पर 600 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन किया था।

वहीं ऋषभ ने कांतारा चैप्टर 1 की कई बीटीएस तस्वीरें शेयर कीं और साथ ही एक खास नोट भी लिखा है। ऋषभ शेट्टी ने इंस्टाग्राम हैंडल पर कांतारा चैप्टर 1 की सेट से कई तस्वीरें शेयर की हैं। इन सभी तस्वीरों में वह आस-पास के लोगों को सीन समझाते नजर आ रहे हैं।

इस पोस्ट के साथ ऋषभ ने कैप्शन में लिखा, अपने किरदारों को जीवंत बनाना निर्देशन का सबसे अच्छा हिस्सा है। इसके साथ ही ऋषभ ने आगे लिखा, एक नया कर्ज लेना ठीक है। फैंस ने कमेंट कर लिखा है कि ऋषभ को ऑस्कर मिलना चाहिए। वहीं कई फैंस ने उनकी अगली फिल्म की रिलीज को लेकर सवाल किए हैं।

पारुल गुलाटी ने फिल्म 'तू या मैं' में अपनी भूमिका को लेकर की बात

अभिनेत्री पारुल गुलाटी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'तू या मैं' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने के बाद दर्शकों को इसका बेसब्री से इंतजार है। अब फिल्म में अहम भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री पारुल गुलाटी ने फिल्म में अपने किरदार के बारे में बात की।

तू या मैं में पारुल गुलाटी शनाया कपूर की करीबी दोस्त और मैनेजर लैरा का किरदार निभा रही हैं। अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए पारुल ने कहा कि मैं सचमुच बहुत खुश हूं और ईमानदारी से कहूं तो अभी भी इस किरदार को पूरी तरह से समझने की कोशिश कर रही हूं। लैरा शनाया की दोस्त और मैनेजर है, जो मजबूती से उसका साथ देती है। उससे सवाल करती है, उसका समर्थन करती है और बहुत ही वास्तविक है। मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि वह सिर्फ एक सहायक किरदार नहीं है। वह कहानी में एक महत्वपूर्ण भावनात्मक कड़ी है और इतने यादगार संवाद का हिस्सा बनना पहले से ही अविश्वसनीय लग रहा है।

अभिनेत्री ने आगे बताया कि एक अभिनेत्री और एक निर्माता के तौर पर यह मेरे लिए अब तक का सबसे बेहतरीन कोलेबरेशन है। आनंद एल राय की दुनिया इतनी नाटकीय, बहुआयामी और भावनात्मक रूप से समृद्ध है, यह उस तरह का सिनेमा है जिसकी मैं हमेशा से प्रशंसक रही हूं और जिसका हिस्सा बनना चाहती थी। मुझे यकीन नहीं हो रहा क्योंकि यह एक बड़े पर्दे की भव्य और दिल को छू लेने वाली फिल्म का हिस्सा बनने का एक दुर्लभ, जीवन में एक बार मिलने वाला अवसर जैसा लगता है। बेजॉय नाम्बियार द्वारा निर्देशित तू या मैं का निर्माण आनंद एल राय और हिमांशु शर्मा ने मिलकर किया है। फिल्म में आदर्श गौरव और शनाया कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म 13 फरवरी को वेलेंटाइन डे के मौके पर रिलीज होगी।

कोहरा 2 में अपने किरदार को लेकर बोले बरुन सोबती

दर्शकों के बीच अपनी पहचान बनाने वाली वेब सीरीज कोहरा का दूसरा सीजन जल्द ही रिलीज होने जा रहा है। पहली सीरीज की कहानी, रहस्य और रहस्यमयी वातावरण दर्शकों को इतना पसंद आया कि इसके दूसरे सीजन का इंतजार लंबे समय से किया जा रहा था।

इस बार की कहानी में रहस्य और मामले पहले से भी ज्यादा जटिल होंगे। इस बार भी अभिनेता बरुन सोबती अपने पहले वाले किरदार अमरपाल गारुडी के रूप में नजर आएंगे। सीरीज में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए बरुन ने कहा, इस सीजन में गारुडी पहले से ज्यादा सतर्क है। वह हर कदम पर सोच-विचार करता है और अपने फैसलों और विकल्पों का लगातार मूल्यांकन करता है। गारुडी इस बार नए सिरे से जीवन शुरू करना चाहता है, लेकिन कोहरा की दुनिया में बीते समय और पुराने अनुभव उसे पीछे नहीं छोड़ते। रहस्य इस बार और गहरा है और केस की जटिलता उसकी मानसिक स्थिति और फैसलों में भी दिखती है। बरुन ने कहा, इस सीजन ने मुझे अभिनेता के रूप में नई चुनौतियां दी हैं। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस कहानी में गहराई से जुड़ेंगे। कोहरा 2 की कहानी इस बार जगराना से आगे बढ़ते हुए दलेरपुरा पहुंचती है, जहां माहौल पहले से ज्यादा गंभीर और रहस्यमयी है। एएसआई अमरपाल गारुडी का तबादला दलेरपुरा पुलिस स्टेशन में हो जाता है और यहीं से कहानी एक नया मोड़ लेती है।

इस सीजन का सबसे बड़ा आकर्षण मोना सिंह हैं, जो गारुडी की नई कमांडिंग ऑफिसर धनवंत कौर की भूमिका निभा रही हैं। दोनों का काम करने का तरीका अलग है, सोच अलग है, लेकिन लक्ष्य एक ही है, सच तक पहुंचना। जैसे-जैसे वे एक हत्या के मामले की परतें खोलते हैं, वैसे-वैसे उनके अपने अतीत से जुड़े कई दबे हुए राज भी सामने आने लगते हैं। पंजाब की पृष्ठभूमि में बुनी गई यह कहानी धीमी रफ्तार में आगे बढ़ती है, लेकिन हर मोड़ पर असर छोड़ती है। यह सीजन 11 फरवरी से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

मर्दानी से थप्पड़ तक - बदली हीरोइन की परिभाषा बॉलीवुड ने महिलाओं की आवाज को बनाया ताकत

भारत में बेटियों के प्रति सामाजिक सोच बदलने और उन्हें आर्थिक और सामाजिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प को गुरुवार को 11 साल पूरे हो गए हैं। बॉलीवुड ने महिला केंद्रित कहानियों के जरिए समाज को प्रेरित करने का काम किया। 2014 के बाद रिलीज हुई कई फिल्मों ने यह संदेश दिया कि महिलाएं न सिर्फ अपने अधिकारों के लिए खड़ी हो सकती हैं, बल्कि अपने निर्णयों से समाज में बदलाव भी ला सकती हैं।

मर्दानी - रानी मुखर्जी की मर्दानी फैंचाइजी लोगों की पसंदीदा है। अब इस फैंचाइजी का तीसरा पार्ट जल्द ही आने वाला है। इसमें रानी ने शिवानी शिवाजी रॉय का किरदार निभाया। 2014 में रिलीज हुई फिल्म मर्दानी में शिवानी एक निडर पुलिस अधिकारी हैं, जो महिला उत्पीड़न और अपराध के खिलाफ लड़ती हैं। गोपी पुथरान के निर्देशन में बनी यह क्राइम थ्रिलर फिल्म पुरुष प्रधान मानसिकता के खिलाफ लड़ती है। रानी मुखर्जी ने अपने किरदार में भाव, चाल और फेमिनिस्ट रवैये के साथ पूरी फिल्म का भार अपने कंधों पर उठाया, जबकि विशाल जेठवा ने विलन के रूप में सस्पेंस और डर का असर बढ़ाया।

थप्पड़ - अनुभव सिन्हा की फिल्म थप्पड़ ने घरेलू हिंसा और पारिवारिक दबाव की उन कहानियों को पर्दे पर उतारा, जिनमें अक्सर महिलाएं अपने हक के लिए खड़ी नहीं हो पातीं। 2020 में रिलीज हुई फिल्म में तापसी पन्नू ने अमृता के किरदार में एक सामान्य गृहिणी के रूप में दिखाया कि कैसे एक छोटे से थप्पड़ ने उसकी जिंदगी बदल दी और उसने अपने हक के लिए आवाज उठाई। फिल्म में कई औरतों के जीवन की कहानियों को दिखाया गया, जिसके जरिए समझाया गया कि हर महिला अपने अधिकार के प्रति संवेदनशील होती है।

हिचकी - 2018 में रिलीज हुई फिल्म हिचकी में रानी मुखर्जी ने एक अलग ही भूमिका निभाई। फिल्म में वह टीचर नैना माथुर के किरदार में टॉरेट सिंड्रोम जैसी चुनौती का सामना करती हैं। 18 स्कूलों से रिजेक्ट होने के बावजूद नैना अपने सपनों को पूरा करने और बच्चों को पढ़ाने के अपने जुनून में लगी रहती हैं। सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा के निर्देशन में बनी यह कॉमेडी ड्रामा समाज में उन बीमारियों और मानसिक चुनौतियों के प्रति जागरूकता फैलाती है, जिन्हें अक्सर हल्के में लिया जाता है। रानी का किरदार बताता है कि आत्मविश्वास और धैर्य से हर महिला अपने सपनों को सच कर सकती है।

डियर जिंदगी - 2016 में रिलीज हुई फिल्म में आलिया भट्ट और शाहरुख खान ने ऐसी कहानी प्रस्तुत की, जो मानसिक स्वास्थ्य और खुद को समझने के महत्व पर आधारित है। आलिया का किरदार कायरा अपनी जिंदगी की उलझनों और डर से जूझती है और मनोचिकित्सक शाहरुख खान उसे खुद को समझने और खुश रहने का तरीका सिखाते हैं। गौरी शिंदे के निर्देशन में बनी यह फिल्म महिलाओं के आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता के संदेश को बखूबी पेश करती है।

राजी - फिल्म राजी में आलिया भट्ट ने सहमत का किरदार निभाया, जो 1971 के भारत-पाक युद्ध के समय देश की खातिर पाकिस्तान में जासूस बन जाती है। 2018 में रिलीज हुई फिल्म का निर्देशन मेघना गुलजार ने किया। यह थ्रिलर न केवल देशभक्ति की कहानी बताती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि महिलाएं अपने साहस और बुद्धिमानी से किसी भी मुश्किल परिस्थिति में सफल हो सकती हैं।

द केरल स्टोरी- निर्देशक सुदीप्तो सेन की फिल्म द केरल स्टोरी 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म की कहानी फातिमा उर्फ शालिनी (अदा शर्मा) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी सहेलियों गीतांजलि (सिद्धि इदनानी), निमाह (योगिता बिहानी) और आसिफा (सोनिया बलानी) के साथ नर्सिंग स्कूल में एडमिशन लेती है, लेकिन इस दौरान वे कट्टरपंथी संगठनों के जाल में फंस जाती हैं। अदा शर्मा का किरदार डर, पीड़ा और बेचैनी के बावजूद अपनी पहचान और स्वतंत्रता की लड़ाई को मजबूती से दिखाता है।

संक्षिप्त समाचार

पलवल में बुलडोजर ऐक्शन, 6 कॉलोनियों में अवैध निर्माण ढहाए गए

पलवल, एजेंसी। हरियाणा के पलवल में अवैध निर्माण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई। जिला नगर योजनाकार (डीटीपी) विभाग ने जिले में अवैध कॉलोनियों और निर्माणों के खिलाफ अभियान चलाया है। पिछले तीन दिनों में खजूरका, असावटी और बघौला गांवों में छह अवैध कॉलोनियों तथा राष्ट्रीय राजमार्ग की 30 मीटर चौड़ी हरी पट्टी में बने अवैध निर्माणों पर तोड़फोड़ की कार्रवाई की गई। जिला नगर योजनाकार अधिकारी (डीटीपीओ) अनिल मलिक ने बताया कि उनकी टीम ने खजूरका गांव की राजस्व संपदा में काटी गई दो अवैध कॉलोनियों में तोड़फोड़ की। इसके बाद असावटी और बघौला गांवों में तीन अन्य अवैध कॉलोनियों पर कार्रवाई की गई। अभियान के तहत साढ़े छह एकड़ भूमि पर विकसित की जा रही तीन अवैध कॉलोनियों में 15 डीपीसी, दो रिहायशी मकान और एक प्रॉपर्टी डीलर का कार्यालय ध्वस्त किया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग पर 30 मीटर के दायरे में बने दो ढाबे, एक इंडस्ट्रियल शेड और छह चारदीवारियां भी तोड़ी गई। बघौला गांव में राजस्व संपदा में काटी गई एक और अवैध कॉलोनी में भी तोड़फोड़ की गई। इस कार्रवाई के दौरान तोड़फोड़ की डीटीपीओ अनिल मलिक स्वयं ड्यूटी मजिस्ट्रेट के रूप में मौजूद रहे।

अंडमान और निकोबार द्वीप में लगे भूकंप के झटके, 4.6 की तीव्रता से कांपी धरती

अंडमान, एजेंसी। अंडमान और निकोबार द्वीप पर भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए हैं। आज (सोमवार) सुबह तकरीबन 3 :30 बजे धरती डोलने लगी। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के अनुसार, रिएक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.6 मैग्नीट्यूड आंकी गई है। भूकंप की जानकारी देते हुए कहा कि भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे दर्ज किया गया है। हालांकि, तीव्रता कम होने के कारण कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है। बता दें कि अंडमान और निकोबार द्वीप सिस्मिक जोन 5 के अंतर्गत आता है, जो टेक्टॉनिक प्लेन के बेहद करीब है। इससे पहले 26 दिसंबर 2004 को यहां भूकंप ने भारी तबाही मचाई थी। भूकंप के तेज झटकों के कारण समुद्र में सुनामी आ गई और लहरें पूरे उफान पर थीं। वहीं, भूकंप का केंद्र जितनी ज्यादा नीचे होता है, खतरा उतना ही कम होता है। हालांकि, कम गहराई वाले भूकंप ज्यादा खतरनाक माने जाते हैं, क्योंकि भूकंप की सतही तरंगे जमीन पर भयंकर तबाही मचाती हैं।

भारी बर्फबारी के बीच आईएएफ ने लकवाग्रस्त महिला की बचाई जान

शिमाला, एजेंसी। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से पहाड़ों पर मौसम अचानक बदल गया है। हिमाचल प्रदेश में भी भारी बर्फबारी देखने को मिल रही है। इसी बीच एक बीमार महिला को बचाने के लिए भारतीय वायु सेना ने आपातकालीन अभियान चलाया और उसे हेलीकॉप्टर से चंडीगढ़ लाया गया। ये मामला हिमाचल प्रदेश के गांव ढंडेरवारी का है। 85 वर्षीय लकवाग्रस्त महिला को वायु सेना के चीता हेलीकॉप्टर से एयरलिफ्ट करके चंडीगढ़ के अस्पताल में भर्ती किया गया। ये रेस्क्यू ऑपरेशन समुद्र तल से 9000 फीट की ऊंचाई पर चलाया गया था। इस दौरान भारी बर्फबारी के कारण विजिबिलटी काफी कम थी। आईएएफ ने इस अभियान का वीडियो भी सोशल मीडिया पर जारी किया है। पश्चिमी विक्षोभ के कारण हिमाचल प्रदेश में काफी बर्फ गिर रही है। खासकर शिलारू और कोठी में 5 सेंटीमीटर तक की बर्फबारी दर्ज की गई है। वहीं, भारतीय मौसम विभाग ने राज्य में कई जगहों पर बिजली गिरने, तेज हवाएं चलने और गरज-चमक के साथ बर्फीले तूफान का अलर्ट जारी किया है।

गुरुग्राम में अंबेडकर चौक पर बनेगा 1 किमी लंबा फ्लाईओवर

37 करोड़ की आएगी लागत, डिजाइन तैयार

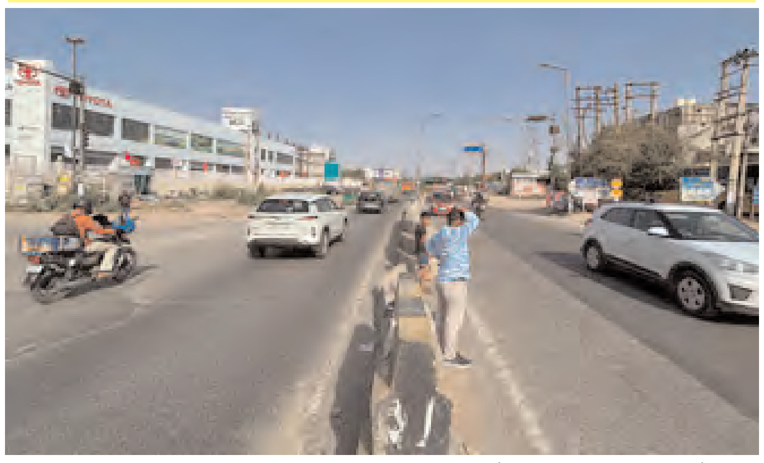

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम में अंबेडकर चौक (सेक्टर-45-46-51-52 चौक) पर फ्लाईओवर निर्माण को लेकर टेंडर आमंत्रित करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) अधिकारी के मुताबिक 15 फरवरी तक टेंडर आवंटित कर दिए जाएंगे। टेंडर आवंटन के डेढ़ साल के अंदर यह फ्लाईओवर बनकर तैयार हो जाएगा।

करीब एक किमी लंबाई के इस फ्लाईओवर के निर्माण में करीब 37 करोड़ रुपये की लागत आएगी। मौजूदा समय में इस चौराहे पर ट्रैफिक जाम लगता है। जीएमडीए ने इस चौराहे पर ट्रैफिक सिग्नल लगाया है, लेकिन यातायात बेहद अधिक होने की वजह से सुबह और शाम के समय इस चौराहे को पार करने में वाहन चालकों को 10 से 15 मिनट तक ट्रैफिक जाम लग जाता है। इस वजह से वाहन चालकों को असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। लोगों की परेशानियों को देखते हुए जीएमडीए ने दो-दो लेन का फ्लाईओवर बनाने की योजना बनाई है। यह फ्लाईओवर गुरुग्राम-सोहना हाईवे की तरफ बनाया जाएगा।

सेक्टर-52 की आरडब्ल्यूए के पूर्व प्रधान प्रदीप बोहरा के मुताबिक इस फ्लाईओवर के बनने के बाद इस चौक पर ट्रैफिक जाम नहीं लगेगा। अभी काफी देर तक ट्रैफिक सिग्नल पर इंतजार करना पड़ता है। जीएमडीए के कार्यकारी अभियंता अमित गोदारा के मुताबिक इस फ्लाईओवर के निर्माण का डिजाइन बनकर तैयार हो चुका है। सलाहकार कंपनी की तरफ से टेंडर दस्तावेज तैयार किए जा रहे हैं।

नोएडा में एलिवेटेड रोड पर कार सवार महिलाओं का पीछा कर किए गंदे इशारे

● आरोपियों की करतूत का वीडियो बनाकर वायरल कर दिया

नोएडा, एजेंसी। नोएडा में एलिवेटेड रोड पर शनिवार देर रात परिवार के साथ कार में जा रहीं महिलाओं का कार सवार दो इंजीनियरों ने पीछा कर अश्लील इशारे किए। पीड़ितों ने आरोपियों की करतूत का वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। इसके बाद पुलिस ने रविवार को दोनों आरोपी युवकों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने बताया कि सेक्टर-18 की ओर से एलिवेटेड रोड पर कार में सवार एक परिवार सेक्टर-61 की ओर जा रहा था। कार में पिछली सीट पर महिलाएं और बच्चे थे। आगे की दोनों सीट पर परिवार के पुरुष थे। सेक्टर-24 थाना क्षेत्र में एलिवेटेड रोड पर कार सवार युवकों ने ओवरटेक करके महिलाओं को अश्लील इशारे करने शुरू कर दिए। परिजनों ने मोबाइल से आरोपियों की करतूत रिकॉर्ड कर ली। आरोपियों के हौसले इतने बुलंद थे कि चलती कार से वीडियो बनते देखने के बाद भी अश्लील इशारे करते रहे। विरोध करने पर अभद्रता करने लगे। पीड़ितों ने इसके वीडियो वायरल कर दिए। हालांकि, 'हिन्दुस्तान' इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता।

पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर कार सवार दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और उनकी कार को

जब्त कर दिया। आरोपियों की पहचान अमित कुमार और अभिषेक के रूप में हुई। आरोपी एक प्राइवेट कंपनी के में बतौर इंजीनियर काम करते हैं। वे जेवीएस सोसाइटी में किराये पर रहते हैं।

चलती कार से आरोपियों की करतूत की वीडियो बनाने वाले पीड़ित पक्ष का दावा है कि आरोपी शराब के नशे में थे। उन्हें यह भी डर नहीं था कि उनके खिलाफ कार्रवाई हो सकती है। आरोपियों की इस हरकत को देखकर पीड़ित परिवार भयभीत है। गनीमत रही कि महिलाओं और बच्चों को लेकर जा रहे युवकों ने कार नहीं रोकी।

एलिवेटेड रोड पर हो सकता था हादसा

वायरल वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि दोनों वाहन तेज गति से एलिवेटेड रोड पर दौड़ रहे हैं। आरोपी युवक बार-बार कार के स्टेयरिंग को छोड़कर हाथ से अश्लील इशारे करता दिखाई दे रहा है। बराबर वाली सीट पर बैठा युवक भी उसे उकसा रहा है। अगर आगे चल रहा कोई वाहन ब्रेक लगा देता तो बड़ा हादसा हो सकता था। 112 नंबर डायल करें। हेल्पलाइन नंबर 1090 भी कॉल कर सकते हैं।

अगर ऐसा होता तो...; शरद पवार गुट के एनसीपी विलय के दावे पर देवेंद्र फडणवीस

● वह मुझसे सारी जानकारी साझा करते थेः देवेंद्र फडणवीस

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के बाद से राज्य की राजनीति में कयासों का दौर जारी है। शरद पवार गुट की तरफ से लगातार कहा जा रहा है कि अजित पवार दोनों पार्टियों का फिर से विलय करना चाहते थे। हालांकि, उनके इस बयान पर न तो सुनेत्रा पवार और न ही एनसीपी के किसी और नेता ने अभी तक को बयान दिया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विलय की चर्चा अंतिम चरण में पहुंच गई होती, तो दिवंगत अजित पवार उन्हें इसके बारे में जानकारी जरूर देते। मीडिया से बात करते हुए महाराष्ट्र सीएम ने कहा कि उपमुख्यमंत्री अजित पवार सभी तरह की जानकारी उनके साथ साझा करते थे। फडणवीस ने हालांकि रविवार को कहा कि उन्हें अजित पवार की चाचा शरद पवार के साथ हुई बातचीत की जानकारी नहीं है और उन्हें 12 फरवरी की तारीख के बारे में भी नहीं पता। मुख्यमंत्री ने कहा, क्या राकांपा के विलय की बातचीत हमारी जानकारी के बिना अंतिम रूप ले सकती है? हमें 12 फरवरी की उस तारीख की

जानकारी नहीं है, जिसे विलय की औपचारिक घोषणा की तारीख बताया जा रहा है। फैसले खुद लेती है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सहयोगी होने के नाते, उससे आगे बढ़ने से पहले भाजपा से परामर्श करने की उम्मीद की जाती है। भाजपा द्वारा राकांपा के दोनों गुटों के विलय का विरोध किए जाने की खबरों के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने कहा कि उनकी पार्टी ने किसी का विरोध नहीं किया है। फडणवीस ने कहा, अगर अजित पवार विलय पर काम कर रहे थे, तो क्या वह भाजपा को विश्वास में लिए बिना ऐसा करते? क्या वह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) छोड़ने की तैयारी कर रहे थे, जहां वह स्थिर थे? वह मुझसे सभी जानकारी साझा करते थे। गौरतलब है कि महाराष्ट्र सीएम का यह बयान ऐसे समय में सामने आया है जब कि एनसीपी शरद गुट के प्रमुख शरद पवार ने शनिवार को कहा कि उनके भतीजे एवं राकांपा नेता अजित पवार ने दोनों गुटों के बीच विलय की घोषणा के लिए 12 फरवरी की तारीख तय कर ली थी, लेकिन अब उनकी (अजित पवार) मौत के कारण विलय की प्रक्रिया में बाधा आ सकती है। इसके बाद अजित पवार और शरद पवार के बीच 17 जनवरी को हुई बैठक का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। शरद गुट की तरफ से जारी बयानबाजी के बीच एनसीपी विधायक दल ने अजित की पत्नी सुनेत्रा को अपना नेता चुन लिया।

दिल्ली पहुंच गए राजग विधायक; जल्द बन सकती है नई सरकार

इम्फाल, एजेंसी। मणिपुर के 20 से अधिक भाजपा विधायक पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के साथ बैठक में शामिल होने के लिए दिल्ली पहुंच गए हैं। इन विधायकों के साथ पार्टी की प्रदेश इकाई की अध्यक्ष भी हैं। बीजेपी की मणिपुर इकाई की अध्यक्ष अधिकारीमयूम शारदा देवी ने इंफाल हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सभी विधायकों को बुलाया गया है। हमें उम्मीद और विश्वास है कि जनता की सरकार बनेगी। पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा, चूंकि राजग सहयोगी दलों के सभी विधायकों को बैठक के लिए आमंत्रित किया जा रहा है, इसलिए मुझे सकारात्मक परिणाम की उम्मीद है। इससे पहले भाजपा के सभी विधायकों की बैठक हुई थी। राष्ट्रपति शासन की अवधि 12 फरवरी को समाप्त होने वाली है। सकारात्मक पहल की उम्मीद है। जब सिंह से पूछा गया कि अगर वह सत्ता में होते तो क्या हालात अलग होते, इस पर उन्होंने कहा, सरकार एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। मैंने मणिपुर में हालात बदलने की पूरी कोशिश की। पहाड़ी और घाटी दोनों इलाकों में काफी बदलाव हुए हैं। लामसांग निर्वाचन क्षेत्र के विधायक एस राजन सिंह ने कहा, सरकार बनने की संभावना है। हालांकि, राज्य की स्थिति का जायजा लेने के बाद केंद्रीय नेतृत्व द्वारा नेता का चयन किया जाएगा। बैठक सोमवार शाम को होने की संभावना है। विधायक एच डिंगो ने बताया कि बैठक सोमवार शाम को है, लेकिन बैठक का एजेंडा अभी घोषित नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, हमें बस इतना बताया गया है कि आज ही दिल्ली पहुंच जाएं।

खुलासा : गाजियाबाद में एक मोबाइल नंबर और फर्जी पतों पर बना दिए 22 पासपोर्ट

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद के मोदीनगर में एक ही मोबाइल नंबर पर 22 पासपोर्ट जारी करने का मामला सामने आया है। सभी पासपोर्ट फर्जी दस्तावेज लगाकर बनवाए गए थे। पुलिस ने 25 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर रविवार को एक महिला समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए लोगों में एक डाकिया भी शामिल है। वहीं अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित की गई हैं।

दिल्ली के रीजनल पासपोर्ट अधिकारियों ने गाजियाबाद के भोजपुर थाने को 22 पासपोर्ट के पतों की जांच कराने के लिए 11 दिसंबर 2025 को पत्र लिखा था। इन सभी पासपोर्ट में भोजपुर और त्योड़ी गांव का पता लिखा है। यह भी बताया गया कि सभी पासपोर्ट में एक ही मोबाइल नंबर दर्ज हैं। जांच में पता चला कि इन पतों पर एक भी पासपोर्ट धारक व्यक्ति नहीं रहता है और सभी पते फर्जी हैं। पुलिस ने इस मामले में दिल्ली निवासी विवेक गांधी, प्रकाश सुब्बा और मेरठ निवासी डाकिया अरुण कुमार को गिरफ्तार किया। फर्जी दस्तावेज लगाकर पासपोर्ट बनवाने अमनदीप सिंह और महिला सावंत कौर की भी गिरफ्तारी हुई। पुलिस को डाकिये अरुण कुमार ने बताया कि पांच माह पहले उसके पास दो युवक आए और उन्होंने अपना नाम विवेक गांधी और प्रकाश सुब्बा बताया। उन्होंने कहा, आपके पास भोजपुर और त्योड़ी के पते पर कुछ पासपोर्ट आएंगे, उनको वहां पर नहीं ले जाना। सभी पासपोर्ट हमें दे देना। प्रत्येक पासपोर्ट के एवज में दो हजार रुपये देने की बात तय हुई। रुपये के लालच में डाकिया ने सभी पासपोर्ट उन्हें दे दिए। ये सभी पासपोर्ट फर्जी दस्तावेजों से बनवाए गए थे। पासपोर्ट बनने से पहले सत्यापन के लिए इसे पुलिस के पास ऑनलाइन भेजा जाता है। स्थानीय पुलिसकर्मी जांच कर इसकी रिपोर्ट टैब के जरिये पासपोर्ट कार्यालय को भेजते हैं। भोजपुर पुलिस ने भी सभी पासपोर्ट की जांच कर भेज दी, जबकि गांव भोजपुर और त्योड़ी में इस नाम का कोई व्यक्ति नहीं है। ऐसे में पुलिसकर्मियों के मिलीभगत की आशंका जताई जा रही। जिनके नाम से पासपोर्ट बने, उनके कनाडा जाने का अंदेशा है। पुलिस उनका पता लगाने में जुटी है। फर्जी दस्तावेज लगाकर पासपोर्ट बनाने के मामले में भोजपुर पुलिस की लापरवाही भी सामने आई है। बीट दरोगा और सिपाही मौके पर जाकर सत्यापन करते तो पासपोर्ट नहीं बनते। एक दरोगा और दो सिपाही भी इस मामले में जांच के दायरे में आ रहे। जानकारों का कहना है कि ऐसा प्रतीत होता है कि दरोगा और कांस्टेबल ने मौके पर जाकर सत्यापन नहीं किया।

तिरुपति घी मिलावट मामले में बड़ा एक्शन, टीटीडी ईओ अनिल सिंघल का तबादला

तिरुपति, एजेंसी। तिरुपति में कथित मिलावटी घी मामले में एसआइटी द्वारा आरोप पत्र दाखिल किए जाने के एक सप्ताह बाद तिरुमला तिरुपति देवस्थानम के कार्यकारी अधिकारी (ईओ) अनिल कुमार सिंघल का तबादला कर दिया गया है।

1993 बैच के आइएएस अधिकारी सिंघल, जिन्होंने मई 2017 से अक्टूबर 2020 के दौरान वाइएसआरसीपी सरकार के कार्यकाल में भी ईओ के रूप में सेवा दी थी को सामान्य प्रशासन विभाग को रिपोर्ट करने के लिए कहा गया है।

रविवार को जारी आदेश के अनुसार, उनकी जगह मुद्दादा रविचंद्र को टीटीडी का नया कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। एसआइटी के आरोप पत्र के अनुसार, अप्रैल 2019 में तत्कालीन ईओ की मंजूरी से टीटीडी अधिकारियों और बाहरी डेरी विशेषज्ञों की एक समिति बनाई गई थी, जिसने घी निविदा की कुछ शर्तों में बदलाव की सिफारिश की। इसके बाद टीटीडी बोर्ड ने 29 फरवरी 2020 को इन सिफारिशों को मंजूरी दी। जांच में यह सामने आया कि शर्तों में ढील के कारण किसी सहकारी डेरी को निविदा नहीं मिली और ठेका केवल निजी डेरी को दिया गया, जिससे लड्डू प्रसाद के लिए खरीदे गए घी की गुणवत्ता प्रभावित हुई।

रोहित शेट्टी के घर फायरिंग मामले में गिरफ्तार आरोपियों को कोर्ट में किया पेश

4 दिनों की मिली रिमांड

मुंबई, एजेंसी। फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के घर के बाहर हुई गोलीबारी मामले में पुलिस ने पांच लोगों को हिरासत में लिया है। मुंबई पुलिस ने इन आरोपियों को क्रिमिनल कोर्ट में पेश किया। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आरोपियों को चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

पुणे पुलिस ने बॉलीवुड डायरेक्टर रोहित शेट्टी के घर पर हुई फायरिंग की घटना के सिलसिले में पांच लोगों- अमन आनंद, आदित्य ज्ञानेश्वर, सिद्धार्थ दीपक, समर्थ और स्वप्निल को हिरासत में लिया है। जिसे देर रात क्रिमिनल कोर्ट में पेश किया गया।

बिश्नोई गैंग से कोई लेना-देना नहीं है

आरोपी के वकील अजय दुबे ने कहा, पुलिस ने कोर्ट से कस्टडी मांगी और कहा कि फायरिंग की घटना में उनका हाथ था। आरोपियों को नहीं पता कि क्या हुआ है। वांटेड आरोपी लोंकर मास्टरमाइंड के संपर्क में था। गोली किसी और ने चलाई थी।

गिरफ्तार आरोपी एक-दूसरे से जुड़े नहीं हैं, उन्हें ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज देखकर गिरफ्तार किया गया है। हम सहयोग करने के लिए तैयार हैं। सभी दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने चार दिन की पुलिस कस्टडी दी है। आरोपियों का लॉरेंस बिश्नोई गैंग से कोई लेना-देना नहीं है।

पांच राउंड हुई फायरिंग: पुलिस के मुताबिक, हमलावरों ने मुंबई के जुहू इलाके में नौ मंजिला इमारत की पहली मंजिल पर शनिवार की रात करीब 12.45 बजे गोलीबारी की। कम से कम पांच राउंड गोलियां चलाई गईं, जिसमें से एक गोली इमारत के अंदर मौजूद एक जिम के शीशे के सामने वाले हिस्से पर लगी। घटना के बाद रोहित शेट्टी के घर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली जिम्मेदारी: गैंग ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए हमले की जिम्मेदारी ली। इसके बाद, आरजू बिश्नोई नाम के एक कथित गैंगस्टर ने एक ऑडियो मैसेज जारी किया, जिसमें उसने कथित तौर पर हमले की जिम्मेदारी ली। ऑडियो क्लिप में, बोलने वाले ने खुद को अर्जू बिश्नोई बताते हुए और अपने साथियों शुभम लोंकर और हरि बॉक्सर का जिक्र करते हुए कहा कि शेट्टी के घर पर हुई फायरिंग के पीछे वे ही थे।

स्किल डेवलपमेंट घोटाले में चंद्रबाबू नायडू की कोई भूमिका नहीं

विशाखापट्टणम, एजेंसी। ईडी ने आंध्र प्रदेश राज्य कौशल विकास निगम (एपीएसएसडीसी) के सिमेन्स प्रोजेक्ट मामले में एक नई चार्जशीट दाखिल की है। इसमें कहा गया है कि कुछ आरोपितों ने सरकारी धन की हेराफेरी की, लेकिन, घोटाले की रकम की मनी लांड्रिंग करने में मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की कोई भूमिका नहीं पाई गई।

चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी केंद्र में मोदी सरकार-नेतृत्व वाली राजग की एक सहयोगी पार्टी है। वाइएसआरसीपी के नेतृत्व वाली पिछली आंध्र प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने सितंबर, 2023 में इस मामले में चंद्रबाबू नायडू को गिरफ्तार किया था। उन पर आरोप लगाया गया था कि योजना में अनियमितताओं के कारण राज्य के खजाने को 300 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। नायडू ने राजमहेंद्रवरम केंद्रीय जेल में 50 से अधिक दिन बिताए, इसके बाद आंध्र हाई कोर्ट ने 31 अक्टूबर, 2023 को उन्हें जमानत दी। विजयवाड़ा की एक स्थानीय अदालत ने हाल ही में इस मामले में राज्य सीआइडी द्वारा दाखिल की गई बंद रिपोर्ट को स्वीकार किया और नायडू के खिलाफ जांच को बंद कर दिया।प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक बयान में कहा कि ईडी का मामला सीआइडी एफआइआर पर आधारित है।

टी-20 वर्ल्ड कप के वॉर्मअप मैचों का शेड्यूल जारी

भारतीय टीम साउथ अफ्रीका से खेलेगी, बीसीसीआई ने इंडिया ए की टीम भी जारी की

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप के वॉर्मअप मैचों का शेड्यूल जारी हो गया है। ये मुकाबले 2 से 6 फरवरी के बीच खेले जाएंगे। वॉर्मअप मैच 7 अलग-अलग मैदानों पर खेले जाएंगे।

इंग्लैंड की टीम वॉर्मअप मैचों में हिस्सा नहीं लेगी। जबकि, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज जैसी बड़ी टीमें एक-एक मैच ही खेलेंगी।

भारतीय टीम भी एक वॉर्मअप मैच खेलेगी। जोकि साउथ अफ्रीका के खिलाफ 4 फरवरी को मुंबई के ङ्ख्व पाटील स्टेडियम में खेला जाएगा। शेष 2 वॉर्मअप मैच में इंडिया ए की टीम उतरेगी।

कैसे देख सकते है वॉर्मअप

सभी मुकाबलों के वीडियो हाइलाइट्स आईसीसी के डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध होंगे। भारत और साउथ अफ्रीका मैच की लाइव स्ट्रीमिंग स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉटस्टार पर होगी

तिलक वर्मा को खेलना होगा एक वॉर्मअप मैच

बीसीसीआई ने वॉर्मअप मैच के लिए इंडिया ए टीम का ऐलान भी कर दिया है। इसकी कप्तानी आयुष बडोनी करेंगे। तिलक वर्मा भी इस टीम का हिस्सा हैं। वे कम से कम एक मैच खेलकर अपनी फिटनेस साबित करेंगे। तिलक वर्मा विजय हजारे ट्रॉफी के दौरान इंजर्ड हो गए थे।

इंडिया ए टीम- आयुष बडोनी (कप्तान), नमन धीर, आशुतोष शर्मा, प्रियांश आर्य, एन. जगदीशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, रियान पराग, मानव सुथार, अशोक शर्मा, उर्विल पटेल (विकेटकीपर), गुरजपनीत सिंह, विपराज निगम, रवि बिश्नोई, खलील अहमद और मयंक यादव।

अफगानिस्तान और स्कॉटलैंड में पहला मैच

वॉर्मअप मैचों की शुरुआत अफगानिस्तान और स्कॉटलैंड के मैच के साथ होगी। यह मुकाबला बेंगलुरु स्थिति बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के मैदान-1 में खेला जाएगा। दूसरी ओर मुंबई के डीबाय पाटील स्टेडियम में इंडिया ए की टीम यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका (यूएसए) के साथ खेलेगी। पहले दिन कनाडा और इटली का मैच चेन्नई में खेला जाएगा।

7 फरवरी से होगी वर्ल्ड कप की शुरुआत

टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 7 फरवरी को कोलंबो में नीदरलैंड और पाकिस्तान के मैच से होगी। जबकि भारत का पहला मैच अमेरिका के साथ मुंबई में खेला जाएगा। फाइनल मैच 8 मार्च को खेला जाएगा। इस मैच का वेन्यू पाकिस्तान के फाइनल पहुंचने या न पहुंचने पर तय होगा।

सिर्फ 2 अंक नहीं, करोड़ों का नुकसान

बहिष्कार करने पर पाकिस्तान को होगा आर्थिक नुकसान

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 को लेकर पाकिस्तान सरकार ने बड़ा और अभूतपूर्व फैसला लिया है। सरकार ने पुष्टि की है कि पाकिस्तान की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी, लेकिन ग्रुप ए में 15 फरवरी को भारत के खिलाफ होने वाले मुकाबले का बहिष्कार करेगी।यह फैसला सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं माना जा रहा, बल्कि इसके चलते पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को भारी आर्थिक नुकसान और कड़े प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है।

भारत के खिलाफ मैच नहीं, बाकी मुकाबले खेलेगा पाकिस्तान - पाकिस्तान टीम श्रीलंका में होने वाले अपने अन्य ग्रुप मुकाबलों- नीदरलैंड्स, अमेरिका, नामीबिया के खिलाफ खेलने को तैयार है, लेकिन भारत-पाकिस्तान मैच के बहिष्कार ने आईसीसी के भीतर गंभीर चिंता पैदा कर दी है।

आईसीसी की चेतावनी- कड़े प्रतिबंध लग सकते हैं - आईसीसी ने पीसीबी को साफ संकेत दिए हैं कि भारत के खिलाफ मैच से हटना आईसीसी की सहभागिता संधियों का उल्लंघन माना जाएगा। संभावित प्रतिबंधों में शामिल हो सकते हैं- द्विपक्षीय सीरीज पर रोक, एशिया कप से बाहर किया जाना, पीएसएल के लिए विदेशी खिलाड़ियों को एनओसी देने से इनकार।

- **आईसीसी और एसीसी टूर्नामेंट्स से अस्थायी निलंबन** - सूत्रों के मुताबिक, इससे पाकिस्तान की भविष्य की टी20 वर्ल्ड कप और एशिया कप भागीदारी भी खतरे में पड़ सकती है।
- **आर्थिक झटका- 38 मिलियन से ज्यादा का नुकसान** - पाकिस्तान का यह बहिष्कार सिर्फ दो अंकों की हार नहीं होगा। विशेषज्ञों का अनुमान है कि पीसीबी को 38 मिलियन (करीब 315 करोड़ रुपये) से ज्यादा का नुकसान हो सकता है। इसमें शामिल हैं— ब्रॉडकास्टर्स से मिलने वाला राजस्व, स्पॉन्सरशिप डील्स
- **आईसीसी की भागीदारी फीस और घरेलू क्रिकेट पर असर** - भारत-पाकिस्तान मैच टूर्नामेंट का सबसे महंगा और ज्यादा कमाई कराने वाला मुकाबला होता है। इसके बहिष्कार से ब्रॉडकास्टर्स कानूनी दावे भी ठोक सकते हैं, क्योंकि विज्ञापन स्लॉट पहले ही बेचे जा चुके हैं। मैच बहिष्कार का सीधा असर पीसीबी की आय पर पड़ेगा। परफॉर्मेंस आधारित इंसेंटिव 5 लाख से .10 लाख तक की भागीदारी फीस भी हाथ से निकल सकती है। आईसीसी से कम फंड मिलने का असर घरेलू क्रिकेट और ग्रासरूट प्रोग्राम्स पर पड़ेगा, जिससे भविष्य के खिलाड़ियों के विकास पर ब्रेक लग सकता है।

पाकिस्तान कप्तान सलमान अली आगा बोले यह हमारा फैसला नहीं है..

आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के खिलाफ मुकाबले के बहिष्कार को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान सलमान अली आगा ने पहली बार खुलकर प्रतिक्रिया दी है। आगा ने साफ कहा कि यह फैसला टीम का नहीं, बल्कि पाकिस्तान सरकार और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) का है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के बाद मीडिया से बातचीत में सलमान अली आगा ने कहा कि खिलाड़ियों के पास इस फैसले को लेकर कोई विकल्प नहीं है। हम वर्ल्ड कप खेलने जा रहे हैं। यह हमारा फैसला नहीं है, हम कुछ नहीं कर सकते।

अंतरराष्ट्रीय अलगाव का खतरा

आर्थिक नुकसान के अलावा पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय अलगाव का भी सामना करना पड़ सकता है। अन्य फुल मेंबर देशों के साथ सीरीज रुक सकती हैं, पीएसएल की ग्लोबल वैल्यू घट सकती है,विदेशी खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी से लीग की प्रतिस्पर्धा कमजोर होगी, इसके साथ ही आईसीसी कमेटियों में पीसीबी की साख और प्रभाव भी घट सकता है।

खिलाड़ियों के करियर पर भी असर

संभावित प्रतिबंधों का सबसे बड़ा नुकसान खिलाड़ियों को होगा। प्राइज मनी से वंचित होना, इंटरनेशनल एक्सपोजर कम होना, विदेशी लीग कॉन्ट्रैक्ट्स पर असर, खासतौर पर युवा खिलाड़ियों के लिए यह करियर को पीछे धकेलने वाला साबित हो सकता है।

सुनील गावस्कर की पाकिस्तान क्रिकेट को चेतावनी, भारत के खिलाफ मैच छोड़ना पड़ेगा भारी

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के उस फैसले पर जमकर निशाना साधा है, जिसमें उसने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के खिलाफ होने वाले मुकाबले का बहिष्कार करने का ऐलान किया है। यह मैच 15 फरवरी को खेला जाना था। पाकिस्तान सरकार के आधिकारिक एक्स अकाउंट के जरिए इस फैसले की पुष्टि की गई, जिसके बाद से यह मामला लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। हालांकि पाकिस्तान को टूर्नामेंट में खेलने की अनुमति मिल चुकी है, लेकिन उसने खास तौर पर भारत के खिलाफ मैदान पर न उतरने का फैसला लिया है।

'यू-टर्न लेना पाकिस्तान के लिए नया नहीं'

एक्सक्लूसिव बातचीत में सुनील गावस्कर ने कहा कि अगर पाकिस्तान अपने फैसले से पलट जाता है तो इसमें कोई हैरानी नहीं होनी चाहिए। मुझे लगता है कि अगले चार-पांच दिनों में जब दुनियाभर से और उनके पूर्व खिलाड़ियों की प्रतिक्रियाएं आएंगी, तो पाकिस्तान अपने रुख में बदलाव कर सकता है।उन्होंने आगे तंज कसते हुए कहा, इसमें नया क्या है? हम सभी जानते हैं कि पाकिस्तान के खिलाड़ी संन्यास लेते हैं और फिर कुछ ही दिनों में वापस आ जाते हैं, यह कहते हुए कि फैंस ने कहा है खेलने के लिए। यू-टर्न लेना उनके लिए आम बात है। 15 फरवरी से पहले भी ऐसा हो सकता है।

पाकिस्तान के मैच बहिष्कार पर बीसीसीआई सख्त, राजीव शुक्ला ने आईसीसी का किया समर्थन

पाकिस्तान द्वारा टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के खिलाफ ग्रुप मैच के बहिष्कार के फैसले पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के रुख का समर्थन किया है। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने साफ कहा कि बोर्ड खेल भावना से जुड़े इस मुद्दे पर आईसीसी के विचारों से पूरी तरह सहमत है और आगे कोई भी टिप्पणी आईसीसी से चर्चा के बाद ही की जाएगी। बीसीसीआई उपाध्यक्ष और कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने कहा, आईसीसी ने इस मामले पर बड़ा बयान दिया है और खेल भावना की बात की है। हम आईसीसी के रुख से पूरी तरह सहमत हैं। आईसीसी से बातचीत किए बिना बीसीसीआई इस पर कोई अलग टिप्पणी नहीं करेगा।राजीव शुक्ला का यह बयान पाकिस्तान के उस फैसले के बाद आया, जिसमें उसने 15 फरवरी को भारत के खिलाफ होने वाले ग्रुप मैच में मैदान पर न उतरने का ऐलान किया।

हिम्मत है तो फैसले पर डटे रहो- हरभजन सिंह का पाकिस्तान क्रिकेट को खुला चैलेंज

भारत के पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने के पाकिस्तान के फैसले पर तीखा हमला बोला है। हरभजन ने इस कदम को 'बनावटी ड्रामा' करार देते हुए कहा कि यह फैसला जनता को गुमराह करने और बेवजह विवाद खड़ा करने की कोशिश है। हरभजन सिंह ने अपने यूट्यूब चैनल पर पाकिस्तान के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि इसका कोई ठोस फायदा नहीं है। इससे आपको क्या हासिल होगा? ये सिर्फ अहंकार दिखाने का तरीका है। अगर सच में इतना दम है तो अपने फैसले पर अडिग रहो, देखते हैं कितनी हिम्मत है। ये पूरा ड्रामा लोगों को गुमराह करने के लिए रचा गया है।हरभजन ने यह भी कहा कि पाकिस्तान यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि वह किसी और देश के समर्थन में खड़ा है, लेकिन अपने देश के क्रिकेट फैंस की भावनाओं को पूरी तरह नज़रअंदाज़ कर रहा है, जो भारत-पाक मैच देखना चाहते हैं।

- **जब जंग के बाद भी एशिया कप खेला, तब देशभक्ति कहां थी** - हरभजन ने पाकिस्तान की नीति पर सवाल उठाते हुए पुराने उदाहरण भी गिनाए। मैच न्यूट्रल वेन्यू पर होना था, फिर भी आप पीछे हट गए। जब हाल ही में युद्ध जैसी स्थिति थी, तब आपने एशिया कप खेला। ट्रॉफी को लेकर ड्रामा हुआ, लेकिन मैच इसलिए खेले गए क्योंकि आप उस रेवेन्यू को छोड़ना नहीं चाहते थे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर पाकिस्तान इतना ही देशभक्त है, तो उस वक्त ये भावनाएं कहां थीं।

करनाल के नायब सूबेदार ने रोइंग चैंपियनशिप में जीता गोल्ड

7 मिनट 12 सेकेंड में क्लियर की रोइंग रेस, 18 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया

करनाल (एजेंसी)। इंडियन आर्मी में नायब सूबेदार और पेरिस ओलिंपिक में डेब्यू करने वाले कैमला गांव के बलराज पंवार ने एक बार फिर प्रदेश का नाम नेशनल लेवल पर रोशन किया है। बलराज ने सीनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता। इस चैंपियनशिप में बलराज ने 7 मिनट 12 सेकेंड में 2000 मीटर की रेस क्लियर की। बलराज ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी इस उपलब्धि की जानकारी सांझा की। बीती 27 जनवरी से 1 फरवरी तक पुणे में सीनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप हुई। इस चैंपियनशिप में बलराज ने भी अपना दमखम दिखाया और गोल्ड मेडल पर कब्जा किया। गोल्ड मेडलिस्ट बलराज पंवार ने मीडिया से बातचीत में बताया कि पुणे में आयोजित रोइंग चैंपियनशिप में 18 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। जिसमें मेरी टाइमिंग 7 मिनट 12 सेकेंड की रही है।

आर्मी की तरफ से लिया भाग- उसने आर्मी सर्विसेज की तरफ से हिस्सा लिया था। दूसरे स्थान पर इंडियन आर्मी ही रही और तीसरे स्थान पर हरियाणा रहा और चौथे पर झारखंड रहा था। बलराज ने बताया कि रोइंग में हवा और पानी की धार भी जीत और हार को प्रभावित करती है। जिसके कारण समय ज्यादा लग जाता है।

● पाकिस्तान को 58 रन से हराया, वेदांत की फिफ्टी, आयुष म्हात्रे और खिलन पटेल को 3-3 विकेट

भारत अंडर-19 वर्ल्डकप के सेमीफाइनल में पहुंचा

बुलवायो (एजेंसी)। भारत ने अंडर-19 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। टीम ने पाकिस्तान को 58 रन से हरा दिया। जिम्बाब्वे के बुलवायो में खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 252 रन का स्कोर खड़ा किया। वेदांत त्रिवेदी ने 68 रन की पारी खेली। पाकिस्तान को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए 253 रन का लक्ष्य 33.3 ओवर में हासिल करना था। टीम 46.2 ओवर में 194 रन ही बना सकी।

भारत का मुकाबला अफगानिस्तान से- अंडर-19 वर्ल्ड कप के दूसरे सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला अफगानिस्तान से होगा। मैच 4 फरवरी को दोपहर 1 बजे से हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेला जाएगा। वहीं पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड आमने-सामने होंगे। मैच 3 फरवरी को दोपहर 1 बजे से बुलवायो में खेला जाएगा।

वेदांत ने फिफ्टी लगाई- वेदांत त्रिवेदी ने 68 रन बनाकर टीम को 200 के करीब पहुंचाया। वैभव सूर्यवंशी 22 गेंद पर 30 रन ही बना सके। कप्तान आयुष म्हात्रे खाता भी नहीं खोल पाए। आखिर में कनिष्क चौहान और खिलन पटेल ने फिफ्टी पार्टनरशिप कर स्कोर 250 के पार पहुंचा दिया।

प्लेयर ऑफ द मैच कनिष्क चौहान बने

भारत की जीत के हीरो कनिष्क चौहान रहे। ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। कनिष्क ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 29 गेंदों में 35 रन की तेज पारी खेली। इसके बाद बॉलिंग करते हुए उन्होंने 10 ओवर में एक मेडेन फेंकते हुए 30 रन दिए। कनिष्क ने विकेटकीपर हमजा जुहूर को 42 रन पर आउट किया।

हरियाणा का कनिष्क पाक के खिलाफ मैन ऑफ द मैच

मां बोलीं- कहा था धुम्मे ठावेगा; आईपीएल भी खेलेंगे

हरियाणा में झज्जर के रहने वाले कनिष्क चौहान ने अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ हुए मैच में मैन ऑफ द मैच का खिताब जीता। रविवार रात को कनिष्क के कुलाना गांव में आतिशबाजी की गई।जिम्बाब्वे में चल रहे वर्ल्ड कप मैच में रविवार को कनिष्क ने पाकिस्तान के खिलाफ 29 गेंदों पर 35 रन बनाए और एक विकेट भी लिया। बेटे को मैन ऑफ द मैच का खिताब मिलने के बाद मां ने कहा कि हमें तो पहले ही पता था कि वो धुम्मा ठावेगा (कुछ खास करके दिखाएगा)।9 फरवरी को कुलाना गांव में कनिष्क का स्वागत समारोह रखा गया है। इसी दिन रात को परिवार की तरफ से जागरण भी कराया जाएगा।कनिष्क चौहान ऑलराउंडर हैं। इस बार वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम में खेलेंगे। कनिष्क को आरसीबी ने 30 लाख रुपए के बेस प्राइस में टीम में शामिल किया है।

- **मां बोलीं- बेटे की उपलब्धि पर गर्व-** कनिष्क की मां सरिता चौहान ने कहा कि बेटे की इस उपलब्धि पर उन्हें बेहद गर्व महसूस हो रहा है। पाकिस्तान के खिलाफ कनिष्क चौहान ने दूसरी बार सही मौके पर बेहतरीन प्रदर्शन किया और मैन ऑफ द मैच का खिताब जीता। रात में बेटे से बात करने के बाद ही उन्हें नींद आई। बेटे ने जीत और खिताब मिलने की खुशी परिवार के साथ शेयर की।
- **पाकिस्तान के खिलाफ दूसरी बार मैन ऑफ द मैच-** कनिष्क चौहान ने लगातार दूसरी बार पाकिस्तान के खिलाफ हुए मैच में बेहतरीन प्रदर्शन किया।

कार्लोस अल्काराज ने रचा इतिहास

नोवाक जोकोविच को हराकर जीता ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब

मेलबर्न (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। वर्ल्ड नंबर 1 कार्लोस अल्काराज ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने अपना पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। 22 वर्षीय स्पेनिश खिलाड़ी ने फाइनल में अपने प्रतिद्वंद्वी और सर्बियाई दिग्गज नोवाक जोकोविच को हराकर यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की और अपना सातवां बड़ा खिताब जीता।

वर्ल्ड नंबर 1 ने 10 बार के ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन जोकोविच को एक रोमांचक चार-सेट के फाइनल (2-6 6-2 6-3 7-5) में हराकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया। अल्काराज ने फाइनल तीन घंटे और दो मिनट में जीता। मीडिया के अनुसार अल्काराज ओपन एरा में करियर ग्रैंड स्लैम हासिल करने वाले छठे खिलाड़ी भी बन गए हैं। गौरतलब है कि यह अल्काराज का ऑस्ट्रेलियन ओपन में डेब्यू के बाद पहला मेलबर्न फाइनल भी था।

मीडिया के अनुसार 21वीं सदी में केवल चार खिलाड़ियों ने करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया है। जोकोविच ने 2016 में ऐसा किया था, उसके बाद राफेल नडाल (2010) और रोजर फेडरर (2009) का नंबर आता है। इसके साथ ही 22 वर्षीय अल्काराज ने दिग्गजों के बीच अपनी जगह पक्की कर ली है। पुरुषों में ओपन एरा में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज (22 साल और 272 दिन) रॉड लेवर (24 साल और 32 दिन), राफेल नडाल (24 साल और 102 दिन), रोजर फेडरर (27 साल और 303 दिन), नोवाक जोकोविच (29 साल और 15 दिन) और आंद्रे अगासी (29 साल और 68 दिन) हैं। लेवर ने 1962 में एक शौकिया खिलाड़ी के तौर पर और 1969 में ओपन एरा में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया। वर्ल्ड नंबर 1 ओपन एरा में सात बड़े सिंगल्स टाइटल जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी भी हैं, जो ब्योर्न बोर्ग से आगे हैं, जिन्होंने 1979 में रोलैंड गैरोस में सातवां बड़ा टाइटल जीता था। 2022 में अल्काराज ने स ओपन में अपना पहला बड़ा टाइटल जीता और इस जीत के साथ वह पीआईएफ एटीपी रैंकिंग (1973 से) में सबसे कम उम्र के नंबर 1 खिलाड़ी बन गए।

न्यूज बाइट्स

खेल संघ ने अपने सेवानिवृत साथी का किया गर्मजोश अभिनंदन

गोड्डा (नि. सं.)। खेल संघ से जुड़े पदाधिकारियों ने रविवार शाम अपने सरकारी सेवानिवृत साथी अखिल कुमार झा का गर्मजोश अभिनंदन करते हुए जीवन के दूसरी पाली की शुभकामनाएं दी। स्थानीय इंडोर स्टेडियम में आयोजित अभिनंदन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि अनुमंडल पदाधिकारी गोड्डा बैद्यनाथ उरांव, अति विशिष्ट अतिथि डॉ० प्राण महतो, विशिष्ट अतिथि के तौर पर लोक मंच सचिव सर्वजीत झा "अंतेवासी", हॉकी गोड्डा के अध्यक्ष मनोज कुमार पप्पु, विभिन्न खेल संघ सचिव सुरजीत झा, जिला टेनिस बॉल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष अमित राय, झारखंड राज्य दिव्यांग क्रिकेट संघ के महासचिव मनीष कुमार सिंह, भारतीय संगीत संघ के सचिव अमरेंद्र सिंह बिट्टू, कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष संजीव कुमार झा, संयुक्त सचिव सुभाष चंद्र दास, शक्ति कुमार एवं प्रियव्रत परमेश, शारीरिक शिक्षक अजय राय, पहलवान राहुल कुमार एवं रौशन कुमार साह, कवि शैलेंद्र प्रसाद के अलावा श्री झा के परिजनों में पुत्री शिल्पा मिश्रा, दामाद पर्न मिश्रा, पुत्र चेतन वत्स, नतिनी रूह रानी सहित स्वजन फूल झा, स्नेहमयी शांडिल्य, साकेत नंदन, नुपुर झा आदि उपस्थित थे। श्री झा का अभिनंदन क्रमशः पारंपरिक संताली नृत्य, फूल की मोटी माला, पाग एवं अंग वस्त्र से किए जाने के पश्चात मनीष सिंह व पुत्र चेतन के गाए गाने के अलावा पी एंड डी डांस एकेडमी द्वारा प्रस्तुत नृत्य तथा केक कटिंग से किया गया।

मछिया सिमरडा पंचायत में विधिक सेवा आपके द्वार कार्यक्रम आयोजित

गोड्डा (नि. सं.)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव दीपक कुमार के निर्देश के आलोक में सदर प्रखंड के मछिया सिमरडा पंचायत में विधिक सेवा आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान डालसा के अधिकार मित्र इंतेखाब आलम ने ग्रामीणों को कानूनी व सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। डालसा टीम ने गंदी बस्ती या सड़क पर रहने वाले बच्चों को नशे की लत छुड़ाने को लेकर झारखंड विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रोजेक्ट वात्सल्य पर प्रकाश डाला। नशीले पदार्थ के सेवन से कैसे बच्चे पतन की ओर जाते हैं। नशा कैसे बच्चे के विकास में बाधा बनती हैं, यह नशीले पदार्थ कैसे परिवार के सुख एवं शांति को नष्ट कर देते हैं, आदि विषयों पर विस्तृत प्रकाश डाला। प्रोजेक्ट वात्सल्य के मुख्य उद्देश्य सड़क पर रहने वाले बच्चों की मैपिंग, प्रायोजन, फोस्टर योजनाओं के साथ जुड़ाव, रीनपास में इलाज एवं काउंसिलिंग, ऐसे बच्चों का सरकारी विद्यालयों में दाखिला (सरकारी आवासीय विद्यालय में) व्यक्तिगत बाल देखभाल, योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराने, ऐसे बच्चे का पुनर्वास पूरा होने तक उचित निगरानी करना शामिल है। इसके अलावा विधिक सहायता, बाल श्रम, बाल विवाह, बाल अधिकार आदि पर भी प्रकाश डाला गया। वहीं, सिविल कोर्ट परिसर में चल रहे मध्यस्थता शिविर के बारे में महिलाओं को जानकारी दी गई। दौरान दर्जनों महिलाएं ग्रामीण आदि मौजूद थे।

भवन प्रमंडल एवं भवन निर्माण निगम द्वारा संचालित योजनाओं की हुई समीक्षा

निज संवाददाता | गोड्डा

समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त अंजली यादव की अध्यक्षता में जिला में भवन प्रमंडल एवं भवन निर्माण निगम द्वारा संचालित सभी निर्माणाधीन एवं प्रस्तावित योजनाओं की समीक्षा बैठक आहूत की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त के द्वारा जिले में चल रहे विभिन्न सरकारी भवनों, कार्यालय भवनों, आवासीय भवनों एवं अन्य आधारभूत संरचना से संबंधित योजनाओं की अद्यतन प्रगति की विस्तारपूर्वक जानकारी ली गई।

उन्होंने कार्यों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए। बैठक के दौरान उपायुक्त के द्वारा अपर समाहर्ता गोड्डा, प्रेमलता मुर्मू को आईटीआई पथरगामा हेतु जमीन चिन्हित करने, धुमकुड़िया भवन निर्माण बोआरीजोर, स्पोर्ट स्पोर्ट्स कंपलेक्स गोड्डा, कला केंद्र गोड्डा में जमीन उपलब्ध कराने हेतु संबंधित संबंधित अंचलाधिकारी से समन्वय स्थापित करते हुए कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में निर्देश दिए गए कि जिन योजनाओं में भूमि, तकनीकी स्वीकृति, निविदा या अन्य प्रशासनिक कारणों से विलंब हो रहा है, उन सभी बाधाओं को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र दूर किया जाए।

उपायुक्त ने समन्वय बनाकर कार्य करने पर बल देते हुए कहा कि सभी विभाग आपसी सहयोग से योजनाओं को धरातल पर उतारें, ताकि आमजनों को समय पर उसका लाभ मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि सरकारी भवनों का निर्माण केवल संरचना तक सीमित न होकर, उनकी उपयोगिता, सुरक्षा एवं दीर्घकालिक स्थायित्व को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। कार्यों के पूर्ण होने के पश्चात हैंडओवर की प्रक्रिया भी ससमय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में भवन प्रमंडल, भवन निर्माण निगम के पदाधिकारीगण एवं संबंधित अभियंता उपस्थित थे।

अनारक्षित सीट बनी रणभूमि: नगर परिषद चुनाव में पांच प्रत्याशियों ने भरा नामांकन

निज संवाददाता | दुमका

झारखंड में नगर निकाय चुनाव के बिगुल बजते ही दुमका नगर परिषद की राजनीति गरमा गई है। 29 जनवरी से शुरू हुई नामांकन प्रक्रिया के बीच सोमवार को भारी गहमागहमी देखने को मिली। शुभ मुहूर्त का इंतजार कर रहे प्रत्याशियों ने बड़ी संख्या में समाहरणालय पहुंचकर अपना पर्चा दाखिल किया। अब तक अध्यक्ष पद के लिए कुल 18 संभावित उम्मीदवारों ने नाजीर रसीद कटवाई है, जिनमें से पांच ने सोमवार को विधिवत नामांकन किया। नामांकन करने वालों में प्रमुख चेहरों के शामिल होने से मुकाबला बेहद दिलचस्प हो गया है। निवर्तमान अध्यक्ष श्वेता झा के पति अजय कुमार झा उर्फ मिक्की झा ने अपनी दावेदारी पेश की है। वहीं, दो बार उपाध्यक्ष रह चुके अनुभवी नेता विनोद कुमार लाल भी मैदान में उतर चुके हैं। चुनावी मैदान में पहली बार उतरे सुमित कुमार पटवारी, सतीश कुमार और अंकित कुमार ने भी नामांकन कर बदलाव का बिगुल फूँक दिया है।

समाहरणालय परिसर में चुनावी रंगत साफ दिखी। जहां कुछ प्रत्याशियों ने समर्थकों के हुजूम, गाजे-बाजे और नारों के साथ शक्ति प्रदर्शन करते हुए नामांकन किया, वहीं कुछ उम्मीदवार सादगी के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचे। नामांकन के बाद प्रत्याशियों ने अपनी प्राथमिकताएं गिनाईं। पुराने चेहरे जहां विकास कार्यों को जारी रखने की बात कह रहे हैं, वहीं नए प्रत्याशी नए विजन और बदलाव के नाम पर वोट मांग रहे हैं। इस बार दुमका नगर परिषद अध्यक्ष का पद अनारक्षित होने की वजह से चुनावी समीकरण पूरी तरह बदल गए हैं। पिछला चुनाव महिलाओं के लिए आरक्षित था, लेकिन इस बार सामान्य श्रेणी होने के कारण दावेदारों की कतार लंबी हो गई है। जानकारों का मानना है कि अनारक्षित सीट होने के कारण ही प्रत्याशियों की संख्या में भारी उछाल आया है, जिससे मुकाबला त्रिकोणीय या चतुष्कोणीय होने की संभावना है।

झामुमो स्थापना दिवस पर मेहरमा से सैकड़ों कार्यकर्ता दुमका रवाना

निज संवाददाता | मेहरमा(गोड्डा)

प्रखंड क्षेत्र से सोमवार की प्रातः झारखंड मुक्ति मोर्चा के सैकड़ों कार्यकर्ता प्रखंड अध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह के नेतृत्व में झारखंड मुक्ति मोर्चा के 47वें स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह में शामिल होने के लिए दुमका रवाना हुए।

वहीं कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। सभी कार्यकर्ता पार्टी का झंडा तथा पारंपरिक रिति-रिवाज में गाजे-बाजे के साथ दुमका प्रस्थान किए। इस अवसर पर प्रखंड अध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह ने कहा कि राज्य के गठन के पीछे पार्टी के संस्थापक व आंदोलनकारियों का बड़ा योगदान रहा है। स्थापना दिवस समारोह के माध्यम से पार्टी कार्यकर्ता राज्य के संघर्ष और बलिदान की परंपरा को याद करेंगे। उन्होंने कहा कि दुमका में आयोजित होने वाला समारोह ऐतिहासिक होगा, जिसमें संथाल परगना से लाखों कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। इससे पार्टी को नई ऊर्जा मिलेगी और संगठन को और मजबूती मिलेगी। रवानगी के दौरान झामुमो जिला कोषाध्यक्ष महेन्द्र उरांव, प्रखंड सचिव ताला टूडू, वरिष्ठ झामुमो नेता गुलजारी लाल नंदा समेत झामुमो के कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दुमका में झारखंडी अस्मिता का विराट प्रदर्शन

झामुमो ने 47वां स्थापना दिवस पूरे शौर्य और संकल्प के साथ मनाया

निज संवाददाता | दुमका

झारखंड मुक्ति मोर्चा ने सोमवार, 2 फरवरी को दुमका में अपना 47वां स्थापना दिवस पूरे जोश, परंपरा और शक्ति प्रदर्शन के साथ मनाया। इस ऐतिहासिक अवसर पर हजारों की संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक एसपी कॉलेज मैदान में एकत्रित हुए। पारंपरिक वेशभूषा, तीर-धनुष, मांदर और नगाड़ों की गूंज के बीच यहां से एक भव्य जुलूस निकाला गया, जो शहर के विभिन्न चौक-चौराहों से गुजरते हुए दुमका के ऐतिहासिक गांधी मैदान पहुंचा, जहां मुख्य समारोह का आयोजन किया गया। इस जुलूस को सांसद नलिन सोरेन, दुमका विधायक बसंत सोरेन, शिकारीपाड़ा विधायक आलोक सोरेन, जिला परिषद अध्यक्ष जोयेस लुप्सी बेसरा, जामा विधायक डॉ लुईस मरांडी सहित विभिन्न जिलों से आए पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता का जुलूस गांधी मैदान की ओर पहुंचा जो बाद में सभा के रूप में तब्दील हो गई। दुमकाविधायक बसंत सोरेन और डॉक्टर लुईस मरांडी के नेतृत्व में यह जुलूस निकाली गई। यह जुलूस संथाल परगना महाविद्यालय मैदान से शुरू होकर गांधी मैदान पहुंची। रैली के दौरान नेताओं ने शहीद सिदो-कान्हू और वीर कुंवर सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की और झारखंडी संघर्ष के इतिहास को नमन किया। यह अवसर कई मायनों में खास रहा, क्योंकि यह पहली बार था जब झामुमो ने अपने संस्थापक और 'दिशोम गुरु' शिबू सोरेन की अनुपस्थिति में स्थापना दिवस मनाया।

बावजूद इसके, आयोजन में उत्साह और जनसैलाब यह संदेश दे रहा था कि पार्टी आज भी अपने मूल विचारों और संघर्ष की विरासत के साथ मजबूती से खड़ी है। इस कार्यक्रम में पार्टी सुप्रीमो रहे पद्म भूषण से सम्मानित शिबू सोरेन का कुर्सी मंच पर रखा गया। इस कार्यक्रम में उनकी होने की यह गवाही दे रहा था । मंच में मुख्यमंत्री सह पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष हेमंत सोरेन, दुमका विधायक बसंत सोरेन, दुमका सांसद नलिन सोरेन,शिकारीपाड़ा विधायक आलोक सोरेन, जिला परिषद अध्यक्ष जोयेस लुप्सी बेसरा, जामा विधायक डॉ लुईस मरांडी, वरिष्ठ नेता हेमलाल मुर्मू, वरिष्ठ नेता महेशपुर विधायक स्टीफन मरांडी, राजमहल सांसद विजय हांसदा, पार्टी के सुप्रियो भट्टाचार्य, मंत्री हफीजुल अंसारी, जिला अध्यक्ष शिव कुमार बास्की, सहित पार्टी के तमाम वरिष्ठ नेता इस शक्ति प्रदर्शन में शामिल हुए। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन विशेष चार्टर प्लेन से दुमका पहुंचे। हवाई अड्डे पर उनका भव्य स्वागत किया गया और गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। एयरपोर्ट से वे सीधे अपने खिजुरिया स्थित आवास पहुंचे। शाम करीब 6.45 बजे के आसपास मुख्यमंत्री गांधी मैदान पहुंचे, जहां उन्होंने झामुमो का झंडा फहराकर

उसके बाद गुरुजी के फोटो पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की। मंच पर संथाल परगना से जुड़े झामुमो के सभी विधायक और सांसद मौजूद रहे। हालांकि गांडेय कि विधायक कल्पना सोरेन मंच पर नहीं दिखी। इस विशाल आयोजन में संथाल परगना के सभी छह जिलों दुमका, देवघर, जामताड़ा, पाकुड़, साहिबगंज और गोड्डा से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और आम लोग शामिल हुए। भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। दुमका जिला पुलिस बल के साथ-साथ अन्य जिलों से भी सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई।

डॉक्टर नरेन्द्र कुमार पटना में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में हुए सम्मानित

निज संवाददाता | गोड्डा

एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस ऑफ इंडिया (एपीआई) के तत्वावधान में पटना में आयोजित एपिकॉन–2026 के भव्य राष्ट्रीय सम्मेलन में गोड्डा जिले के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. नरेन्द्र कुमार को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

यह सम्मान देश-विदेश से आए प्रख्यात चिकित्सकों, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति में प्रदान किया गया। डॉ. नरेन्द्र कुमार गोड्डा जिले के एक प्रतिष्ठित चिकित्सक हैं, जिन्हें हृदयरोग संबंधी चिकित्सा के क्षेत्र में लंबे अनुभव और निष्ठावान सेवा के लिए जाना जाता है। उन्होंने अपने करियर में न केवल रोगियों के उपचार को प्राथमिकता दी, बल्कि चिकित्सा जागरूकता, नैतिक चिकित्सकीय अभ्यास और समाज के कमजोर वर्गों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभाई है।

सेवा और समर्पण के मिसाल डॉ. नरेन्द्र कुमार की पहचान एक संवेदनशील और जनसेवी चिकित्सक के रूप में है। ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी को देखते हुए उन्होंने निरंतर प्रयास किए, जिससे आम लोगों को बेहतर चिकित्सा परामर्श और उपचार मिल सके। जटिल रोगों के उपचार के साथ-साथ वे युवा चिकित्सकों के मार्गदर्शन और प्रशिक्षण में भी सक्रिय रहे हैं। सम्मेलन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि डॉ. नरेन्द्र कुमार का यह सम्मान उनकी वर्षों की कड़ी मेहनत, पेशेवर ईमानदारी और मानव सेवा के प्रति समर्पण का प्रतीक है। गोड्डा जैसे दूरस्थ जिले से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित होना न केवल जिले बल्कि पूरे झारखंड के लिए गौरव की बात है। डॉ. नरेन्द्र कुमार को मिले इस सम्मान से क्षेत्र के चिकित्सकों और युवाओं को प्रेरणा मिलेगी कि समर्पण और सेवा भाव से किया गया कार्य अवश्य पहचान पाता है।

सोशल मीडिया पर सतत निगरानी रखे जाएं : डीसी

नगरपालिका आम चुनाव के शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर जिला स्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न

उपायुक्त ने सभी स्तर पर आपसी समन्वय और समयबद्ध जिम्मेदारीपूर्ण कार्य करने पर बल दिया।

निज संवाददाता | गोड्डा

नगरपालिका आम चुनाव को समयबद्ध, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से सोमवार को समाहरणालय सभागार में जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की संयुक्त अध्यक्षता उपायुक्त अंजली यादव और पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार ने की।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने निर्वाचन से जुड़े सभी विभागों और पदाधिकारियों को राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया लोकतंत्र का आधार है, इसलिए इसमें पारदर्शिता, निष्पक्षता और कानून-व्यवस्था की सुदृढ़ व्यवस्था सर्वोपरि होनी चाहिए।

उपायुक्त ने मतदाता सूची के अद्यतन, मतदान केंद्रों की तैयारी, मतदान कर्मियों की प्रतिनियुक्ति, मतपत्र एवं मतपेटियों की सुरक्षा, प्रशिक्षण कार्यक्रम, आदर्श आचार संहिता का पालन, सुरक्षा व्यवस्था, संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान और सतत निगरानी जैसे सभी महत्वपूर्ण पहलुओं की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। बैठक में निर्वाचन से जुड़े सभी कोषांगों के वरीय पदाधिकारियों ने मतदान, कार्मिक प्रबंधन, सामग्री आपूर्ति, सुरक्षा व्यवस्था, आदर्श आचार संहिता के अनुपालन और सूचना-प्रचार से संबंधित बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की। उपायुक्त ने कहा कि प्रत्येक स्तर पर आपसी समन्वय बनाकर समयबद्ध और जिम्मेदारीपूर्ण ढंग से कार्य किया जाए, ताकि चुनाव प्रक्रिया सुचारू और प्रभावी ढंग से संपन्न हो। बैठक में उप विकास आयुक्त दीपक कुमार दूबे, अपर समाहर्ता प्रेमलता मुर्मू, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला कोषागार पदाधिकारी विजय मिश्रा, जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ. मनोज कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी अरविंद प्रसाद अग्रवाल, गोड्डा वैद्यनाथ उरांव सहित संबंधित विभागों के नोडल अधिकारी और अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। इस बैठक के माध्यम से सुनिश्चित किया गया कि आगामी नगरपालिका चुनाव में सभी आवश्यक तैयारियां पूरी हों और मतदाता को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और निष्पक्ष मतदान का अनुभव प्राप्त हो।

नव भारत जागृति केन्द्र के सहयोग से स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम

निज संवाददाता | पोड़ैयाहाट(गोड्डा)

प्रखंड अंतर्गत ग्राम सिझुआ गांव में नव भारत जागृति केन्द्र और एसबीआई फाउंडेशन, मुंबई के सहयोग से स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया, जिसमें 168 ग्रामीण और विद्यालय के छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

इस आयोजन के तहत विद्यालय में 6 झाड़ू, 6 बाल्टी और पास के सलैया स्कूल में 4 झाड़ू, 4 बाल्टी वितरित किए गए। इसके अलावा, विद्यालय के छात्रों को 100 पीस साबुन भी दिए गए। किशोरियों को माहवारी स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए 45 नेपकिन पैड वितरित किए गए।

कार्यक्रम डॉ० जैकी शेखर, नर्स पूजा कुमारी, फार्मासिस्ट विक्रम कुमार, लैब टेक्नीशियन नीरज साह, मोबाइल मेडिकल वाहन चालक किशोर कुमार भगत, प्रोग्राम मैनेजर राजकुमार घोष, और स्कूल के प्रधानाचार्य स्वर्णलता मुर्मू और शिक्षिका ज्योति राजहंस की उपस्थिति में संपन्न हुआ। साथ ही सिझुआ ग्राम में 2 चापाकल और सोपटिक टैंक बनाया गया और ब्लीचिंग पाउडर और फिनाईल का छिड़काव करते हुए साफ-सफाई के प्रति जागरूक किया गया।

पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा ने जगदेव प्रसाद कुशवाहा की जयंती मनाई

निज संवाददाता | दुमका

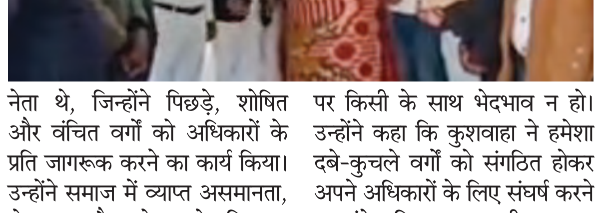

बन्दरजोरी स्थित कार्यालय परिसर में पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा, संताल परगना की ओर से सोमवार को समाजवादी चिंतक और सामाजिक न्याय के प्रबल समर्थक जगदेव प्रसाद कुशवाहा की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। दोपहर करीब 3 बजे आयोजित इस कार्यक्रम में मोर्चा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष असीम कुमार मंडल ने की। इस अवसर पर जगदेव प्रसाद कुशवाहा के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने उनके जीवन संघर्ष, विचारधारा और सामाजिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि जगदेव प्रसाद कुशवाहा सामाजिक न्याय की लड़ाई के ऐसे सशक्त नेता थे, जिन्होंने पिछड़े, शोषित और वंचित वर्गों को अधिकारों के प्रति जागरूक करने का कार्य किया। उन्होंने समाज में व्याप्त असमानता, भेदभाव और शोषण के खिलाफ आवाज बुलंद की और समतामूलक समाज की स्थापना के लिए जीवन भर संघर्ष किया।

उनके विचार सामाजिक समानता, शिक्षा और राजनीतिक भागीदारी पर केंद्रित थे, जो आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए असीम कुमार मंडल ने कहा कि जगदेव प्रसाद कुशवाहा का सपना ऐसा समाज था, जहां जाति, वर्ग और आर्थिक आधार पर किसी के साथ भेदभाव न हो। उन्होंने कहा कि कुशवाहा ने हमेशा दबे-कुचले वर्गों को संगठित होकर अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने का संदेश दिया। उनका जीवन आज की पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने आगे कहा कि पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा, जगदेव प्रसाद कुशवाहा के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और सामाजिक न्याय की लड़ाई को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य करता रहेगा। समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक अधिकार और सम्मान पहुंचाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

बिहारी शिव मंदिर में महारुद्र यज्ञ के आयोजन को लेकर हुई बैठक

निज संवाददाता | ठाकुरगंगटी (गोड्डा)

प्रखंड क्षेत्र के मोरडीहा पंचायत अंतर्गत बिहारी ग्राम स्थित शिव मंदिर परिसर में रविवार को आगामी 26 अप्रैल से 04 मार्च तक होने वाले महारूद्र यज्ञ को लेकर बैठक आयोजित की गई।

बैठक में यज्ञ में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान की सफलता को लेकर गहन विचार विमर्श किया गया। यज्ञ को जिले और राज्य स्तर पर ऐतिहासिक बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के कार्यों, विभिन्न प्रकार के व्यवस्थाओं और विभिन्न प्रकार की सुविधाओं के बारे में बारीकी से चर्चा की गई। आकर्षक यज्ञ मंडप का निर्माण, आकर्षक प्रतिमा का निर्माण, कीर्तन पंडाल, भोजन,भंडारा, पंडित, पुरोहित, यजमान, साधु, संत, सहयोगी, यज्ञ परिसर में लगने वाले भयंकर और ऐतिहासिक भीड़ वाली मेला, पेयजल, सुरक्षा व्यवस्था, विभिन्न प्रकार का खेल तमाशा, पूजन, जलपान, मिष्ठान, मनिहारा, पुस्तक, तस्वीर आदि की सजने वाली दुकान के बारे में भी बारीकी से चर्चा की गई। यज्ञ कार्यक्रम में श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा न हो समिति इसका पूर्ण रूपेण ख्याल रखेगी।

उक्त बैठक में अध्यक्ष राजाराम कापरी, सचिव आशीष कुमार आशीष, नारायण साह, निक्कू झा, सोती लाल भगत, अखिलेश शाह, दीपक पासवान, उमेश शाह, विनय शाह, इंद्रजीत मंडल, ज्ञानमोहन रंजन, चंद्रशेखर शुक्ला, ऋषि शाह, फंटूश कापरी, लंबोदर महतो, ब्रह्मदेव मंडल, बलराम शाह सहित बिहारी, मोरडीहा, महुआरा, रूंजी, बभनियां आदि गांवों के दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।